जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 17 जुलाई, 2022

FINAL NOTICE

करोड़ों की 5 बेडरुम वाली कोठी सिर्फ 75 लाख में!

रेट कभी भी 90 लाख हो सकती है

A Project By Kedia

THE KUNBA

बड़े परिवारों के लिए

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

FIXED PRICE

शुद्ध लाभः 15 लाख (20%)

JDA की सीमा मे जमीन बेचने के लिये 7665078637 पर जमीन का सम्पूर्ण विवरण WhatsApp करें।

KEDIA
Transforming Realty

TOLL FREE: 1800-120-23-23, 7877-07-27-37

www.kedia.com | www.kediahomes.com | info@kediahomes.com

www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2022/1900

*T&C Apply

विचार बिन्दु

निरन्तर बदलने की इच्छा रखना एक ताकत होती है, चाहे इसकी वजह से कंपनी का एक बड़ा हिस्सा कुछ देर के लिए पूरी तरह से अव्यवस्थित क्यों ना हो जाए। –जैक वेल्व

वर्षाकाल में आयुर्वेद की ऋतुचर्या

आयुर्वेद में दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या, स्वस्थवृत्त, सद्वृत्त, आहार, विहार आदि स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के उपयोगी और रणनीतिक उपाय हैं। पर्यावरण और पारिस्थिक तंत्र के साथ हमारे रिश्तों की अनवरत सार-संभाल या अनुकूलन ही ऋतुचर्या है। यह अनुकूलन ही धातु साम्य और दोष साम्य रखता है। यही हमें रोगों से बचाता है या आयुर्वेद की भाषा में कहें तो अनागत रोगों का प्रतिकार या विकार-अनुत्पत्ति में सहायक है। आज की चर्चा वर्षाऋतु में स्वास्थ्य रक्षा के विविध उपायों पर केन्द्रित है, जिसके मुख्य शास्त्रीय स्त्रोत चरक संहिता (च.सू.6.33-40), सुश्रुतसंहिता (सु.उ.64.46-55) एवं अष्टांगहृदय (अ.हृ.सू.3.42-48)हैं। ऋतुसंहार (2.1-29) में वर्षाऋतु का आँखों-देखा हाल रोचक है। स्वस्थवृत्त पर प्रकाशित समकालीन वैज्ञानिक शोध, जो लगभग नगण्य है, का भी सहारा लिया गया है। आयुर्वेदाचार्यों के अनुभवजन्य ज्ञान भी यहाँ समाहित है। संहिताओं में उपलब्ध जानकारी का मूल स्त्रोत लगभग आठवीं शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर सातवीं शताब्दी के मध्य का है। किन्तु इनकी समकालीन सार्थकता को आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों के सन्दर्भ में देखने पर भी यथावत उपयोगी हैं।

वर्षा ऋतु आते-आते, शिशिर, बसंत एवं ग्रीष्म ऋतु के प्रभाव से कमजोर हुये शरीर की अग्नि या भूख वात आदि दोषों से मंद पड़ती जाती है। प्राय: बादलों की छाया, नमी के कारण शीतल हुई हवा, मिट्टी में पानी पड़ने पर निकलने वाली शुरुआती भाप, भोजन का अम्ल विपाक होना और सतही जल में प्रदूषण बढ़ जाने से जठराग्नि मंद हो जाती है। वात कुपित होकर अन्य दोषों पर भी प्रभाव पड़ता है। इस कारण वर्षा ऋतु में आहार-विहार में बड़ी सावधानी रखना आवश्यक है। आहार-विहार ऐसा हो जिसमे मुख्यतया वात के शमन के साथ ही कफ और पित्त का शमन भी हो। जठराग्नि चूँकि मंद रहती है, अत: भोजन का अग्निवर्धक होना आवश्यक है। सूत्र रूप में कहें तो वात शमन एवं जठराग्नि को दीप्त किये बिना वर्षा ऋतु में बीमारी से बच पाना संभव नहीं है। वर्षा ऋतु के प्रारम्भ में ही, अपने आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से समुचित वमन, विरेचन, स्वेदन, मर्दन आदि से शरीर में संचित दोषों का शोधन करते हुये आस्थापन या निरूहणबस्ति का प्रयोग करना चाहिये।

खान-पान में यह ध्यान रखना आवश्यक है कि जब तक पहले खाया हुआ भोजन ठीक से पच न जाये, तब तक पुन: भोजन नहीं करना चाहिये। वर्षा ऋतु में आराम से पच जाने वाले खाद्य पदार्थ लेना स्वास्थ्यकर रहता है। मधुर, अम्ल एवं लवण रसों का सेवन, हलका गरम दूध, घी, पुराने जौ, गेहूं व चावल, विशेष कर साठी के चावल लेना लाभकारी होता है। मूंग की दाल का जूस, पुराना शहद, पुराने आसव व अरिष्ट, मस्तु या दही का पानी, सौवर्चल या काला नमक, सैन्धव नमक, पंचपोल (पिप्पली, पीपलामूल, चव्य, चीता, नागरमोथा) का चूर्ण वर्षा ऋतु में बहुत उपयोगी रहते हैं। जिस दिन आकाश में बादल छाये हों, उस दिन खट्टे, नमकीन व स्निग्ध खाद्य पदार्थों के साथ सूखे चने-चबैने का आनंद लिया जा सकता है। ये सब लघु होने से जल्दी पच जाते हैं। रुक्ष व उष्ण खाद्य पदार्थ, नये अन्न, बहुत ठंडा पानी आदि का प्रयोग नहीं करना चाहिये। छाछ या मठा, सत्तू के घोल आदि से बचना ही श्रेयस्कर है।

वर्षा ऋतु में नदियों, तालाबों और पोखरों में सिमट-सिमट कर आने वाला सतही जल अपने साथ बड़ी गन्दगी बहा कर लाता है। भारत में तीव्र आर्थिक विकास, साक्षरता दर में सुधार, और बेहतर जल स्त्रोतों की व्यापक पहुंच के बावजूद वर्ष 2011 की जनगणना में यह पाया गया कि 70 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों में शौचालय नहीं है। स्वाभाविक है कि पूरे देश के नदी-नाले, तालाब, पोखर और यहाँ तक कि कुओं के पानी में कॉलिफोर्म बैक्टीरिया भारी संख्या में पाये जाते हैं। बरसात के दिनों में नदियों का जल प्रकृति से ही अहितकर होता है। हालाँकि देश में नदियों के प्रदूषण पर देश भर के प्रदूषण नियंत्रण मंडलों के आंकड़े और वैज्ञानिक अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि 3000 साल पूर्व महर्षि चरक की यह सलाह अब हर ऋतु के लिये सही है। भारत में आज कोई ऐसी नदी नहीं है जो नगरीय मल-जल या औद्योगिक प्रदूषण से प्रदूषित न हो। उपचार के बिना कोई सतही जल पीने योग्य नहीं बचा है। यहाँ तक कि भारत की सबसे पूज्य और पवित्र नदी का जल भी आज समुचित उपचार के बिना पीने के पूर्णत: अयोग्य है। अत: बिल्कुल साफ़ पानी ही पीने में प्रयोग करना चाहिये। नहाने के लिये भी नदी, नालों, तालाब या पोखर के पानी का प्रयोग नहीं करना चाहिये, क्योंकि दूषित पानी में ऋतु-जन्य, परिस्थिति-जन्य एवं पर्यावरण-जन्य संक्रमणकारी और प्रदूषणकारा तत्व मिले रहते हैं। अत: स्वस्थ रहने के लिये दिनचर्या, ऋतुचर्या, स्वस्थवृत्त आदि जैसे सभी साधारण उपाय करना चाहिये।

आज दिनचर्या, रात्रिचर्या या ऋतुचर्या गड्डमड्ड होने के साथ ही प्रज्ञापराध या असात्म्येन्द्रियार्थ संयोग से मुक्त जीवन जीना दूभर हो रहा है। ऐसी स्थिति में वर्षा ऋतु में केवल वात ही नहीं, बल्कि पित्त व कफ भी भड़के रहते हैं। इसलिये वर्षाकाल में शरीर को स्वस्थ रखने के लिये केवल वात-नियामक, अग्नि-उद्दीपक और संक्रमण-मुक्त जीवनशैली नहीं बल्कि आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से त्रिदोष-नियामक आहार-विहार और रसायन ही हमारा कल्याण कर सकते हैं।

बिना जूते पहने नंगे पैर कीचड़ या गीली मिट्टी में चलना ठीक नहीं होता। गीले कपड़े नहीं पहनना चाहिये। वस्त्रों को समय-समय पर धूप में डालते रहना चाहिये या धोकर और सुखाकर अच्छी तरह प्रेस करने के बाद पहनने चाहिये। रहने की जगह भी ऐसी हो जहाँ सीलन या वर्षा की बौछारें न पहुँचती हों। वर्षा ऋतु में दिन में नहीं सोना चाहिये। अधिक परिश्रम करना, या धूप या ओस में बहुत ज्यादा समय तक रहना भी स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है। बहुत अधिक व्यायाम या सेक्स भी वर्षा ऋतु में ठीक नहीं होता, हालाँकि आत्रेय विरचित सार संग्रह में उपवन में टहलना और नियमित व्यायाम शक्ति संचय के लिये कल्याणकारी माना गया है। वर्षाऋतु के अन्त में जब शरद ऋतु आने वाली होती है तब तक शरीर में पित्त का संचय होता रहता है और शरद ऋतु के आते ही संचित पित्त कुपित होने लगता है। अत: वर्षाऋतु के अन्त में अपने आयुर्वेदाचार्य की सलाह से तिक्तघृत या महातिक्तघृत का प्रयोग लाभकारी होता है।

भारत में छह प्रमुख वेक्टर जनित रोगों का भारी प्रकोप है। इनमें मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, फाइलेरिएसिस, जापानी एन्सेफलाइटिस और विसरललिशमानियासिस शामिल हैं जो जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बढ़ सकते हैं। वर्षा ऋतु में तापमान की अधिकता के साथ ही जल की प्रचुरता से बैक्टीरिया, वायरस, मच्छर, मक्खी आदि का प्रकोप भी बढ़ जाता है। अध्ययन बताते हैं कि वर्षा ऋतु में डेंगू-संक्रमित मच्छरों का प्रतिशत बढ़ जाने से आगे चलकर उनकी संक्रामकता बढ़ जाती है। साथ ही सर्दी, खांसी, जुखाम, बुखार, अपच, डायरिया आदि का प्रकोप भी बढ़ जाता है। ऐसी दशा में बीमार पड़ने पर प्राय: आयुर्वेद की वे औषधियां जो एन्टी-वायरल, एन्टी-बैक्टेरियल व एन्टी-इन्फेक्टिव प्रभाव वाली होती हंय उनसे शीघ्रता से लाभ मिलता है। विविध प्रकार के वायरल संक्रमण के कारण रक्त में प्लेटलेट्स की संख्या में भारी कमी जानलेवा हो सकती है। अत: तुलसी, गुडूची, कालमेघ जैसे औषधीय पौधों से प्राप्त मानकीकृत औषधियाँ लाभकारी हो सकती हैं। इन प्रजातियों को घरों के आसपास उगाकर रखना और आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से चिकित्सकीय उपयोग जीवन-रक्षा में मददगार हो सकता है।

इस सब चर्चा का हमारे लिये महत्व यह है कि यदि स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ नहीं करना है तो समुचित ऋतुचर्या का पालन करना चाहिये। इससे अनावश्यक बीमार पड़ने से होने वाली धन की बर्बादी से बचा जा सकता है। याद यह भी रखना है कि ऋतुचर्या के पालन का अर्थ यह नहीं है कि आयुर्वेदोक्त दिनचर्या, रात्रिचर्या, स्वस्थवृत्त या सद्वृत्त आदि से छुटकारा मिल गया।

सारांशत: देखें तो वर्षाऋतु में चार बातें सम्भालना आवश्यक है: प्रकुपित वात का शमन, मंद पड़ी जठराग्नि का प्रज्वलन, प्रदूषित जल व खाद्य सामग्री से पूर्ण बचाव, और वेक्टर-बॉर्न बीमारियों से बचाव। आचार्य चरक, सुश्रुत एवं वाग्भट आदि ने हालांकि यह स्पष्ट किया है कि वर्षा ऋतु में वात का प्रकोप बढ़ता है किन्तु समकालीन वैज्ञानिक अध्ययन और अनुभवजन्य ज्ञान स्पष्ट करता है कि आज दिनचर्या, रात्रिचर्या या ऋतुचर्या गड्डमड्ड होने के साथ ही प्रज्ञापराध या असात्म्येन्द्रियार्थ संयोग से मुक्त जीवन जीना दूभर हो रहा है। ऐसी स्थिति में वर्षा ऋतु में केवल वात ही नहीं, बल्कि पित्त व कफ भी भड़के रहते हैं। इसलिये वर्षाकाल में शरीर को स्वस्थ रखने के लिये केवल वात-नियामक, अग्नि-उद्दीपक और संक्रमण-मुक्त जीवनशैली नहीं बल्कि आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से त्रिदोष-नियामक आहार-विहार और रसायन ही हमारा कल्याण कर सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

महंगाई ने बदला बाज़ार का ट्रैंड

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

■ लक्जरियस वस्तुओं की खरीद को तो आम नागरिक कुछ समय के लिए डेफर करने में ही भलाई समझने लगे हैं

महंगाई की मार के साथ ही आम उपभोक्ताओं की मानसिकता में भी अब तेजी से बदलाव देखने को मिलने लगा है। बाजार के बदलते हालातों ने अब आमलोगों को ब्राण्डेड के स्थान पर आम उत्पादों यानी कि लोकल उत्पादों की और प्रेरित किया है तो अनावश्यक खर्चों में कटौती करने को भी मजबूर किया है। एक्सिस माई इंडिया द्वारा हाल ही कराए गए कंज्यूमर सेंटीमेंट इंडेक्स सर्वे की नवीनतम रिपोर्ट में यह तथ्य उभर कर आए हैं। सभी तरह की उपभोक्ता वस्तुओं के दामों की बढ़ोतरी का असर सीधे रुप से बाजार में दिखाई देने लगा है। अब कोई भी वस्तु खरीदने से पहले आम आदमी दस बार सोचने लगा है और ब्रॉण्ड के साथ ही उसकी कीमत भी देखने लगा है। हालात यहां तक आने लगे हैं कि लक्जरियस वस्तुओं की खरीद को तो आम नागरिक कुछ समय के लिए डेफर करने में ही भलाई समझने लगे हैं। बाजार जानकारों की माने तो देश में तेज गर्मी के बावजूद एसी सहित अन्य इलेक्ट्रोनिक उत्पादों की खरीद में 25 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। संपन्न लोग भी मोबाइल हैण्डसेट बदलने को डेफर कर रहे हैं तो नामी गिरामी नाम के स्थान पर लोग स्थानीय उत्पादों को तरजीह देने लगे हैं। यही नहीं रोजमर्रा के खाने पीने की वस्तुओं में भी अब लोकल का दबदबा होने लगा है। यह सब बाजार में बढ़ती कीमतों के कारण हो रहा है।

दरअसल कोरोना दौर का असर अभी तक जारी है। पूरी तरह से मार्केट संभल भी नहीं पाया है तो सोवियत रुस यूक्रेन युद्ध ने कोढ़ में खाज का काम कर दिया है। पर्यावरण असंतुलन के चलते तेज गर्मी व प्राकृतिक आपदाओं से दुनिया के देश जूझ रहे है तो आतंकवादी या हिंसक घटनाओं से कई देशों को दो चार होना पड़ रहा हैं।

दुनिया के देशों में राजनीतिक अस्थितरता के कारण भी हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। दुनिया के देशों के सामने खाद्यान्न संकट मुंह बाये खड़ा है तो कच्चे तेल के बढ़ते भावों के कारण महंगाई दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। लाख प्रयासों के बावजूद महंगाई डायन है कि कंट्रूल में आने का नाम ही नहीं ले रही है। रुस यूक्रेन युद्ध से अलग हट कर भी देखे तो इंग्लैण्ड, इजरायल और कुछ हद तक अमेरिका के राजनीतिक हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते तो श्रीलंका के हालात सामने आ चुके हैं। पाकिस्तान के हालात किसी से छिपे नहीं हैं तो अफगानिस्तान के हालातों से भी सभी को जानकारी है। ऐसे में आर्थिक हालात पटरी पर आने की बात करना ही बेमानी होगा। यदि पेट्रोल डीजल के भावों को लेकर ही विश्लेषण किया जाए तो हम पाएंगे कि इनके बढ़ते दाम का असर पूरे बाजार पर तत्काल पड़ता है। क्योंकि वस्तुओं का परिवहन महंगा हो जाता है तो मूल्य में बढ़ोतरी स्वाभाविक ही हो जाती है। यह कोई अकेला कारक नहीं है पर इसका अपना और महत्वपूर्ण असर देखा जा सकता है।

देखा जाए तो महंगाई के बढ़ते उपभोक्ता मांग बढ़ने की बात करना ही बेमानी हो जाती है। लोगों की आय सीमित हो गई है। कोरोना का असर यह रहा है कि लोगों की नौकरी छूटी तो नौकरी को बचाने के लिए कई समझौते करने पड़े। संस्थानों ने नियोक्ताओं ने कार्मिकों के वेतन भत्तों में तेजी से कटौती की। नौकरी की मजबूरी के चलते कार्मिकों को भी सबकुछ सहन करना पड़ा। कोरोना के बाद भी कई क्षेत्र तो ऐसे हैं जिनके पटरी पर आने में लंबा समय लगना तय माना जा रहा है। पर्यटन उद्योग, होटल उद्योग अभी पूरी तरह से पटरी पर नहीं आ पाया है तो दूसरी और कृषि लागत में बढ़ोतरी और न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी से खाद्यान्न महंगें होते जा रहे हैं। चीन के कारण भी दुनिया के देशों की आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई है। कोरोना के बाद से दुनिया के अधिकांश देशों की नजर में चीन विलेन के रुप में उभरा है वहीं चीन अभी भी कोरोना संकट से गुजर रहा है। लोग चीन से बेतहासा नाराज हैं।

उपभोक्ता का अपना मिजाज होता है। समय के साथ उसके मिजाज में बदलाव भी आता है। बाजार के हालिया हालातों से यह साफ हो जाता है। भारतीय बाजार की ही चर्चा करें तो भारतीय उपभोक्ता की मानसिकता को इसी से समझा जा सकता है कि 16 माह में स्मार्टफोन बदलने वाले उपभोक्ता अब इसे आठ से बारह महीने व इससे भी अधिक के लिए डेफर करने लगे हैं तो बेतहासा गर्मी के बावजूद एसी मार्केट उतना नहीं उठ पाया जितनी संभावना मानी जा रही थी। एक्चुअल में देखा जाए तो सरकारों की लाख योजनाओं के बावजूद लोगों की स्वास्थ्य खर्च की चिंता अधिक बढ़ी है।

कोरोना के बाद लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक सावचेत हुए हैं। यही कारण है कि लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक संवेदनशील हो गए हैं। इसके साथ ही मेडिकल इंश्योरेंस के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है। हांलाकि इसके प्लस माइनस अलग विश्लेषण का विषय हो जाता है। देखा जाए तो जिस तरह से लोगों ने पेट्रूल डीजल के भावों से समझौता कर ही लिया है तो फिर उसकी खानापूर्ति अपने अन्य खर्चों यहां तक कि घरेलू दिन प्रतिदिन के खर्चों में भी कमी करके की जाने लगी है। ऐसे में सवाल महंगाई पर अंकुश लगाने का हो जाता है। बढ़ते मूल्यों पर रोक और इकोनोमी को पटरी पर लाना सरकार के सामने बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का हल निकाल कर ही लोगों को राहत दी जा सकती है। ऐसे में अब सरकार की पहली प्राथमिकता महंगाई बढ़ने के कारकों को नियंत्रण में लाना होना चाहिए तभी जाकर के बाजार में मांग और आपूर्ति में गति आ सकेगी।

–डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

'धार्मिक स्थानों को मिलेगी सीधी रेल कनैक्टिविटी'

■ रेल लाइन कृषि और स्थानीय उत्पादों के परिवहन में सुविधा प्रदान करेगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। आर्थिक मामलों की केबिनेट कमेटी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 2798.16 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से रेल मंत्रालय द्वारा बनाई जाने वाली तारंगाहिल-अंबाजी-आबू रोड नई रेल लाइन (116.65 किलोमीटर) के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना 2026.27 तक पूरी की जाएगी। इस परियोजना में निर्माण के दौरान लगभग 40 लाख मानव दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

अंबाजी देश का प्रसिद्ध एवं महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है तथा यह भारत में 51 शक्तिपीठों में से एक में सम्मलित है। अंबाजी धार्मिक स्थल में हर साल गुजरात के और देश के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ विदेशों से लाखों भक्त दर्शन के लिये आते हैं। तारंगाहिल-अंबाजी-आबू रोड नई लाइन के निर्माण से यहां आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को यात्रा में आसानी होगी। इसके अलावा, तारंगाहिल में स्थित अजीतनाथ जैन मंदिर (24 पवित्र जैन तीर्थंकरों में से एक) के दर्शन के लिये आने वाले श्रद्धालुओं के लिये यह रेल लाइन देष के अन्य ब्रॉडगेज नेटवर्क से सम्पर्क स्थापित करेगी। यह रेल लाइन कृषि और स्थानीय उत्पादों के परिवहन में तीव्र आवागमन की सुविधा प्रदान करेगी और गुजरात और राजस्थान राज्यों को देश के अन्य हिस्सों के साथ बेहतर गतिशीलता प्रदान करेगी। यह परियोजना मौजूदा अहमदाबाद-आबू रोड रेलवे लाइन के लिए वैकल्पिक मार्ग भी प्रदान करेगी। प्रस्तावित नई रेल लाइन राजस्थान के सिरोही जिले और गुजरात के साबरकांठा, बनासकांठा और महेसाणा जिलों से होकर गुजरेगी।

तारंगाहिल-अंबाजी-आबू रोड नई रेल लाइन पर कुल 15 स्टेशन प्रस्तावित है, जिनमें 8 क्रॉसिंग और 7 हाल्ट स्टेशन होंगे तथा 11 टनल, 54 बडे पुल, 151 छोटे पुल, 8 रोड ओवर ब्रिज, 54 रोड अण्डर ब्रिज/सीमित ऊंचाई के पुल तथा यह विद्युतीकृत ट्रेक्शन पर संचालित मार्ग होगा। परियोजना के निर्माण से गुजरात और राजस्थान राज्यों के पर्यटन और धार्मिक स्थलों का रेल परिवहन के माध्यम से सम्पर्क स्थापित होगा, जिसमें प्रमुख पर्यटक स्थल माउंट आबू और आध्यात्मिक केन्द्र प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, दिलवाडा के जैन मंदिर अम्बाजी में स्थित देवी शक्ति पीठ, तारंगाहिल में जैन धर्म के तीर्थ स्थल प्रमुख है।

यह रेल लाइन इस क्षेत्रा में स्थित डेयरी और मार्बल उद्योग के विस्तार में भी सहायक होगी तथा रेल के आगमन से इस क्षेत्रा में अन्य उद्योग और इण्डस्ट्रीज के आने की संभावना बनेगी। तरंगाहिल-अंबाजी-आबू रोड नई रेल लाइन की स्वीकृति पर आमजन, जन प्रतिनिधियों, उद्यमियों, व्यापारियों तथा धार्मिक और पर्यटक स्थलों के पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर की।

राष्ट्रीय मिलिटरी स्कूल धौलपुर ने 60 साल पूरे होने पर मनाया समारोह

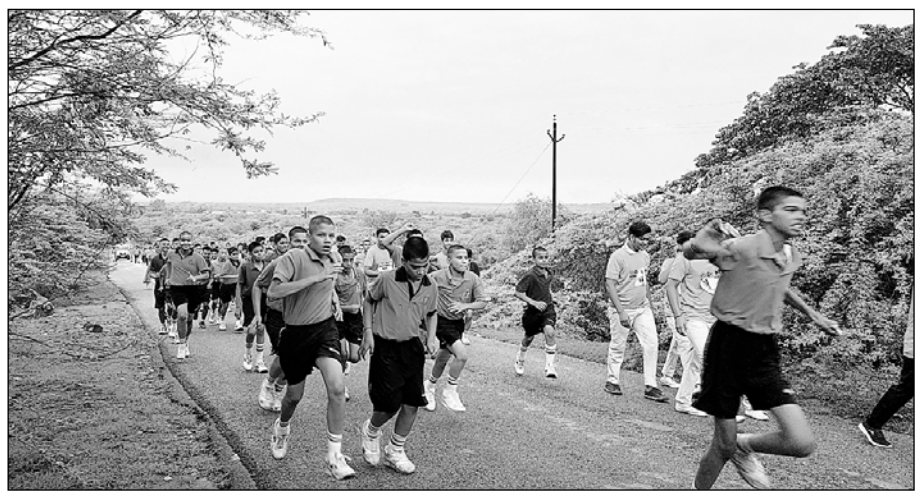

धौलपुर मिलिटरी स्कूल के समारोह के दौरान मैराथन में दौड़ लगाते युवा।

■ पूर्व छात्र ब्रिगेडियर वी. के. रौतेला स्टेशन कमांडर ने मैराथन धावकों को रवाना किया

धौलपुर, (निसं)। राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल धौलपुर पूर्ववर्ती किंग जॉर्ज स्कूल आज से 60 साल पहले दिनांक 16 जुलाई 1962 को पांचवा राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल धौलपुर में स्थापित किया गया। इस संस्थान ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में छात्रों के निरंतर विकास, विस्तार और उनकी उन्नित में अपना योगदान दिया है। सैन्य मूल्यों और अपने आदर्श वाक्य के साथ नेतृत्व "चरित्र सर्वोच्च गुण है" शीलम परम भूषणम के साथ आगे बढना सिखाया।

डायमंड जुबली वर्ष में विद्यालय कई कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है। विधालय ने अपने डायमंड जुबली समारोह के पहले इवेंट में शनिवार को ओपन मैराथन के साथ शुभारम्भ किया। इस समारोह में पूर्व छात्र ब्रिगेडियर वी. के. रौतेला स्टेशन कमांडर, स्टेशन हेड-क्वार्टर भरतपुर ने शनिवार को स्थापना दिवस की अल सुबह 05:30 बजे स्कूल के राकेश शर्मा स्टेडियम से हरी झंडी दिखाकर मैराथन के धावकों को रवाना किया।

गणमान्य व्यक्तियों तथा धौलपुर के नागरिकों और धौलपुर के ही विभिन्न कॉलेज और स्कूल के छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान मिलिट्री स्कूल धौलपुर के प्रिंसिपल लेफ्टिनेंट कर्नल श्याम कृष्णा टी.पी, अध्यक्ष ओ.बी.ए. और ओल्ड बॉयज के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। शनिवार को भरतपुर में एक वर्चुअल साइक्लोथॉन और एक साइकिल अभियान का भी आयोजन किया गया था। जिसे भरतपुर आईजी गौरव श्रीवास्तव और पुष्पेंद्र सोलंकी कमांडेट आर.ए.सी., भरतपुर की अध्यक्षता में पूर्व छात्रों की एक टीम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिसमें कई पूर्व छात्र, पुलिस कर्मी और भरतपुर के सरकारी और गैर सरकारी नागरिकों ने हिस्सा लिया और इसमें उत्साही प्रतिभागियों ने 60 किलोमीटर साइकिल चलाकर अभियान पूरा किया।

चिकित्सा मंत्री के क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्थाऐं बेहाल

■ परिसर में जमा बदबूदार पानी एवं गंदगी युक्त माहौल मरीजों को और ज्यादा बीमार कर रहा है

■ लेबर रूम मिला बदहाल, वार्ड में बदबूदार गन्दी बेडशीट मिली

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मंडावरी के लेबर रूम में फर्श पर बदहाल अवस्था में पड़ी सक्सन मशीन।

मंडावरी, (निसं)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावरी में अव्यवस्थाओं का आलम वहां आने वाले मरीजों के लिए असुविधाओं का सबब बना हुआ है।अगर लेबर रूम की बात की जाए तो ना वहां पहुंचने वाली मां सुरक्षित है ना ही बच्चा सुरक्षित है। कहने भर को मंडावरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा का गृह क्षेत्र है लेकिन राज्य सरकार द्वारा मरीजों को प्रदान की जाने वाली चिकित्सा से जुडी निशुल्क सुविधाओं को मरीज तक पहुंचाने में घोर लापरवाही बरती जा रही है।

चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा लालसोट विधानसभा क्षेत्र को चिकित्सा के रूप में मॉडल बनाने की कवायदों पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत चिकित्सा अधिकारी एवं चिकित्सा कर्मी पानी फेरते नजर आ रहे हैं। शनिवार को यहां चारों तरफ अव्यवस्थाओं का आलम दिखाई दिया। वार्ड के अंदर बेड पर गंदी मैली कुचेली बदबूदार चद्दर, लेबर रूम में प्रसव के दौरान इस्तेमाल आने वाला अधिकतर सामान मौजूद नहीं था। लेबर रूम में अव्यवस्थाओं का आलम साफ कर रहा था कि अगर आपातकाल में प्रसव कराना पडे तो तकनिकी सुविधाओं के अभाव में प्रसूता की जान खतरे में पडेगी। स्वास्थ्य केंद्र परिसर में कीचड युक्त बदबूदार जमा बरसाती पानी एवं व्याप्त गंदगी युक्त माहौल आने वाले मरीज को और ज्यादा बीमार करने के लिए पर्याप्त है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रात्रि कालीन सेवाओं के समय विशेष तौर से पाया गया है कि ऑन कॉल के नाम से चिकित्सक खुद के क्वार्टर में आराम फरमाते हैं एवं किसी आपातकालीन समय के दौरान वहां आने वाले मरीज को तुरंत सेवा नहीं मिलती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पिछले बीते समय से आने वाली प्रसूताओ को स्थानीय स्तर पर प्रसव कराने की बजाय वहां से रैफर करने की भी परंपरा डाली हुई है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

रविवार 17 जुलाई, 2022

सावन मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, शतभिषा नक्षत्र दिन 1:25 तक, सौभाग्य योग सांय 5:48 तक, बालव करण दिन 10:50 तक, चन्द्रमा कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-मीन, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:29 से 9:10 तक, लाभ-अमृत 9:10 से 12:33 तक, शुभ 2:14 से 3:56 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:47, सूर्यास्त 7:18

मेष

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

वृष

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मन में असंतोष और भय बना रहेगा।

सिंह

परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

कन्या

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। मन का भय समाप्त होगा।

तुला

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है और आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक

घर-परिवार के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मकर

परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा और अनावश्यक धन खर्च होगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा। वाणी की कटुता के कारण परिवार में तनाव बढ़ सकता है।

कुंभ

व्यक्तिगत कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 342 प्रभात जयपुर, रविवार 17 जुलाई, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Jagat Singh Mehta

Jagat was also dispatched to receive Dalai Lama when he entered India as a refugee in 1959, escaping brutal Chinese crackdown of Tibet. His Holiness never forgot Jagat's humility lifelong.

Daawat -E- Awadh

Finger licking Nawabi treat for tingling tastebuds in town!!!!

ब्रिटेन की सबसे बड़ी तितली स्वॉलोटेल को फंगल पैथोजन की वजह से भारी खतरा हो सकता है। इन पैथोजन्स के कारण दुर्लभ पौधा "मिल्क पार्सली" मर रहा है जिस पर इस तितली के लार्वा पलते हैं। यह तितली ब्रिटेन में सिर्फ 16 जगहों पर मिलती है और ये सभी स्थान नॉरफोक ब्रॉड्स में हैं, जहाँ मिल्क पार्सली पौधे बहुतायत में हैं। लेकिन गत वर्ष गर्मी के मौसम में 90 प्रतिशत से ज्यादा मिल्क पार्सली पौधे मर गए, यहां तक कि, इनके बीज भी नहीं बने। गत वर्ष नॉरविच के पास वीटफैन नेचर रिज़र्व में एक ज्ञात फंगल का दूसरे पैथोजन के साथ नए तरीके से मेल देखा गया, जो कि मिल्क पार्सली के मुरझाने का कारण हो सकता है। स्वॉलोटेल एण्ड बर्डविंग बटर फ्लाई ट्रस्ट के मार्क कॉलिन्स ने कहा, "यह कोई नया या अज्ञात पैथोजन नहीं है लेकिन इसने वीटफैन में मिल्क पार्सली आबादी को खत्म कर दिया है। लेकिन, चूँकि केवल 16 ऐसे स्थान बचे हैं जहाँ स्वॉलोटेल प्रजनन करती हैं इसलिए चिंता अधिक है। तथापि, अगर मिल्क पार्सली के पौधे मुरझा गए और उनके बीज नहीं बने तो यह सदाबहार पौधा ब्रॉड्स में और भी दुर्लभ हो जाएगा। प्लांट पैथॉलजिस्ट्स इन पौधों के मुरझाने का कारण ढूंढ रहे हैं। गत वर्ष भारी मात्रा में पौधों के मुरझाने का कारण अज्ञात हैं, लेकिन हो सकता है कि, कोई दूसरा फंगल पैथोजन हो, जो पहले पैथोजन के साथ मिलकर काम कर रहा है। पौधों के मुरझाने का एक अन्य कारण खारा पानी भी हो सकता है जो इन्हें कमजोर कर रहा है। रॉयल हॉर्टीकल्चरल सोसायटी की प्लांट पैथॉलजिस्ट, डॉ. फे न्यूबेरी ने पुष्टि की है कि प्राथमिक संक्रमण के अलावा दूसरा पैथोजन भी पौधे के भीतर है जिसकी वजह से ये पौधे मुरझा रहे हैं। आई.यू.सी.एन. की नई रैड लिस्ट में स्वॉलोटेल को ब्रिटेन में वल्नरेबल वर्ग में रखा गया है क्योंकि यह केवल नॉरफोक ब्रॉड्स में ही मिलती है। समुद्र का जल स्तर बढ़ने से ताजे पानी के कुछ दलदली क्षेत्र नष्ट हो जाएंगे, जो वर्तमान में स्वॉलोटेल और मिल्क पार्सली दोनों का आवास हैं। अगर ये क्षेत्र नष्ट हो गए तो ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां स्वॉलोटेल पनाह ले सकें।

ममता, मुर्मू की उम्मीदवारी से बेचैन थीं, पर कुछ चैन मिला जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद पर भेजने की खबर से

बंगाल की आदिवासी बैल्ट में विपरीत प्रतिक्रिया से भयभीत ममता बनर्जी के कोई खास विकल्प नहीं बचे हैं

- यदि वो यशवन्त सिन्हा से, जो मूलतः प्रारंभ से ममता बनर्जी के उम्मीदवार थे, चुनाव से पूर्व नाता तोड़ती है, तो उनकी राजनीति प्रतिष्ठा को भारी नुकसान होगा।
- अगर वो राजनीतिक प्रतिष्ठा को लगने वाले धक्के को बर्दाश्त करने का निर्णय ले भी लेती हैं, तो भी उनको राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का बड़ा नेता बनने की महत्वकांक्षा को भी त्यागना होगा।
- वे अन्ततोगत्वा फिर आदिवासी बैल्ट के कारण वो अपने विधायकों व सांसदों को अंत में राष्ट्रपति पद के लिये अपना वोट देने का निर्देश दे सकती हैं। अथवा यह निर्णय ले सकती हैं कि, विधायक/सांसद अपना निर्णय लेने के लिये स्वतंत्र हैं।
- इस राजनीतिक उधेड़-बुन में ममता बनर्जी के लिये राहत की बात है कि, उनकी निगाह में लगातार कांटा बनकर तकलीफ देने वाले राज्यपाल को भाजपा ने उपराष्ट्रपति पद का अपना उम्मीदवार बनाने का निर्णय लगभग ले लिया है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। अगर आम आदमी पार्टी को राष्ट्रपति चुनाव में यशवंत सिन्हा की उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिये मजबूर करने का दोष किसी को दिया जा सकता है, तो भाजपा ही है।

भाजपा दिल्ली के आप के कम से कम दो मंत्रियों के बुरी तरह पीछे पड़ी हुई है तथा केन्द्रीय जाँच एजेंसियाँ इस समय ट्रायलों के दौरान इन्हें बहुत परेशान कर रही हैं। इसके अलावा भी, आप सरकार तथा दिल्ली के उपराज्यपाल के बीच छोटी-मोटी बातों को लेकर भी खींचतान भी चलती ही आ रही है।

आप ने आज यशवंत सिन्हा को अपना समर्थन देने की घोषणा कर दी तथा यह बिल्कुल साफ कर दिया कि यह एक मुश्किल निर्णय है। राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू का विरोध करना बड़ा मुश्किल हो गया है तथा इस विरोध का कोई वाजिब कारण या औचित्य होना आवश्यक है। जमीन स्तर की कार्यकर्ता से यहाँ तक पहुँचने की उनकी छवि यशवंत सिन्हा की स्थिति पर जबरदस्त रूप से भारी पड़ रही है। और तो और, विपक्षी दल भी इस बात से सहमत हैं।

राजनैतिक रूप से, आप निरापद रूप से ऐसा कर सकती थी, क्योंकि दिल्ली तथा पंजाब दोनों में से किसी भी राज्य में आदिवासी मतदाताओं का कोई मजबूत ब्लॉक नहीं, जो इस निर्णय से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्यू आर कोड

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। इलैक्ट्रॉनिक इण्डस्ट्रीज के लिए

- केन्द्र सरकार ने बिज़नैस को आसान बनाने के लिए पैकेज्ड इलैक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर, वस्तु का ब्यौरा क्यू.आर. कोड में देने की अनुमति दी है।

बिजनैस को आसान बनाने की प्रक्रिया को प्रोत्साहन देने का दावा करते हुए सरकार ने पैकेज्ड वस्तुओं, जिसमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोविड-19 केस

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। भारत में लगातार तीसरे दिन, शनिवार को भी

- लगातार तीसरे दिन भी भारत में कोविड-19 संक्रमण के बीस हजार से ज्यादा केस आए।

कोविड-19 संक्रमण के 20,000 से ज्यादा नए केस आए। शनिवार को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यू.पी. के लोकसभा चुनावों में हारी 14 सीटों को जीतने का अभियान शुरू किया भाजपा ने

हर हारी हुई सीट के लिये एक केन्द्रीय मंत्री, दो प्रदेश के मंत्री तथा बीस कार्यकर्ताओं की एक टीम गठित की गयी है, जिसने काम करना शुरू कर दिया है

- भाजपा की कोशिश है, इस बार सोनिया गांधी से भी रायबरेली की सीट छीन ले।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। इस समय, जबकि उत्तर प्रदेश में विपक्षी दल अस्तित्व के संकट से और गठबंधन के मुद्दों से जूझ रहे हैं तब भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव जीतने की मुहिम छेड़ दी है। पार्टी का लक्ष्य वे 14 सीटें जीतने का है, जहां वह वर्ष 2019 में हार गई थी।

भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 62 सीटें जीती थी और इसकी सहयोगी पार्टी अपना दल (एस) ने दो सीटें जीती थी।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा), जो तब समाजवादी पार्टी की सहयोगी पार्टी थी, ने दस और समाजवादी पार्टी (सपा) ने 5 सीटें जीती थी। कांग्रेस के खाते में सिर्फ सोनिया गांधी की रायबरेली सीट ही गई थी। अब भाजपा ने हालिया आम चुनावों में रामपुर और आजमगढ़ सीट भी जीत ली है और यू.पी. में भाजपा की सीटों की संख्या 64 हो गई है।

पार्टी के रणनीतिकार आराम से बैठने वालों में से नहीं है। उन्होंने उन 14 लोकसभा सीटों, जहां पार्टी 2019 में हार गई थी, के लिए मंत्रियों के नेतृत्व में टीमें तैनात कर दी है। राहुल गांधी जहां 2019 में अमेठी सीट हार गए थे, वहीं अब भाजपा ने 2024 के चुनावों में रायबरेली से सोनिया गांधी को हराने के मिशन पर काम करना शुरु कर दिया है। पार्टी नेतृत्व ने मैनपुरी और आसपास के क्षेत्रों में सपा का प्रभाव खत्म करने के लिए भी योजना बना ली है।

केन्द्रीय मंत्रियों के नेतृत्व वाली टीमों से कहा गया है कि वे रविवार से इन क्षेत्रों में डेरा डालेंगे। मैनपुरी में केन्द्रीय राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व वाली टीम रहेगी। इन सभी 14 क्षेत्रों के लिए 4 प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों, दो राज्य मंत्रियों और 20 कार्यकर्ताओं की 20 पृथक टीमें बनाई गई है जो इन क्षेत्रों में बूथ स्तर पर कार्य करेंगी।

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को सहारनपुर, नगीना और बिजनौर सीट की जिम्मेवारी दी गई। वहीं कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को रायबरेली, मउ, घोसी, श्रावस्ती और अम्बेडकर नगर सीट की जिम्मेवारी दी गई है। जौनपुर, लालगंज और गाजीपुर सीट का दायित्व केन्द्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी को दिया गया है।

बूस्टर का असर

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। कतर की आबादी पर आधारित एक अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन में सामने आया है कि अंतिम डोज़ के तीन माह बाद कोविड-19 बूस्टर और वैक्सीन का असर लगभग नहीं के बराबर रह जाता है।

डा. बीन डॉट कॉम पर प्रकाशित इस अध्ययन में कहा गया है कि, वास्तव में तो छः महीने बाद इसका प्रभाव नैगेटिव हो जाता है, अर्थात् जिनके वैक्सीन नहीं लगा है वो अधिक

- एक अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन में दावा किया गया है कि कोविड-19 वैक्सीन और बूस्टर डोज़ का असर तीन महीने बाद खत्म हो जाता है।

प्रोटैक्टेड होते हैं, उन लोगों की तुलना में जिनके वैक्सीन लगा है। डा. बीन कॉट कॉम एक ऑनलाइन मैडिकल लैक्चर सीरीज़ है, जिसका लक्ष्य है आम आदमी के लिए मैडिसिन को सरल बनाना।

इस सप्ताह के प्रारंभ में सरकार ने फ्री बूस्टर डोज़ देने की शुरुआत की है, इसी के साथ प्रश्न यह पूछा जाना चाहिए कि क्या वैक्सीन और बार-बार दिए जाने वाली बूस्टर डोज़ का अल्प अवधि लाभ दीर्घावधि में लोगों को अधिक संवेदनशील व असुरक्षित बनाने में मदद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'तीस्ता सीतलवाड़ ने अहमद पटेल के इशारे पर साजिश रची थी'

एस.आई.टी. ने सीतलवाड़ की जमानत की अर्जी का विरोध करते हुए कहा, साजिश का मकसद था, मोदी सरकार को बदनाम करके भंग करवाना

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। कांग्रेस ने आज गुजरात पुलिस से इस दावे की सख्ती से खण्डन किया कि स्व. अहमद पटेल ने गुजरात के 2002 के दंगों के बाद ऐक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ साजिश रची थी। सीतलवाड़ इस समय पुलिस हिरासत में हैं।

पार्टी महासचिव तथा प्रचार-प्रसार प्रभारी जयराम रमेश द्वारा जारी एक बयान में स्व. अहमद पटेल के खिलाफ गढ़े गये इन अनिष्टकर आरोपों का साफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अभी से कयास लगने लगे, बोरिस जॉनसन कैसे एक्स पी.एम. होंगे?

डेविड कैमरून, टोनी ब्लेयर व गॉर्डन ब्राउन की तरह के पूर्व प्र.मंत्री होंगे, जो संसद में सक्रिय नहीं रहे त्याग पत्र के बाद

- परन्तु थैरेसा मे प्र.मंत्री पद त्यागने के बाद संसद में काफी सक्रिय रहीं तथा बहस में भाग लेती रहीं तथा कई मुद्दों पर सरकार की आलोचना भी करती रहीं।
- दूसरी ओर, ऋषि सुनक बड़े सधे हुए तरीके से प्र.मंत्री बनने का अपना अभियान चला रहे हैं।
- बड़े संयमित इंटरव्यू दियेः एक टी.वी. चैनल को तथा दूसरा अखबार को।
- उनसे जब पूछा गया, क्या आप ज्यादा अमीर नहीं हैं प्र.मंत्री बनने के लिये, तो उन्होंने कहा कि, वे इंसान को उसके ईमान व चरित्र से आंकते हैं, पैसे से नहीं।
- एक और प्रश्न पूछा गया कि, क्या वे टैक्स कम करेंगे? उन्होंने जवाब दिया, मैं जीतने के लिये टैक्स नहीं घटाता बल्कि टैक्स घटाने के लिए जीतता हूँ।
- प्र.मंत्री के खेमे के तथाकथित छद्म विरोध, पर अपने संयमित चुनाव अभियान के बावजूद सुनक को 19 वोट्स की ही और जरूरत है, प्र.मंत्री पद का मुख्य उम्मीदवार बनने के लिये।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। यू.के. में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद कंज़रवेटिव पार्टी में नेतृत्व को लेकर संघर्ष और ज्यादा रोचक होता जा रहा है।

वित्त मंत्री रह चुके भारतीय मूल के ऋषि सुनक जॉनसन के पतन में भूमिका होने का कुछ लोगों द्वारा आरोप लगाए जाने के बावजूद पार्टी के लोगों के समर्थन से वर्तमान में प्रधानमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे हैं।

सुनक फिर भी ब्रिटिश प्रधानमंत्री के अधिकारिक आवास एवं कार्यकारी दफ्तर 10 डाउनिंग स्ट्रीट के करीब आने से काफी दूर हैं।

द टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार ऋषि सुनक की नवीनतम बाधा बोरिस जॉनसन द्वारा चुपचाप चली जा रही चालें हैं। उन्होंने सुनक के खिलाफ "एनीवन बट सुनक" अभियान छेड़ रखा है। वह टोरी नेतृत्व के पराजित उम्मीदवारों से अनुरोध कर रहे हैं कि वे किसी का भी समर्थन करें किन्तु ऋषि का नहीं।

न्यूज रिपोर्ट में बताया गया कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि वह नेतृत्व के लिए खड़े हुए किसी प्रत्याशी का समर्थन नहीं करेंगे या चुनावी संघर्ष में सार्वजनिक रूप से दखल नहीं देंगे। फिर भी समझा जाता है कि उन्होंने स्वयं को सफल बनाने को लेकर विफल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित, सभी को मिलकर काम करने की जरूरत : किरण रिरिजू

न्याय तक पहुंच, अन्य अधिकारों की रक्षा के काम आने वाला अधिकार है : रमन्ना

जयपुर, (का.सं.)। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि देश में पांच करोड़ से अधिक मुकदमे लंबित चल रहे हैं। ऐसे में सन 2047 में क्या हालात होंगे। ऐसे ठोस कदम उठाए जाने चाहिए की अगले दो सालों में दो करोड़ मुकदमे कम हो जाए। वहीं यदि इसके लिए नियम बनाने की जरूरत पड़े तो विधायिका को आगे आना चाहिए। केन्द्रीय कानून मंत्री 18वीं ऑल इंडिया लीगल सर्विसेज अथोरिटी मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आम जन को राहत देने के लिए न्यायपालिका ओर कार्यपालिका के बीच तालमेल की जरूर है। दोनों साथ चलेंगे तभी संविधान के उद्देश्यों को पूरा करने का सपना साकार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि आज अमीर व्यक्ति अच्छा वकील कर लेते हैं। सुप्रीम कोर्ट में कई वकील हैं, जो एक पेशी के बीस लाख रुपए तक फीस ले रहे हैं। ऐसे में आम आदमी सुप्रीम कोर्ट में केस करने का खर्चा नहीं भुगत सकता।

रिजिजू ने कहा कि न्याय केवल सक्षम लोगों के लिए नहीं होना चाहिए। आम आदमी को किसी भी कारण से न्याय से दूर रखा जाता है तो वह चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि न्याय सिर्फ कोर्ट कक्ष में ही नहीं, आमजन के द्वार जाकर भी दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार आमजन को राहत देने के लिए अनावश्यक कानूनों को समाप्त कर रही है।

नालसा की ओर से आयोजित राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के 18वें अखिल भारतीय विधिक सेवा प्राधिकरण सम्मेलन में केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एन.वी.रमन्ना ने चर्चा की।

केन्द्रीय कानून मंत्री ने कहा कि देश की जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या तीन लाख पचास हजार बढ़ी है। हर जिले में डीजे की रिव्यू कमेटी होती है। उसे कैदियों की रिहाई के मामलों को देखना चाहिए। इसके साथ ही केन्द्रीय मंत्री ने हाईकोर्ट और निचली अदालतों में स्थानीय और क्षेत्रीय भाषा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जेल में लाखों विचाराधीन कैदी बंद हैं। कई साल बाद जब कैदी बरी होता है तो उस पर क्या बीतती होगी। सीएम गहलोत ने कहा कि वकीलों की फीस एक करोड़ तक पहुंच गई है। वहीं अब जज भी वकील की फेस वैल्यू देखकर फैसला देने लगे हैं। इस पर विचार करने की जरूरत है। न्यायपालिका नियत्रंक की भूमिका में है, ऐसे में उन्हें देश के हालत पर विचार करना चाहिए।

सीएम गहलोत ने एक बार फिर निशाना साधते हुए कहा कि चुनी हुई सरकारों को हॉर्स ट्रेडिंग से बदला जा रहा है। यह कहां का लोकतंत्र हैं। कई राज्यों में सरकार बदल दी गई, राजस्थान में बडी मुश्किल से सरकार बची वरना यहां कोई दूसरा सीएम खडा होता।

समारोह में सीजेआई एनवी रमन्ना ने कहा कि न्याय तक पहुंच, अन्य अधिकारों की रक्षा के काम आने वाला अधिकार है। देश में छह लाख 11 हजार कैदी हैं। इनमें से अस्सी फीसदी कैदी विचाराधीन हैं। इनके मामलों को तय करने के लिए प्रभावी कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपराधिक न्याय व्यवस्था में प्रक्रिया ही दंड है। इसके साथ ही अदालतों में न्यायाधीशों के पदों को भरने के साथ ही संसाधनों को भी बढाने की जरूरत है। समारोह में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से कई डिजिटल टूल भी लॉन्च किए गए।

प्रदेश में एक ही दिन में दो सौ से ज्यादा नए करोना संक्रमित मिले

राज्य में शनिवार को 220 नए संक्रमित सामने आए है, इनमें सबसे ज्यादा 66 मरीज जयपुर में पाए गए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि का क्रम बना हुआ है। इसके चलते शनिवार को एक ही दिन में राज्य में 220 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं पिछले चौबीस घंटों में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 1258 हो गए हैं।

प्रदेश में चार महीनों के बाद फिर नए करोना संक्रमितों का आंकड़ा दो सौ के पार पहुंच गया है। शनिवार को 16 जिलों में 220 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शुक्रवार को 174 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में थोड़ी और वृद्धि के बाद 66 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 54, बीकानेर में 33, अजमेर में 15, उदयपुर में 11, अलवर में 10, प्रतापगढ़ में 9, नागौर में 7, चित्तौड़गढ़ व दौसा में 3-3, चूरू, सीकर व सिरोही में 2-2 तथा बांसवाड़ा, बाड़मेर और झालावाड़ में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 17 जिलों बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, राजसमंद, सवाई माधोपुर और टोंक

- **जोधपुर में 54, बीकानेर में 33, अजमेर में 15 व उदयपुर में 11 नए संक्रमित मिले हैं।**
- **प्रदेश में फिर रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर साढ़े बारह सौ से अधिक हो गए हैं।**

में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। प्रदेश में पिछले दो दिन अच्छी रिकवरी होने के बाद शनिवार को फिर इसमें कमी आई है। इस दौरान केवल 82 ही मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 1258 हो गए हैं। राजधानी जयपुर में भी 38 मरीजों के रिकवर होने से एक्टिव केस बढ़कर 408 हो गए हैं। वहीं जोधपुर में 243 और बीकानेर में 188 मरीजों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9572 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

मालवीय नगर में 11 नए संक्रमित मिले

जयपुर में सबसे ज्यादा 11 नए संक्रमित मालवीय नगर में मिले हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 8, मानसरोवर में 6, सांगानेर व जगतपुरा में 5-5, दुर्गापुरा में 4, जवाहर नगर में 3, बजाज नगर, गांधी नगर, झोटवाड़ा व टोंक रोड इलाके में 2-2 तथा आदर्श नगर, बनीपार्क, बस्सी, सी-स्कीम, चाकसू, चांदपोल, सिविल लाइन्स, गुजर की थड़ी, कोटपूतली, फागी, सांभर, शास्त्री नगर और सोड़ाला में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 3 संक्रमितों को ट्रेस किया जा रहा है।

प्रदेश में सवा लाख से अधिक बूस्टर डोज लगी

केन्द्र सरकार की ओर से निशुल्क बूस्टर डोज लगाए जाने की घोषणा के बाद शुक्रवार से राजस्थान में भी विभिन्न केन्द्रों पर कोरोना रोधी बूस्टर डोज का टीकाकरण किया जा रहा है। प्रदेश के टीकाकरण समन्वयक डॉ.रघुराज सिंह ने बताया कि शनिवार को प्रदेश में एक लाख 27 हजार 872 लोगों ने बूस्टर डोज लगवाया।

राष्ट्रपति चुनाव की तैयारियां पूर्ण, विधायक जयपुर में, तो सांसद दिल्ली में वोट डालेंगे

हालांकि आवेदन करके सांसद विधानसभा में तो विधायक किसी भी प्रदेश में कर सकते थे मताधिकार का प्रयोग

जयपुर, (का.प्र.)। राष्ट्रपति चुनाव में 18 जुलाई को होने वाले मतदान में सभी विधायक विधानसभा में, तो सांसद दिल्ली में संसद वोट करेंगे। हालांकि सांसद किसी भी राज्य की विधानसभा में वोट डाल सकते हैं। वहीं विधायक भी किसी भी प्रदेश की विधानसभा में वोट डाल सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें पहले ही विधानसभा में आवेदन करना होता है। राजस्थान विधानसभा में किसी भी सांसद ने वोट डालने के लिए आवेदन नहीं किया है। ऐसे में राजस्थान के सभी 35 सांसद दिल्ली जाकर संसद भवन में मतदान करेंगे। वहीं राज्य के सभी 200 विधायक राज्य विधानसभा में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

दरअसल राष्ट्रपति चुनाव में हर राज्य के सांसद और विधायक की वोट वैल्यू अलग-अलग होती है राजस्थान के सांसद की वोट वैल्यू 700 वहीं विधायक की वोट वैल्यू 129 है। राजस्थान में सांसद-विधायक को मिलाकर कुल 235 वोट पड़ेंगे, जिनकी कुल वोट वैल्यू

- **सांसद की वोट वैल्यू 700, राजस्थान के विधायक की वोट वैल्यू 129 है**
- **मिस्टर बैलट बॉक्स दो दिन पहले विमान से जयपुर पहुंच गया है**

50 हजार 300 है। राजस्थान के कुल 200 विधायकों के वोटों की वैल्यू 25 हजार 800 है। सांसद के वोट की वैल्यू 24 हजार 500 है। इस प्रकार विधायक की एक ओर से राष्ट्रपति उम्मीदवार के खाते में 129 और एक सांसद के वोट से 700 वोट जाएंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि सांसदों के वोट पूरे देश में एक ही प्वाइंट वैल्यू रखते हैं, लेकिन विधायकों के वोटों की वैल्यू हर राज्य में जनसंख्या और विधानसभा की सीटों के अनुसार होती है। राजस्थान में सभी सांसद दिल्ली जाकर वोट डालेंगे। हालांकि, वे जयपुर में भी विधानसभा जाकर वोट कर सकते थे, लेकिन एक भी सांसद ने इसके लिए कोई आवेदन नहीं दिया है। किसी भी सांसद को अगर अपने राज्य या अन्य राज्य में वोट डालना हो तो उसे इसके लिए आवेदन करना होता है, जिसकी अंतिम तिथि 12 जुलाई थी। प्रवीण गुप्ता ने बताया कि इसके लिए किसी भी सांसद ने आवेदन नहीं किया है। ऐसे में अब राजस्थान के सभी 35 सांसद दिल्ली में जाकर ही अपना वोट डाल सकेंगे।

प्रवीण गुप्ता ने बताया कि कोई भी विधायक अगर अन्य प्रदेश में होने पर उस राज्य में अपना वोट डाल सकता है, लेकिन उसके लिए भी विधायकों को पहले सूचना देनी पड़ती है, ताकि उनका मतदान पत्र संबंधित राज्य को भेजा जा सके। राजस्थान में एक भी विधायक ने इस तरह का भी कोई आवेदन नहीं किया है। ऐसे में साफ है कि राजस्थान के सभी विधायक विधानसभा जाकर वोट करेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि 18 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव की वोटिंग के खत्म होने के बाद दिल्ली से आया मिस्टर बैलेट बॉक्स पूरे प्रोटोकॉल के साथ संसद के लिए रवाना कर दिया जाएगा। मिस्टर बैलट बॉक्स दो दिन पहले विमान से जयपुर पहुंच गया है, जिसे कड़ी सुरक्षा के बीच विधानसभा में रखवा दिया गया है।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए राजस्थान में नियुक्त किए गए पर्यवेक्षक पर्यटन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव राकेश कुमार जयपुर पहुंचकर विधानसभा जाकर वोटिंग की तैयारियों का जायजा भी लेंगे। चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से हो इसको लेकर पर्यवेक्षक अपनी रिपोर्टिंग सीधे भारत निर्वाचन आयोग को करेंगे। गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रपति चुनाव की वोटिंग के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का पूरा पालन कराया जाएगा। किसी विधायक के संक्रमित होने की स्थिति में उन्हें सबसे लास्ट में मतदान के लिए बुलाया जाएगा। हालांकि अभी प्रदेश में किसी विधायक के कोरोना संक्रमित होने की जानकारी नहीं है।

जांच रिपोर्ट मंगवाने के लिए दायर प्रार्थना पत्र खारिज

जयपुर, (का.सं.)। एसीबी मामलो की विशेष अदालत ने एनआरएचएम रिश्वत मामले में जांच रिपोर्ट मंगाने के संबंध में दायर प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। मामले में 1 अगस्त को चार्ज बहस होगी।

मामले में दीपा गुप्ता ने एसीबी कोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर कर कहा कि जिन लोगों के खिलाफ जांच लंबित रखी गई उनमें अब तक क्या जांच हुई इसकी रिपोर्ट कोर्ट में पेश की जानी चाहिए। जिसका विरोध करते हुए एसीबी की ओर से कहा गया कि आरोपी मामले में चार्ज बहस टालना चाहते हैं। ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जिसमें जांच की प्रगति रिपोर्ट मांगी जाए। जांच अधिकारी कई महत्वपूर्ण मामलों की जांच में व्यस्त है। जिसकी वजह से अब तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंचे हैं जिस पर कोर्ट ने प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए चार्ज बहस के लिए एक अगस्त की तारीख तय कर दी।

गौरतलब है की एसीबी ने 18 मई, 2016 को एनआरएचएम में रिश्वत के आरोप में दलाल अजीत सोनी, स्टोर इंचार्ज जोजी वर्गीस और लेखाधिकारी दीपा गुप्ता को गिरफ्तार किया था। जांच के बाद 31 मई 2016 को आइएएस नीरज के पवन को गिरफ्तार किया था। जिनको कोर्ट ने बाद में जमानत पर रिहा कर दिया था। मामले में एसीबी ने पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करते हुए कुछ के खिलाफ जांच लंबित रखी थी।

विवि कुलपति के पद पर अपात्र की नियुक्ति क्यों : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाइकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय में कुलपति के तौर पर कम योग्यता वाले प्रोफेसर को नियुक्त करने पर उच्च शिक्षा सचिव और राज्यपाल सचिव सहित अन्य से जवाब मांगा है। सीएम एसएस शिंदे और जस्टिस अनूप ढंड की खंडपीठ ने यह आदेश प्रोफेसर आरबी सिंह की जनहित याचिका पर दिए। अदालत ने मामले में कुलपति राजीव जैन को गत 15 फरवरी को नोटिस जारी किए थे।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि प्रोफेसर राजीव जैन को गत 9 सितंबर को राजस्थान विवि का कुलपति नियुक्त किया गया था। राजस्थान विश्वविद्यालय के नियमों के तहत विवि में कुलपति पद पर नियुक्ति के लिए उम्मीदवार के पास प्रोफेसर के तौर पर 10 साल का अनुभव होना जरूरी है। इसके अलावा उम्मीदवार के पास अच्छा शैक्षिणक रिकॉर्ड होना चाहिए। जबकि वीसी नियुक्त किए गए राजीव जैन के पास प्रोफेसर पद का 10 साल का अनुभव नहीं है। वहीं उन्होंने 55 फीसदी से कम अंकों से स्नातक किया है। याचिका में यह भी कहा गया है कि राजीव जैन का एक भी रिसर्च पेपर स्तरीय नेशनल और इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित नहीं हुआ। वहीं उन्होंने अपनी 22 पुस्तकें प्रकाशित होने का दावा किया है, जबकि इनमें से अधिकांश पुस्तकें पासबुक जैसी हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को यह भी बताया गया कि नियमानुसार वीसी चयन के लिए बनी सर्च कमेटी में कोई भी सदस्य विवि से सम्बद्ध नहीं होना चाहिए। जबकि इस कमेटी के सदस्य विवि से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। इसलिए राजीव जैन की कुलपति के पद पर नियुक्ति को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने कुलपति राजीव जैन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

बहुमंजिला आवास निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपए मंजूर

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर के गांधीनगर स्थित ट्रांजिट हॉस्टल के पुराने 40 क्वार्टर्स को ध्वस्त कर 32 बहुमंजिला आवासों के निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। गहलोत के इस निर्णय से पुराने हॉस्टल के स्थान पर नवीन बहुमंजिला आवास का निर्माण हो सकेगा। इसमें बनने वाले 4 नवीन टावरों में से प्रत्येक में 8 प्रथम श्रेणी के आवास बनेंगे।

सीएम ने किया राजस्थानी आर्टिजन्स की स्टॉल्स का दौरा

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जे.ई.सी.सी.,सीतापुरा में चल रहे'18वें अखिल भारतीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सम्मेलन'के दौरान सम्मेलन स्थल पर लगे हुए स्टॉल्स का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने स्टॉल्स में प्रदेश के राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शिल्पकारों द्वारा निर्मित विभिन्न राजस्थानी परिधान, ज्वैलरी, ब्रास मेटल वर्क, सांगानेरी प्रिंट, ब्लू पोट्री, राजस्थानी बैंगल्स, पुस्तकें आदि राजस्थान की लोक कला व संस्कृति से जुड़े उत्पादों का अवलोकन किया।

राजस्थान के किसान सुरेन्द्र अवाना "जगजीवनराम अभिनव एवं इनोवेटिव फार्मर अवार्ड" से सम्मानित

जयपुर। राजस्थान के प्रगतिशील किसान सुरेन्द्र अवाना को कृषि एवं पशुपालन में किए गए नवाचारों के लिए जगजीवनराम अभिनव एवं इनोवेटिव फॉर्मर राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया है। जयपुर जिले के भैराणा में खेती किसानी एवं पशुपालन करने वाले सुरेन्द्र अवाना को आज यह सम्मान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के 94वें स्थापना दिवस पर विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, कृषि राज्य मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला व कैलाश चौधरी ने संयुक्त रूप से प्रदान किया।

इस अवसर पर आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा सहित कृषि क्षेत्र के अनेक वैज्ञानिक, देशभर से आए किसान एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। अवाना राजस्थान के एक मात्र किसान है, जिन्हें आज कृषि एवं पशुपालन में राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया है। अवाना इससे पहले भी अपने विभिन्न नवाचारों के लिए कई राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं। अवाना को अब तक मिले पुरस्कारों में राष्ट्रीय गोपाल रत्न अवार्ड 2021 पिछले वर्ष गुजरात के आणंद में राष्ट्रीय पशुपालन दिवस पर प्रदान किया गया था। इसी प्रकार अपने नवाचारों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा नवोन्मेषी कृषक पुरस्कार-2021, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा राष्ट्रीय हलधर ऑर्गेनिक अवार्ड 2019, केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान द्वारा कृषक प्रोत्साहन पुरस्कार 2021, भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी द्वारा प्रगतिशील कृषक सम्मान 2020, राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो करनाल द्वारा नस्ल सुधार हेतु प्रशस्ति प्रमाण पत्र 2020 भी प्राप्त कर चुके हैं। उन्हें राजस्थान के राज्यपाल द्वारा गौ आधारित एवं एकीकृत कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर 2019 में सम्मानित व राज्य सरकार द्वारा जैविक खेती का प्रथम पुरस्कार 2021 व राज्य स्तरीय कई संस्थानों द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है।

कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपियों को जेल भेजा

एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने उदयपुर के कन्हैया हत्याकांड के मुख्य आरोपी मोहम्मद गौस, रियाज अत्तारी और फरहाद मोहम्मद शेख उर्फ बबला को जेल भेज दिया है।

जयपुर, (का.सं.)। एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने उदयपुर के कन्हैया हत्याकांड के मुख्य आरोपी मोहम्मद गौस, रियाज अत्तारी और फरहाद मोहम्मद शेख उर्फ बबला को जेल भेज दिया है।

एनआईए की ओर से तीनों आरोपियों को सुरक्षा के बीच विशेष न्यायालय में पेश किया गया। एनआईए की ओर से अधिवक्ता टीपी शर्मा ने कहा कि आरोपियों से पूछताछ पूरी कर ली गई है। ऐसे में अब उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज देना चाहिए। इस पर अदालत ने तीनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इससे पहले अदालत ने गत 12 जुलाई को शेष चार आरोपियों को जेल भेज दिया था।

गौरतलब है कि कन्हैयालाल हत्याकांड मामले में एनआईए कोर्ट ने गत 2 जुलाई को हत्या करने वाले मोहम्मद रियाज, गौस मोहम्मद के साथ ही मोहसिन खान व आसिफ को 10 दिन के पुलिस रिमांड पर एनआईए को सौंपा था। इसके बाद एनआईए ने दो अन्य आरोपियों मोहम्मद मोहसीन व वसीम अली को गिरफ्तार कर कोर्ट से इनका भी पुलिस रिमांड लिया था। गत सुनवाई को अदालत ने गौस मोहम्मद, रियाज और बबला को पुलिस रिमांड पर भेजते हुए बाकी आरोपियों को जेल भेजा था।

उधर अब एनआईए की पूछताछ के बाद एटीएस भी इन सातों आरोपियों से कोर्ट आदेश के बाद पूछताछ कर सकती है। एटीएस अपने स्तर पर कानून व्यवस्था एवं आतंकी गतिविधियों पर रोकथाम को लेकर अलग से जांच कर रही है। ऐसे में एटीएस भी अब कोर्ट से आरोपियों की रिमांड के लिए अपील कर सकती है।

मिश्र राष्ट्रपति भवन में रात्रिभोज में सम्मिलित हुए

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र शनिवार शाम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के आमंत्रण पर राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में रात्रिभोज में सम्मिलित हुए। भोज से पहले राष्ट्रपति भवन में मंचित नाटक भी उन्होंने देखा।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

शंकर भवन निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर
क्रमांक: SP-01 **आम सभा की सूचना** दिनांक: 16.07.2022
समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आमसभा दिनांक 25.07.2022 को प्रातः 11.00 बजे समिति कार्यालय :- ए-4, अल्पना कॉलोनी विस्तार, खातीपुरा रोड, झोटवाडा, जयपुर पर आयोजित की जायेगी, जिसका एजेण्डा निम्नानुसार हैं :- 1. गत आमसभा की पुष्टि। 2. समिति की गत वर्षो की ऑडिट का अनुमोदन एवं ऑडिट अनुपालना पर विचार। 3. विभाग द्वारा जारी संशोधित उपनियमों को अंगीकार करने पर विचार। 4. अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से। अतः समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त समय पर आम सभा में उपस्थित होवे।
मंत्री, शंकर भवन निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर

खोया-पाया
मेरा प्लाट नं. सी-756 पार्थ नगर जयपुर का मूल कब्जा पत्र क्रमांक नं. एफ-39, (सी-756) जोन-11, पार्थ नगर/2007/8164 जो कि मेरे नाम से जारी किया था। वह मेरे द्वारा कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें।

आम- सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि समिति की योजना त्रिवेणी कॉम्प्लेक्स खातीपुरा रोड जोटवाड़ा में दुकान नंबर 4 के लिए श्री महेंद्र कुमार अग्रवाल पुत्र श्री मालीराम अग्रवाल, झोटवाड़ा ने डुप्लीकेट आवंटन पत्र रसीद के लिए आवेदन किया है। किसी व्यक्ति/संस्था को ऐतराज हो तो सात दिवस में संपत्ति कार्यालय पर मय मूल दस्तावेज के एतराज करावे वरना समय बाद समिति श्री महेंद्र कुमार अग्रवाल पुत्र श्री मालीराम अग्रवाल के पक्ष में डुप्लीकेट आवेदन पत्र रसीद जारी कर देगी। जिसकी समिति पदाधिकारी को नहीं होगी की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
शंकर भवन निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड,जयपुर
मो. 9782689990

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री हीरालाल जी कुमावत व इसकी धर्मपत्नी श्रीमती किरण देवी निवासी-52, रघुनाथपुरी-सैकिण्ड, चौधरी पैट्रोल पम्प के पीछे, टोंक रोड, सांगानेर, जयपुर ने अपने पुत्र राजेश कुमावत व उसकी पत्नी श्रीमती सीता देवी व उसकी बेटी कनिका, पुत्र तनिष्क को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। राजेश कुमावत व उसकी पत्नी सीता व उसके दोनों बच्चे कनिका, तनिष्क मेरे अभिभाष्य व उसकी पत्नी के कहने में नहीं है, आये दिन गृह क्लेश करते है तथा झूंठे मुकदमें में फंसाने की धमकियां देते है। यदि कोई व्यक्ति इनसे संव्यवहार रखता है तो मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
भवदीय
जयपुर
दिनांक - 16.07.22
(हेमराज मीना), एडवोकेट
मो. 8503871294

दी सांगानेर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि., जयपुर
क्रमांक: SP-01 **आम सभा की सूचना** दिनांक: 16.07.2022
समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता हैं कि समिति की वार्षिक आमसभा दिनांक 25.07.2022 को प्रातः 11.00 बजे समिति कार्यालय :- मकान नं. 70, नारायण विहार विस्तार के पास, सेक्टर-3, प्रतापनगर, सांगानेर पर आयोजित की जायेगी, जिसका एजेण्डा निम्नानुसार हैं :- 1. गत आमसभा की पुष्टि। 2. समिति की गत वर्षो की ऑडिट का अनुमोदन एवं ऑडिट अनुपालना पर विचार। 3. विभाग द्वारा जारी संशोधित उपनियमों को अंगीकार करने पर विचार। 4. अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से। अतः समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता हैं कि उपर्युक्त समय पर आम सभा में उपस्थित होवे।
मंत्री, दी सांगानेर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि., जयपुर

नाम परिवर्तन
मैं पूजा रोहिरा पुत्री श्री वासुदेव रोहिरा उम्र 42 वर्ष पता फ्लैट नं. जी-1 ब्लॉक बी गोल्डन महक एंक्लेव डी-12, मीरा मार्ग बनी पार्क जयपुर से हूँ मैं घोषणा करती हूँ कि मेरा शादी से पूर्व नाम पूजा रोहिरा से शादी पश्चात बदलकर नाम स्वाति एलानी पत्नि रितेश एलानी है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें।

I have changed my name from Mrs Narendra Singh to MRS NARENDRA KUMARI for all purposes. I may please be known as (MRS NARENDRA KUMARI) in future. Address. S-29, Hanuman Nagar, Sirsi Road, Khatipura, Jaipur (Raj)-302021

I have changed my name Kapil Kumar to Kapil Gurjar for all purpose. R/o village-Bagthar. Teh. Baseri, Dholpur, Rajasthan.

I have changed my name From Ajay Kumar Agarval To Ajay Kumar Agarwal S/W/D of Sunita Agarwal Resident B 202 GHP Indralok Bani Park, Jaipur.

हरि नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर
क्रमांक: SP-01 **आम सभा की सूचना** दिनांक: 16.07.2022
समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आमसभा दिनांक 25.07.2022 को प्रातः 11.00 बजे समिति कार्यालय :- होटल अजमेरा, टोंक फाटक, जयपुर पर आयोजित की जायेगी, जिसका एजेण्डा निम्नानुसार हैं :- 1. गत आमसभा की पुष्टि। 2. समिति की गत वर्षो की ऑडिट का अनुमोदन एवं ऑडिट अनुपालना पर विचार। 3. विभाग द्वारा जारी संशोधित उपनियमों को अंगीकार करने पर विचार। 4. अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से। अतः समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त समय पर आम सभा में उपस्थित होवे।
मंत्री, हरि नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत जगन्नाथपुरा प. स. सांगानेर जयपुर
कमांक 136 ऑनलाइन निविदा सूचना संख्या 03/2022-23 दिनांक:- 15.07.2022
ग्राम पंचायत जगन्नाथपुरा में राजस्थान पंचायतीराज नियम 181 के तहत सक्षम क्षेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाइन दरें ई- प्रोक्योरमेंट पद्धति से आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड / अपलोड किया जा सकता है।
NIB No PEZ2223A0067 UBN NO PEZ2223WSOB00070
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत, जगन्नाथपुरा
सरपंच, ग्राम पंचायत, जगन्नाथपुरा

कार्यालय ग्राम पंचायत दादिया पंचायत समिति सांगानेर जयपुर
कमांक 84 ऑनलाइन निविदा सूचना संख्या 03/2022-23 दिनांक:- 15.07.2022
ग्राम पंचायत दादिया में राजस्थान पंचायतीराज नियम 181 के तहत सक्षम क्षेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाइन दरें ई- प्रोक्योरमेंट पद्धति से आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड/ अपलोड किया जा सकता है।
NIB No PEZ2223A0066 UBN NO PEZ2223WSOB00069
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत, दादिया
सरपंच, ग्राम पंचायत दादिया

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अति. सिविल न्यायाधीश (उत्तर) स्थान जयपुर महानगर, जयपुर
राजेन्द्र भारद्वाज विरुद्ध वंशीधर वगैरह
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा।
प्रार्थना-पत्र संख्या -8/सन् 2020
नाम बंशीधर शर्मा पुत्र जगदीश प्रसाद शर्मा जाति ब्राह्मण पता प्लाट नं. 190 श्रीराम नगर-ए, झोटवाडा, जयपुर
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि.....
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 12 माह 09 सन् 2022 को 10.30 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 13 माह 07 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
प्रस्तुतकर्ता
मोहर अदालत
अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट उत्तर, जयपुर महानगर द्वितीय

संख्यांक 2
विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अति. सिविल न्यायाधीश (उत्तर) स्थान जयपुर महानगर, जयपुर
राजेन्द्र भारद्वाज विरुद्ध वंशीधर शर्मा व अन्य
वाद बाबत स्थाई निषेधाज्ञा।
वाद संख्या -7/सन् 2020
नाम वंशीधर शर्मा पुत्र जगदीश प्रसाद शर्मा जाति ब्राह्मण पता प्लाट नं. 190 श्रीराम नगर-ए, झोटवाडा, जयपुर ... ने आपके विरुद्ध....के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 12 माह 09 सन् 2022 को दिन में .... बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो या ना हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज दिनांक 13 माह 07 सन् 22 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
प्रस्तुतकर्ता
मोहर अदालत
अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट उत्तर, जयपुर महानगर द्वितीय

रतन इंडस्ट्रीज़ ने वी.के.आई. में औद्योगिक भूखंड़ पर बना दिया 'अवैध' वेयर हाऊस

रीको प्रशासन ने बीते 10 महीने में फैक्ट्री मालिक को 2 नोटिस तो थमाये, लेकिन कार्रवाई करने की जहमत न उठाई

अवैध निर्माण की 20 सितंबर 2021 की निर्माणाधीन तस्वीर।

वीकेआई स्थित औद्योगिक भूखंड़ संख्या एस.पी. 818 (II) 3-4 पर बना अवैध वेयर हाऊस।

- वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक (रीको) महेन्द्र सिंह ने मैसर्स रतन इंडस्ट्रीज़ के मालिक गिरिराज पुगलिया को दिये नोटिस में माना है कि औद्योगिक भूखंड़ पर हस्तांतरण और लीज डीड की शर्तों के विपरीत वेयर हाऊस बनाया गया है।
- मजेदार बात यह है कि आरटीआई कार्यकर्ता ने 20 सितंबर 2021 को रीको प्रशासन को निर्माणाधीन बिल्डिंग की फोटो और शिकायती पत्र भेजा था। फिर भी अफसरों ने बीते 10 महीने में अवैध इमारत बनवा दी।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रीयल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लि. (रीको) के अफसरों ने राजधानी जयपुर के वीकेआई एरिया में औद्योगिक भूखंड़ पर मिलीभगत का 'अवैध' वेयर हाऊस (गोदाम) बनवा दिया।

रतन इंडस्ट्रीज़ ने औद्योगिक भूखंड़ संख्या एस.पी. 818 (II) 3 व 4 की जमीन पर अवैध वेयर हाऊस कॉम्पलेक्स तैयार कर दिया। रीको प्रशासन ने बीते 10 महीने में मात्र 2 बार रतन इंडस्ट्रीज़ के मालिक गिरिराज पुगलिया को नोटिस थमाकर अवैध वेयर हाऊस को हटाने के चेतावनी तो दी, लेकिन अभी तक कार्रवाई करने की जहमत नहीं उठाई।

दरअसल आरटीआई कार्यकर्ता युनुस चौंपदार ने 20 सितंबर 2021 को रीको के वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक को शिकायती पत्र के साथ अवैध निर्माण की फोटोज़ भेजी थी। इस शिकायत में उन्होंने कहा था कि वीकेआई में रोड नं. 14 पर रतन इंडस्ट्रीज़ ने फैक्ट्री की जमीन पर पुराने औद्योगिक निर्माण को ध्वस्त कर वहां अवैध वेयर हाऊस कॉम्पलेक्स बनाना शुरू कर दिया है। इस शिकायत के बाद रीको प्रशासन का दावा है कि 24 नवंबर 2021 को पहली बार रतन इंडस्ट्रीज़ के मालिक गिरिराज पुगलिया को नोटिस जारी किया। जिसका फैक्ट्री मालिक ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद जब लगातार अवैध कॉम्पलेक्स की शिकायतें आई तो दुबारा 25 मई 2022 को रतन इंडस्ट्रीज़ को नोटिस जारी किया। मजेदार बात है कि रीको के वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक महेन्द्र सिंह ने मैसर्स रतन इंडस्ट्रीज़ के मालिक गिरिराज पुगलिया को दिये दोनों नोटिस में माना कि औद्योगिक भूखंड़ पर रीको की हस्तांतरण और लीज डीड की शर्तों के विपरीत जाकर वेयर हाऊस बनाया गया है। इसके बावजूद उन्होंने अवैध वेयर हाऊस पर कार्रवाई नहीं की। इसका नतीजा यह हुआ कि फैक्ट्री मालिक ने पिछले 10 महीने में यह अवैध वेयर हाऊस (गोदाम) बनाकर तैयार कर लिया।

जब युनुस चौंपदार ने 7 जून को सूचना के अधिकार के नियम के तहत रीको प्रशासन से फैक्ट्री मालिक पर की गई कार्रवाई को ब्यौरा मांगा तो अलग ही हकीकत सामने आयी है। विभाग के 24 नवंबर 2021 के नोटिस में भी 25 मई 2022 की डिटेल्स है। ऐसे में अब इन नोटिसों की सत्यता पर सवाल उठने लगे है। युनुस चौंपदार का आरोप है रीको प्रशासन ने सिर्फ उन्हें गुमराह करने के लिए रतन इंडस्ट्रीज़ को नोटिस की सत्यापित प्रतिलिपि भेजी है। इस पर संशय इसलिए है क्योंकि नोटिस में सिर्फ तारीख और डिस्पेच नंबर अलग-अलग है, बाकी सब कुछ अक्षरश: है।

ट्रॉली बैग से निकला दो किलो से ज्यादा सोना, यात्री गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। जयपुर एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने ट्रॉली बैग में छिपाकर लाया 2 किलो 170 ग्राम से ज्यादा का सोना जब्त कर यात्री को गिरफ्तार किया है। इसकी बाजार कीमत 1.12 करोड़ रुपए से ज्यादा है। युवक को सऊदी अरब के रियाद एयरपोर्ट पर परिचित ने ट्रॉली बैग दिए थे। बैग जयपुर लाने के बदले युवक का एयर टिकट करवाया गया था।

कस्टम के असिस्टेंट कमिश्नर भारत भूषण ने बताया कि आरोपी युवक बीकानेर जिले का रहने वाला है। वह सऊदी अरब के रियाद में मजदूरी करता है। पिछले साल सितंबर में ही वह रियाद गया था। उसने बताया कि शुक्रवार इंडिया आते समय रियाद एयरपोर्ट पर ही उसके एक परिचित ने दो ट्रॉली बैग दिए थे। उसने कहा था कि ये बैग जयपुर एयरपोर्ट के बाहर उसका परिचित उससे ले लेगा, जिसके बदले उसने एयर टिकट भी करवाकर दिया था। असिस्टेंट कमिश्नर ने बताया कि एयर अरेबिया की शारजाह वाली फ्लाइट्स से आए युवक के दो बैग जब एक्सरे मशीन से स्कैनिंग किए तो उसमें मेटल के वायर में कुछ सस्पेक्ट वस्तु दिखाई दी। युवक से पूछताछ की तो उसने बताया कि बैग में घरेलू सामान के अलावा और कुछ नहीं है।

बैग को पूरा खोलकर उसका सामान बाहर निकालने के बाद जब देखा तो उसमें कुछ नहीं दिखा। फिर ट्रॉली बैग के नीचे हिस्से को कटर मशीन से काटा तो उसका बेस फ्रेम लोहे के चोकोर शेप में था, उसे बाहर निकाला। इसी फ्रेम के चारों और रेडियम कोटिंग में सोने का वायर लगा रखा था। दोनों बैग से 4 वायर बरामद हुए, जिसका जब वजन किया तो वह 2 किलो 170.300 ग्राम निकला। इसकी मार्केट वैल्यू जब निकाली गई तो वह 1 करोड़ 12 लाख 20,451 रुपए निकली।

सार-समाचार

तीज महोत्सव के पोस्टर का विमोचन

जयपुर । गणगौर महिला ग्रुप द्वारा 23 जुलाई को आयोजित किए जाने वाले तीज महोत्सव के पोस्टर का विमोचन यहाँ न्यू सांगानेर रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में किया गया। कार्यक्रम के सहभागी ऑटोएक्ज़िम प्रा. लि. के महाप्रबंधक हंसराज धवल और ब्रूलौजी कैफे के प्रॉपराइटर आयुष कल्ला ने पोस्टर का विमोचन किया। गणगौर महिला ग्रुप की संस्थापक सुशीला भारती और कोर मेम्बर जया कल्ला और दिव्या भारती ने भी पोस्टर का विमोचन किया। गणगौर महिला ग्रुप की संस्थापक सुशीला भारती ने बताया कि 23 जुलाई को रिमझिम सावन री तीज नाम से होने वाले तीज महोत्सव में क़रीब 70 महिलायें राजस्थानी लोक नृत्य और गीत प्रस्तुत करेंगी। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ राजपूती और लहंगा-चुन्नी पोशाक प्रतियोगिता आयोजित की जाएँगी। सबसे खूबसूरत पोशाक-लहरिया या लहंगा चुन्नी में सजी-धजी महिला को "रुपाली तीज" का खिताब प्रदान किया जाएगा।

राजू मंगोड़ीवाला प्रदेश संयोजक बने

जयपुर । प्रतिवर्ष विदेशी धरती पर भारतीय स्वतन्त्रता दिवस मनाने की परम्परा व अन्तर्राष्ट्रीय मीटिंग के क्रम में इस बार 12 अगस्त से 18 अगस्त तक अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन का 11 वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन सिंगापुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद डॉ.गिरिश कुमार संघी की अध्यक्षता में आयोजित होगा। राष्ट्रीय पर्व स्वतन्त्रता दिवस के साथ ही अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की अन्तर्राष्ट्रीय मीटिंग,व्यापारिक सम्मेलन व 6 दिवसीय सिंगापुर व क्रुज भ्रमण का कार्यक्रम भी सम्मिलित रहेगा। अन्तर्राष्ट्रीय मीटिंग की व्यवस्थाओं हेतु अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन,राजस्थान का प्रदेश संयोजक वरिष्ट समाजसेवी व जयपुर ज्वैलर्स एसोसिएशन के संयुक्त सचिव राजू मंगोडीवाला को बनाया गया है। पूर्व में भी सामाजिक कार्यों की श्रृंखला में विभिन्न कार्यक्रम आपके कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुये।

मेडिकल लैबोरेट्री प्रोफेशनल सप्ताह आज से

जयपुर (कासं)। आईसीएमएलएस के वार्षिक "मेडिकल लैबोरेट्री प्रोफेशनल सप्ताह 17 जुलाई से 23 जुलाई तक सभी सरकारी और अर्धसरकारी एवं निजी क्षेत्र के सभी अस्पतालों, लेबोरेटरी डायग्नोस्टिक सेंटर आदि में मनाया जाएगा। इस सप्ताह में होने वाले विभिन्न कार्यक्रम जैसे कोरोना के बारे में जागरूकता अभियान, वृक्षारोपण योगा शिविर, ब्लड शुगर एवं हीमोग्लोबिन की जांच एवं मरीजों को फल वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस बार की थीम नेशनल कमीशन ऑफ एलाइड हेल्थ केयर एक्ट 2021 के निर्माण की शुरुआत एवं इसके भविष्य की रूपरेखा के बारे में रखकर ली गई है और संपूर्ण देश में एलाइड हेल्थकेयर बिल को लागू करने के प्रयास जारी हैं आईसीएमएलएस राजस्थान स्टेट ब्रांच के महासचिव राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि राजस्थान राज्य में भी एलाइड हेल्थ केयर बिल के अंतर्गत बनने वाले 4 बोर्ड के बारे में सरकार को पत्र लिखा गया है और जल्द ही सरकार इसे लागू करें।

बदमाशों ने किया युवक पर हमला

जयपुर । मुरलीपुरा इलाके में आधा दर्जन बदमाशों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थानाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया पीड़ित दीपक सिंह राजपूत निवासी रोड नंबर-5, मुरलीपुरा और आरोपी मोहित कुमावत के बीच इंस्टाग्राम पर लडत्रकी को लेकर विवाद चल रहा है। मोहित ने दीपक को लड़की से बात करने से मना किया था। वह नहीं माना तो 14 जुलाई की दोपहर श्याम मंदिर के पास एक सलून के बाहर खड़े दीपक पर मोहित और उसके साथियों ने चाकू सरियों से हमला बोल दिया। आरोपी उसे लहूलुहान हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गए। पीड़ित के दोस्तों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पीड़ित के बयानों के आधार पर मुदकमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

गांवों को ओडीएफ प्लस बनाने पर चर्चा

जयपुर । स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत 13 जिलों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं विकास अधिकारी, जिला प्रभारी, जिला परियोजना समन्वयक, ब्लॉक समन्वयक एवं अन्य अधिकारियों के लिए एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन इंदिरा गाँधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान, जयपुर मे शनिवार को किया गया। कार्यशाला में नवीन जैन, शासन सचिव, पंचायती राज द्वारा विशेष मॉडल द्वारा गावों को ओडीएफ प्लस विलेज बनाने की विस्तृत क्रियाविधि प्रस्तुत की गई। गांवों को ओडीएफ प्लस बनाने हेतु ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन पर अन्य विषय विशेषज्ञों द्वारा भी जानकारी दी गयी। कार्यशाला को सन्देश नायक, निदेशक स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) राजस्थान, ऋषभ हेमानी विषय विशेषज्ञ (यूनिसेफ)ने भी संबोधित किया। महेश कोडगैरे, प्राइम मूव संस्था द्वारा विलेज सेनिटेशन प्लान पर जानकारी दी गई। उमा शंकर पाण्डेय, डीडीडब्ल्यूएस भारत सरकार, द्वारा एफएफसी के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन के लिए प्रावधानो की जानकारी दी गई।

सफाई मजदूर संघ की बैठक आज

जयपुर । अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस प्रदेश शाखा राजस्थान कार्यकारिणी, जिलाध्यक्ष, महामंत्री, नगर अध्यक्ष, महामंत्रियों की बैठक 17 जुलाई को होगी। बैठक में राज्यस फाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष अ.भा.स.म.कांग्रेस के अध्यक्षता में नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय में आहूत होगी जिसमें वाल्मिकी समाज सफाई मजदूर वर्ग की आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक रोजगार के बिन्दुओं पर चर्चा कर निर्णय लिया जायेगा।

दक्षिण के गायकों ने राम-कृष्ण-हरि से जगाई भक्ति लौ

जयपुर । मुंबई की प्रमुख संस्था पंचम निषाद की ओर से शनिवार को जयपुर शहर में पहली बार बोलावा विठ्ल अभंग वाणी संगीत समारोह यहां महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में हुआ। समारोह में दक्षिण भारत के नामी गायक जयतीर्थ मेउंडी और रंजनी-गायत्री ने बेहतरीन अभंग रचनाओं के जरिए संगीत प्रेमियों का दिल जीत लिया। तीनों कलाकारों ने इस मौके पर 12वीं शताब्दी के महाराष्ट्र और कर्नाटक के नामदेव, तुकाराम, ज्ञानेश्वर और बहिना बाई जैसे संतों के लिखे गए अभंगों की संगीतमयी प्रस्तुति दी। अभंग का अर्थ ईश्वर की स्तुति में लिखी गई काव्यात्मक रचनाएं है।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म किया

जयपुर (कासं)। मुहाना थाना इलाके में एक युवती से देहशोषण का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार मूलतया भीलवाड़ा जिला निवासी 23 वर्षीया युवती इलाके में किराए से कमरा लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। इस दौरान जनवरी 2020 में साथ में कोचिंग में पढाई के दौरान आनंद कुमार सोनी से जान पहचान हुई थी। आरोप है आनंद ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया और तभी से वह देहशोषण करता आ रहा है। कुछ समय पहले उसने शादी से इंकार कर दिया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। वहीं मालवीय नगर थाना पुलिस ने एक ज़ीरो नंबरी एफआईआर दर्ज कर बहरोड थाने भेजी है, जिसमें 23 वर्षीया युवती का आरोप है कि वह जयपुर में चाचा के यहां रहकर पढाई करती थी। रोहित साथ में पढता था। वह बहरोड़ में स्थित एक गेस्ट हाउस में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वह लगातार देहशोषण करता आ रहा है। घटना के समय पीड़िता नाबालिग थी। इसी प्रकार मुहाना थाना पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपित देवपाल जाटव (33) निवासी गांव उल्लूपुरा, कमालपुरा थाना भुसावर जिला भरतपुर को गिरफ्तार किया है।

भाजपा विधायक दल की बैठक आज, कल होगा राष्ट्रपति चुनाव

जयपुर । भाजपा मुख्यालय पर में रविवार को विधायक दल की बैठक का आयोजन भाजपा मुख्यालय में किया जाएगा। ये बैठक सुबह 11 बजे बुलाई गई है। इस बैठक में राष्ट्रपति चुनाव के मतदान को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। साथ ही राष्ट्रपति चुनाव के मतदान का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। अगले दिन 18 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव के लिए विधानसभा में मतदान होगा, जिसमें सभी विधायकों को उपस्थित रहना होगा। देश में पहली बार आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को एनडीए ने राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है। ऐसे में भाजपा उनके समर्थन में वोटिंग का सभी दलों के विधायकों को आव्हान कर रही है।

टाइपिंग टेस्ट के दौरान डमी अभ्यर्थी पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) की परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बिठाकर परीक्षा पास करने वाले युवक को टाइपिंग टेस्ट के दौरान सुभाष चौक थाना पुलिस ने दबोचा है। थानाधिकारी जयप्रकाश पूनियां ने बताया गिरफ्तार आरोपित सचिन (21) रेवारी मोहल्ला, गोहाना जिला सोनीपत हरियाणा का रहने वाला है।

आरोपित ने 22 मई को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की तरफ से आयोजित कनिष्ठ लिपिक भर्ती परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बिठाया था। परीक्षा में वह पास हो गया। शुक्रवार को टाइपिंग टेस्ट के लिए आरोपित आया तो कर्मचारियों को उस पर शक हुआ। उसकी परीक्षा वाले दिन की फोटो मिलान किया तो उसमें अन्य व्यक्ति की फोटो दिखी।

इस दौरान आरोपित फरार हो गया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के संयुक्त निदेशक जयप्रकाश शर्मा की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित को तलाश कर गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित से पूछताछ में सामने आया है कि उसके पास के गांव निवासी व्यक्ति से उसकी डील हुई थी कि परीक्षा में पास होने के बाद रकम तय की जाएगी। फ़िलहाल आरोपित से गिरोह के बारे में पूछताछ की जा रही है।

प्लास्टिक पाइप फैक्ट्री में भीषण आग

6 दमकलों ने एक घंटे में आग बुझाई, लाखों रु. का माल जला

वीकेआई रोड नंबर-12 पर किरन इंफ्राटेक प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग को दमकलकर्मियों ने बुझाया।

जयपुर (कासं)। वीकेआई क्षेत्र स्थित प्लास्टिक पाइप की फैक्ट्री में शनिवार शाम भीषण आग लग गई। विश्वकर्मा थाना पुलिस ने 6 दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया। आग से फैक्ट्री में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस प्रथमदृष्टया शॉर्ट सर्किट से आग लगना मान रही है। फायर ऑफिसर वीकेआई मनोज सिंह ने बताया कि रोड नंबर-12 पर किरन इंफ्राटेक के नाम से प्लास्टिक पाइप की फैक्ट्री है। शाम करीब 6:30 बजे फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आग और धुएं की लपटों को उठता देखकर फैक्ट्री में काम कर रहे वर्कर और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। प्लास्टिक पाइप के आग पकड़ते ही आग ने विकराल रूप ले लिया। विश्वकर्मा थाना पुलिस और फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची। 6 दमकलों की मदद से करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस का मानना है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी। आग से फैक्ट्री में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

श्रीगंगानगर में राहत व बचाव कार्यों में तेजी लाने की मांग

जयपुर । भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को श्रीगंगानगर शहर में भारी बारिश से बाढ़ जैसे उत्पन्न हालात के संबंध में पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने राहत बचाव कार्यों में तेजी लाने व नुकसान का सर्वे करवाकर मुआवजा राशि जारी करने की मांग की है। डॉ. पूनिया ने पत्र में लिखा कि भारी बारिश से श्रीगंगानगर शहर में बाढ़ जैसे उत्पन्न हालात से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, जिससे आमजन से लेकर व्यापारी सहित सभी प्रभावित है। बाढ़ से कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, काफी संख्या में मकान-दुकानों के क्षतिग्रस्त होने से नुकसान हुआ है, जिससे सैंकड़ों करोड़ रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। एक ही परिवार के दो जनों की दुखद मृत्यु का भी समाचार मिला है, न जाने ऐसे कितने परिवार प्रभावित हुए हैं। भारी बारिश से जिले में ज्वार, मूंग और नरमा फसलों में काफी नुकसान होने की जानकारी मिल रही है। सेना और बी.एस.एफ. की टीमें राहत बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं, लेकिन राज्य सरकार को भी राहत कार्य करने चाहिए।

दानिया खान की कविताओं ने जीवन की गहराई को दर्शाया

जयपुर, (का.सं.)। आज एक गहन बुक टॉक सेशन में, 13 वर्षीय बाल कवयित्री, दानिया खान दर्शकों को एक अविश्वसनीय काव्यात्मक यात्रा पर ले गईं। अशोक क्लब में जयपुर के इंडो-इंग्लिश कवि जगदीप सिंह के साथ बातचीत में, युवा कवयित्री ने ग्रीक पौराणिक कथाओं, मृत्यु, अकेलापन, भय, अपराधबोध आदि पहलुओं पर प्रकाश डाला।

कविताओं पर उनकी चर्चा जीवन के उतार-चढ़ाव की गहरी और यथार्थवादी समझ को दर्शाती है। उनकी कविताओं में प्रकृति का जिक्र भी है जैसे पत्ते, घास, अमृत, पेड़, चांद, आदि। वड्र्सवर्थ की तरह, दानिया को भी लगता है कि प्रकृति में एक दैवीय तत्व है यदि कोई इसे महसूस कर सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट रूप से कहा कि अधिकांश इंसान सिर्फ जी रहे हैं क्योंकि उनके पास जीवन को पूरी तरह से जीने और अपने जुनून को हासिल करने का साधन नहीं है। चर्चा के दौरान दानिया ने अपनी कविताओं के सकारात्मक पहलुओं पर भी प्रकाश डालते हुए अपनी कविता-होप और लव का उदाहरण दिया। एक ब्लॉगर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर दानिया एस्ट्रोफिजिक्स में भी रूचि रखती हैं और शौक के रूप में बुक रिव्यूज भी लिखती हैं। उन्होंने कहा कि उसकी पसंदीदा कविता स्पेनिश कवि पाब्लो नेरुदा की थी, और वह कविता लिखते समय लिटरेरी डिवाइसिस के अत्यधिक उपयोग में विश्वास नहीं करती।

अंत में उन्होंने दर्शकों के सवालों के भी जवाब दिए।

शराब पार्टी के बाद दोस्तों ने युवक के सिर में पत्थर मारकर हत्या की

- शव को ठिकाने लगाने के लिए रातभर भटकते रहे आरोपी, लोगों की आवाजाही बढ़ने पर फरार हुए

जयपुर (कासं)। प्रताप नगर में एक युवक के सिर पर भारी पत्थर से वार कर उसके दोस्तों ने ही हत्या कर दी। शुक्रवार रात शराब पार्टी में झगड़े के बाद युवक को मारा गया। खाली प्लाट में मर्डर कर शव को ठिकाने लगाने की साथियों ने प्लानिंग भी की। देर रात तक लोगों की आवाजाही के कारण शव को कहीं और ठिकाने नहीं लगा सके। प्रताप नगर थाना पुलिस ने शनिवार सुबह सूचना पर एफएसएल और डॉग स्क्वायड टीम की मदद से सबूत जुटाए है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया है। पुलिस प्रथमदृष्टया जांच में बाइक व स्कूटी पर आए तीन दोस्तों को शामिल मानते हुए तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 6 बजे सूचना मिली कि सन्नी नगर में खाली प्लॉट में युवक का शव पड़ा हुआ है। जिसके सिर पर चोट के निशान है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया। मृतक की पहचान सोनू राठौड़ (24) पुत्र हरदास निवासी दातिया मध्य प्रदेश के रुप में हुई। वह कुम्भा मार्ग प्रताप नगर का रहने वाला था और मांस की दुकान पर काम करता था। पुलिस ने मौके से सबूत जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि स्कूल के सामने स्थित खड़े खाली प्लॉट में सोनू राठौड़ ने अपने तीन साथियों के साथ शराब पार्टी की थी। शराब पार्टी के दौरान ही उसका दोस्तों से झगड़ा हो गया। शराब के नशे में दोस्तों ने खाली प्लॉट में पड़े बड़े पत्थर से सिर पर वार कर हत्या कर दी। मृतक के सिर पर चोट के दो-तीन निशान भी मिले है। पुलिस को घटनास्थल पर ही हत्या में यूज लिया पत्थर भी मिला है। हत्या के बाद तीनों दोस्त बाइक-स्कूटी लेकर भाग गए। करीब आधे घंटे बाद शव को ठिकाने लगाने की प्लानिंग कर वापस लौटे। शराब पीने वाले की आवाजाही के कारण एक हत्यारा खाली प्लाट के गेट पर ही बैठ गया। जबकि दो साथी गली के मोड पर बाइक लेकर खड़े रहे। उन्होंने लाश को खाली प्लॉट से घसीटकर गेट तक ले आए। लोगों की लागातार आवाजाही के देखकर लाश ठिकाने नहीं लगा सकते थे, इस कारण करीब सवा घंटे मशक्कत के बाद वहां से भाग निकले। स्कूल के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में हत्यारों की करतूत कैद मिली। डॉग स्क्वायड की मदद से सबूत जुटाए। डॉग से वारदातस्थल का मुआवना करवाया गया।

आटा, दाल-चावल पर जीएसटी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

जयपुर, (का.प्र.)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास शनिवार को कलेक्ट्रेट सर्किल पर आटा, दाल, चावल, गुड, मखाने, मैदा, सूजी आदि खाद्य वस्तुओं पर जीएसटी लगाये जाने के विरोध में सैंकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन में शामिल हुए।

विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए खाचरियावास ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार अब गरीब के मुंह में हाथ डालकर उसकी रोटी छीनने जा रही है। पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेण्डर के बढ़ते दामों से महंगाई बढ़ गई। अब आजादी के बाद पहली बार खाद्य पदार्थों पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगाकर भाजपा सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब लोगों का निवाला भी छीनकर रहेंगे। आटा, दाल और चावल पर जो टैक्स लगा है उसके बाद पूरे देश में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्रत्येक आदमी की जिम्मेदारी बनती है कि आटे और दाल पर टैक्स लगाने के विरोध में मोदी सरकार का विरोध करें। उन्होंने कहा कि इस देश में 50 करोड़ आबादी रोज खुला आटा खरीदकर अपना पेट भरती है। हमें चिंता उस व्यक्ति की करनी है जो सुबह से लेकर शाम तक अपना व अपने परिवार का पेट भरने के लिये दौड़ता है। खाचरियावास ने कहा कि पहली बार ऐसा लग रहा है कि जब देश में केन्द्र सरकार सिर्फ उद्योपगतियों को फायदा पहुंचाने के लिये काम कर रही है। खाचरियावास ने कहा कि आम आदमी की जरूरत की वस्तुओं पर जीएसटी लगाने के विरोध में कांग्रेस सड़कों पर संघर्ष करेगी। इसलिए शनिवार को जयपुर में आठ विधानसभा क्षेत्रों में नरेन्द्र मोदी का पुतला जलाकर आटा, दाल, चावल पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगाने का विरोध किया गया है। इस प्रदर्शन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष प्रतापसिंह खाचरियावास कर रहे हैं।

ARBiT
it happens here...

World Emoji Day

Emoji's have been used since the beginning of the internet to transmit emotion in the written medium. As internet technology advanced, so did the use of the emoji, with previously pure text bits of ascii art turning into full-fledged animated faces and symbols. We've all used them, and we're excited for the future of them! World Emoji day celebrates the history of these emotional expressions, and encourages you to be exceptionally emotive!

राष्ट्रदूत
SUNDAY
17 July 2022
A-B

#FOOD FESTIVAL

Daawat-E-Awadh

Lagan ki Seekh Kebab and Chicken Korma.

Drawing inspiration from the rich heritage of the royal kitchens of the Nawabs, foodies in Jaipur will be able to sample gastronomical delights that are a reflection of the Awadhi flavours and their traditional cooking styles at the 'Daawat-E-Awadh' Food Festival at Hotel Holiday Inn in Jaipur.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

Executive Chef - Raj Kumar.

Well-known for its rich preparation, distinctive aroma and flavours, the gourmands of Pink City can now get a taste of Awadhi cuisine right here in Jaipur as Hotel Holiday Inn is hosting a one-of-its-kind food festival 'Daawat-E-Awadh' at their Monarch Restaurant. During the 10-day food festival which is on till 24 July, one will be able to experience the authentic Awadhi flavours and the traditional cooking styles with a specially curated buffet menu which has been designed with special insights from a Lucknow-based chef.

History of Awadhi Cuisine

Awadhi cuisine is essentially an indigenous part of the city of Nawabs – Lucknow. The dishes and cooking style of this cuisine is inspired and influenced by the Mughals. It includes rich preparation of both vegetarian as well as non-vegetarian dishes made using

Galouti Kebab with ulte tawa ka paratha.

exotic spices, herbs and garnished with dry fruits. The need for such a cuisine arose as the emperors; the Nawabs of Awadh, being inhabitants of Persia, were used to a certain type of diet which comprised of grains, dry fruits, fruits and vegetables available in that part of the country apart from various forms of meat. This style of cooking was further polished by the Nawabs by adding exotic flavours of saffron and other Indian spices. The 'dum pukht' style of cooking which translates as the art of cooking over low heat is also synonymous with Awadhi cuisine. However, later on the Awadhi cuisine was perfected by the royal khansamas while taking some hints from Mughals and local influences.

A Treat for Vegetarians too

The menu has been designed in a way that it caters to all kinds of palate. Telling more about the manu curation, the Executive Chef of Holiday Inn Jaipur; Raj Kumar says: "Usually Awadhi cuisine is seen as being pre-dominantly non-vegetarian. While there are a plethora of non-vegetarian dishes like Murgh Nargisi Korma, Keema-a-Awadh, Begam-e-Mahi, Nizami Tar Korma, Shammi Kebabs etc., there are an equal number of vegetarian delicacies as well. Since a major part of the populace here in Jaipur comprises of vegetarians we have kept options like Paneer Shabanam, Khumb Laziz, Chilgoja Palak, etc. One usually also equates vegetarian biryani with pulao but we have cooked it using rose water in 'dum pukht' style of cooking to give it an authentic flavour. Similarly, even though Awadhi cuisine is not big on fish but to cater to the diverse clientele and their palates we have also included some fish preparations in the main course using the traditional Awadhi curries."

Elaborating on their experience foodies Ratika Bhargava and Riccha Khetan who visited the festival on the first day itself shared: "The spread at Daawat-E-Awadh is fresh and delicious with many options for vegetarians too. We recommend the Mint Shorba, Palak Chilgoza, Phaldari Akhrot Ke Kebab, Dal Lucknow and Kulfi Falooda." Those with a sweet tooth can also relish traditional Awadhi desserts like Kheer, Phirni, Malai Makhani, Jarda, Shahi Tukda, among other sweet treats.

Date: 15 July - 24 July
Time: 7.30 pm to 11 pm
Venue: Monarch Restaurant, Hotel Holiday Inn Jaipur City Center

Vegetable Dum Biryayi.

#PERSONALITY

For India peace was an article of faith, but for China it was merely a tactical move. Clearly India had failed to understand the Chinese motives and intentions and subsequently lost the Sino-Indian War of 1962. Soon after Jagat was sent to Peking as Chargé d'affaires from 1963 to 1966, during the tumultuous times of the Cultural Revolution. When India was at war with Pakistan in 1965, China began to exert pressure on India by issuing all kinds of threats and ultimatums, but it was Jagat who judged the situation correctly and advised New Delhi not to move troops to the eastern front knowing that Chinese would not violate the border. Shashtriji later commended him for his professional judgment.

Jagat Singh at Study.

Jagat Singh Mehta

"Do not go gentle into that good night"

Father & Son 1952 Netherland.

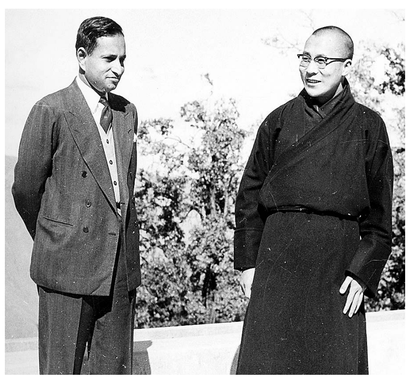

Jagat Singh with Dalai Lama.

Nihal Mathur
Filmmaker, writer, bon vivant

Like father, like son. There is much that can be said for Jagat Singh Mehta and his father Dr Mohan Sinha Mehta. Both shared a love for the people of Mewar and after illustrious careers, both chose to come back home to Udaipur and work in rural development till their dying day. Both father and son were committed to ideas of nation building through education, adhering to democratic processes and promoting a spirit for voluntary action. Like his father before him, Jagat had a distinguished record of public service watching history happening from the stands, if not creating it.

Education

Jagat Mehta was born in 1922, in a traditional family of civil servants working for the princely State of Mewar. He was just a two-year toddler when he lost his mother. Jagat's father Dr Mohan Sinha Mehta was a visionary, who sent him to a play school in Indore at a tender age of 6 in order to ensure that little Jagat was not spoilt by feudal values and doting uncles & aunts in the family. From Indore Dr Mehta sent Jagat to Modern School in Delhi. Then in 1931, Dr Mehta became a founding father of his own dream project - the Vidya Bhawan School in Udaipur.

This was a very different kind of school that was based on progressive ideas in education that sought to mould character and create responsible citizens. Naturally, young Jagat was brought back home and admitted to Vidya Bhawan, where his guardian was one Catherine Mary Heilman, who later became well known as Sarla Behn because of her association with Gandhi. After passing the 'metric exam' his father on the recommendation of CF Andrew, sent Jagat to Leighton Park, a Quaker school in England, where he spent three years. When the Second World War broke out, Jagat returned to India by ship in 1940, and got admittance in Allahabad University from where he did his Masters in Literature and was appointed as Lecturer in the English Department. But soon therafter, towards the end of world-war II, Jagat decided to join the Royal Indian Navy and in service, he wrote the examination to enter the Indian Civil Service. While waiting for his results, he went to Cambridge University, where within a year Jagat got his 'tripos' in economics in 1946-47 at St John's College. A 'Tripos' in Cambridge lexicon is any examination that qualifies an undergraduate for a Bachelor's degree. This was no mean achievement.

Early Years in Diplomacy

He was selected for the India Foreign Service (IFS) which he joined on the 21st of August, 1947. Jagat was fortunate to have witnessed historic moments in India's declaration of independence and as a young officer he had opportunities to work closely with Pandit Nehru. Jagat was deeply influenced by his vision that called for a Non-Aligned position in an increasing bipolar world during the Cold War years.

Although he served around the world, Jagat had ample opportunities to deal with India's neighbours. In one of the earliest assignments Jagat was picked to accompany Pandit Nehru and daughter Indira to Bhutan in 1958 on a foot and yak trek to Thimpu because back then there were no roads to the little kingdom. Jagat considered Nehru's gesture to visit Bhutan as act of great statesmanship. Jagat was also dispatched to receive the Dalai Lama when he entered India as a refugee in 1959, escaping brutal Chinese crackdown of Tibet. Jagat helped him settle down in India and His Holiness never forgot that early association and kept in touch with him. In fact, shortly before his death Jagat out of the blue got a warm letter of greeting from the Dalai Lama.

China

With China Jagat had a long association. After the bonhomie of 'Hindi Chini Bhai Bhai' days of the mid 50s the situation drastically changed to acrimony and tension in the 60s over the issue of border. In 1960, Jagat led the Indian delegation in border talks with the Chinese at Yangon, former Rangoon. Discussions on Sino-India Boundary lasted six months and Jagat found that border claims were 'rather uneven on both sides' but Chinese more so than Indian. The talks proved to be inconclusive – all because of the maps they couldn't agree upon.

Jagat held that it was not the boundary question alone that triggered the War with China in 1962. There was yet another reason – it was a clash between two vastly different world views, two great Asian leaders – Nehru & Mao – one an internationalist and follower of Gandhi and the other – steeped in communist ideology, where power came from the barrel of the gun. For India peace was an article of faith, but for China it was merely a tactical move. Clearly India had failed to understand the Chinese motives and intentions and subsequently lost the Sino-Indian War of 1962. Soon after, Jagat was sent to Peking as Chargé d'affaires from 1963 to 1966, during the tumultuous times of the Cultural Revolution. When India was at war with Pakistan in 1965 China began to exert pressure on India by issuing all kinds of threats and ultimatums but it was Jagat who judged the situation correctly and advised New Delhi not to move troops to the eastern front knowing that Chinese would not violate the border. Shashtriji later commended him for his professional judgment.

Tanzania

After China, Jagat did a four year stint in Delhi as Joint Secretary Policy Planning. Thereafter in 1970, Jagat was sent as the Indian High Commissioner to Tanzania in 1970. "He turned his innocuous posting in Tanzania into a major listening post in Africa and won the hearts of the Africans and the Indians in East Africa. Policy makers should reread one of his dispatches on the creeping Chinese influence in Africa to understand Chinese methods toda," says TP Sreenivasan, Jagat's colleague. But Jagat will be remembered for his tough negotiations with Idi Amin and his Henchmen for getting compensation for those Indians who were expelled from Uganda in 1972-74. Despite threats from Idi Amin, Jagat continued to negotiate doggedly and eventually achieved sizeable compensations by negotiating each case separately.

Indira Gandhi

In 1974, Jagat returned back to the ministry as joint secretary in Mrs Gandhi's government. Meanwhile earlier that year, Mrs Gandhi carried out a nuclear test at Pokhran. Jagat did not approve of India becoming a nuclear power. He strongly believed that India would have greater influence in world affairs if it eschewed becoming a nuclear power much in keeping with Gandhiji if not Nehru's legacy in foreign policy. Mrs Gandhi appointed Jagat as the Foreign Secretary to the Government of India in 1976.

> Jagat was an active member of the Jheel Sanrakshan Samiti, an association of citizens that worked with the spirit of volunteerism to prevent the desecration of the Lakes in Udaipur. After retirement from Vidya Bhawan in 1999, he wrote several books - including his autobiography 'The Tyrst Betrayed'.

With Jawahar Lal Nehru & Indira Gandhi.

Foreign Secretary

After he became the Foreign Secretary, Jagat was given the task of negotiating with Pakistan for the normalization of relations. Although the two countries had signed the Shimla Agreement in 1972 for peaceful co-existence, the reality on the ground was one of general suspicion and hostility in the aftermath of the Indo-Pak War of 1971. But Jagat had a 'defiant' faith in diplomacy. He would often say, 'the task of Indian diplomacy is to establish relationships with her neighbours to de-escalate tensions such that peace could come to the subcontinent. Patrick Moynihan called Jagat 'a peacemaker' and not without reason because while in office he negotiated seven treaties including water sharing agreements with both Pakistan & Bangladesh by pushing through the Salal Hydroelectric Dam & the Farakka Barrage agreements.

Janata Government

In 1977, Mrs Gandhi lost the general elections and Janata government under Morarji Desai came to power. But Jagat was retained by Vajpayee who was the Foreign Minister. There was speculation that now under the new dispensation there could be a policy shift towards the West. The change of government gave Jagat an opportunity to steer the foreign policy away from a 'Soviet Tilt' towards a more constructive approach with America and the West. Both Morarji and Vajpayee were inclined to accept his suggestions to improve relations with the US, China and Pakistan, while maintaining good relations with the Soviet Union. Ambassador TP Sreenivasan in his obituary said that: "Jagat Mehta successfully persuaded Vajpayee to reassure the Soviets by extending an invite to Andrei Gromyko, the Foreign Minister to visit India, while at the same time kept open a dialogue with the West, China and Pakistan." Initiatives such as Morarji Desai's visit to the US and Vajpayee's visit to China were results of his prodding the Janata government to bring in subtle changes in foreign policy.

Rama

Two years before retirement, Jagat lost his wife Rama in 1978. Although she was also a Foreign Service officer herself, she chose to resign, preferring to slip in and out of a traditional feudal family and a modern world as a wife and as a mother of 3 boys and a girl. Jagat in turn greatly encouraged Rama to pursue her academic interests and she went onto publish several books. 'Inside the Haveli' was recipient of the Sahitya Academy award. According to Jagat it was her support and the roots she maintained in Udaipur that helped him not just in his diplomatic career but all through his life.

Appraisal of his diplomacy

In 1980, Jagat retired gracefully, though not quite ceremoniously. Although his peers and contemporaries considered Jagat to be a cerebral foreign secretary who had made himself indispensable in the ministry as a foreign policy thinker and negotiator, he also did not hesitate to express an unpopular opinion if he believed in it. He had his share of criticisms and brick bats when his own colleagues derided him for his views and actions. Charan Singh went as far as saying that Mehta had brought in changes which were 'against the interests of the state'. But as a disciplined soldier Jagat chose not to respond because as somebody said that he had a habit of meeting allegations and accusations with good humour.

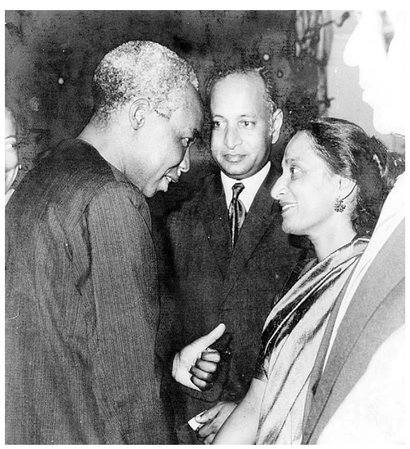

Jagat & Rama with President Nyerere of Tanzania.

Teaching in US

After his retirement, Jagat pursued his intellectual interests and accepted an offer to teach as a Professor at the University of Texas at Austin, where he taught for five years. He was also an Associate at Harvard, having spent 2 years there earlier in 1969. He was selected to be a Fellow at Woodrow Wilson Centre in Washington DC and was awarded the Tom Slick Professorship of World Peace at Texas University. Jagat interspersed these commitments with his time on the lecture circuits in American universities and think tanks etc. Meanwhile back home in Udaipur, his father Dr Mohan Singh Mehta who had set up an NGO called Seva Mandir to work for the development of the rural poor was getting frail in his late eighties. The organization was undergoing a prolonged crisis because it was financially weak, the morale of the workers was low and needed administrative tightening.

Development: Seva Mandir

In 1984 Jagat was persuaded by the trustees of Seva Mandir to return and join as its chief executive officer and rescue it from further deterioration. Jagat was deeply touched by the fact that this happened under the watch of his father Dr Mohan Sinha Mehta who passed away in June 1985. Although not the most suited person for the job Jagat made up with his passion not just to keep alive the legacy of his father but also because he shared his vision too. Upon assuming office Jagat had to take some hard actions and played a critical role in the revival of Seva Mandir.

Vidya Bhawan

Vidya Bhawan was another challenge Jagat devoted himself to. Vidya Bhawan was also in a state of decay and had gradually come to be dominated by a handful of teachers and a 'town group' with no interest in education. The Old Boys of Vidya Bhawan School sought to stem the rot and asked Jagat to become the President. After losing two elections Jagat was elected President of the Vidya Bhawan Society in 1993. Despite the hostility he faced Jagat held on steadfast to the reforms because it meant a great deal to him. At one level it allowed him to render his debt to his father. On another, Jagat was passionate about Vidya Bhawan because he believed in the core values of the school.

Vidya Bhawan Institutions

One of the first things Jagat did was to restore some order in the Vidya Bhawan School. He assiduously resisted pressure to turn Vidya Bhawan into a school for the better off's in the society; instead he sought to remain true to its original aims of providing quality education to all sections of society, without caste or creed distinctions. Jagat also arrested further decay and decline in other aging institutions of Vidya Bhawan started by his father and gave them new lease of life.

Jagat succeeded in attracting fresh talent into Vidya Bhawan Society and with state and corporate funding started an Education Resource Centre in 1995. This is now a leading forum for innovations and experiments in teaching and learning processes. Jagat also set up an Institute for Local-Self Government and Responsible Citizenship in Udaipur where elected leaders of Panchayat were trained for important governance functions.

Jagat was an active member of the Jheel Sanrakshan Samiti, an association of citizens that worked with the spirit of volunteerism to prevent the desecration of the Lakes in Udaipur. After retirement from Vidya Bhawan in 1999, he wrote several books - including his autobiography 'The Tyrst Betrayed'. In recognition of his work in foreign affairs and later in the cause of education and rural development Jagat was awarded the Padma Bhushan in 2002 by the President of India.

With advancing years Jagat retired from active life in Vidya Bhawan and Seva Mandir but kept his association till the end of his life. Jagat's last ambition was to convert a 400 acre forested area owned by Vidya Bhawan into a center to address issues of climate change and nature conservation. He saw his life coming to an end and was in great hurry to complete it. In fact, he gave his life savings to build the Prakritik Sadhna Kendra to house students and scholars in Vidya Bhawan's forest. But before the Centre could become fully operational Jagat passed away in March 2014 at the ripe age of 92. Towards the end Jagat's spirit may be best captured by lines from a Dylan Thomas poem that expresses the anguish of a man who still had miles to go and much to achieve : *"Do not go gentle into that good night,*
Old age should burn and rave at close of day;
Rage, rage against the dying of the light."

Receiving the Padma Bhushan from President KR Narayanan.

With Atal Bihari Vajpayee.

With Kissinger at Jeevan Niwas.

writetoarbit@rashtradoot.com

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

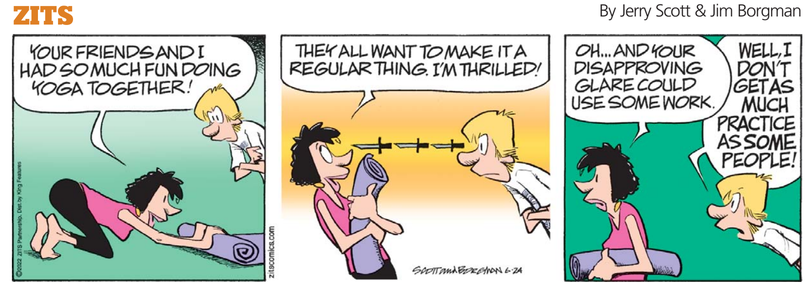

वीरांगना पत्नी ने अपने वीर सैनिक पति को कांधा देकर दी अंतिम विदाई

जयपुर, (निसं)। छावसरी गांव निवासी सीआरपीएफ के जवान अनिल कुमार का श्रीनगर में ड्यूटी के दौरान निधन हो गया। जिनको शनिवार को पूरे सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। उस वक्त हर आंख नम हो गई, जब जवान अनिल कुमार की वीरांगना पत्नी ने अपने वीर सैनिक पति को कांधा देकर अपने घर से विदा किया और विदा करने के साथ ही बेसुध हो गई। इससे पहले शनिवार दोपहर को अनिल कुमार की पार्थिव देह उनके पैतृक छावसरी लाई गई। जहां पर सैन्य सम्मान के साथ अंत्येष्टि की गई। इस दौरान सीआरपीएफ की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। अनिल कुमार को अंतिम विदाई देने के आस-पड़ौस के गांवों के युवाओं ने भारत की माता, वंदे मातरम व जब सुरज चांद रहेगा अनिल तेरा नाम रहेगा जयकारों के साथ दी गई।

अनिल कुमार के पार्थिव शरीर पर राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा, उदयपुरवाटी के पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी, पूर्व विधायक वीरेंद्र सिंह, एसडीएम रामसिंह राजावत, गुढ़ागौड़जी तहसीलदार सुभाष चन्द्र व गुढ़ागौड़जी थानाधिकारी संजय वर्मा ने पुष्प चक्र अर्पित किए गए। सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडर सुनील सिंह ने अनिल कुमार के बड़े भाई सुनील कुमार को तिरंगा सौंपा गया। सीआरपीएफ के जवान अनिल कुमार के सम्मान में युवाओं ने गुढ़ागौड़जी पुलिस से उनके पैतृक छावसरी तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या युवाओं ने बाइक पर सवार होकर हाथों में तिरंगा लिए हुए डीजे के देश भक्ति गीत के साथ चल रहे थे।

जिला परिषद सदस्य अजय कुमार भालोठिया, सरपंच संघ जिलाध्यक्ष संजय नेहरा, युवा यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुधींद्र मूंड, भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया, सरपंच संजू चौधरी सीथल, सरपंच रविराज सिंह केड, सरपंच जयपाल जाखड़ बामलास, पूर्व सरपंच विजयपाल भाटीवाड़, एडवोकेट विजय ओला छावसरी, सरपंच रामनिवास शर्मा, पूर्व सरपंच रघुवीरसिंह कासनिया, पूर्व सरपंच दारासिंह गुढ़ा बावनी, पूर्व सरपंच ओमप्रकाश महला, पूर्व सरपंच रोहिताश टीटनवाड़, भाजपा मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह शेखावत, पूर्व जिला परिषद सदस्य राजेंद्र केड, उप सरपंच बिरजूसिंह महला, प्रधानाचार्य ओमप्रकाश पूनियां, डॉ. रजनीश कुमार, मथुराप्रसाद खींवासर, दुर्गा फगेड़िया समेत कई लोग शामिल थे। 2017 में अनिल कुमार सेना में भर्ती हुए थे। उनके एक ढाई साल की बेटी काव्या तथा तीन माह की बेटी सुनिधि है। वे 45 दिन पूर्व ही गांव आकर लौटे थे।

छावसरी गांव निवासी सीआरपीएफ के जवान अनिल कुमार की वीरांगना पत्नी ने सैनिक पति को कांधा दिया तो लोगों की आंखें नम हो गई।

- सैनिक अनिल कुमार की पैतृक छावसरी में सैन्य सम्मान के साथ अंत्येष्टि की
- अनिल कुमार के ढाई साल की बेटी काव्या तथा तीन माह की बेटी सुनिधि है

जीएसटी लगाने का विरोध, हिंडौन कृषि उपज मंडी में दुकानें बंद रही

केंद्र सरकार द्वारा जिंस, आटा, दाल और खाद्य पदार्थों पर लगाई गई पांच प्रतिशत जीएसटी के खिलाफ मंडी व्यापारियों ने प्रदर्शन किया।

हिण्डौन सिटी, (कासं.)। केंद्र सरकार द्वारा जिंस, आटा, दाल और खाद्य पदार्थों पर लगाई 5 प्रतिशत जीएसटी के खिलाफ देशभर में कृषि मंडी व्यापारियों ने मोर्चा खोल दिया। सरकार द्वारा लगाए गए जीएसटी के विरोध में शनिवार को कृषि व्यापारियों द्वारा मंडी बंद का ऐलान किया गया था। जिसका व्यापक असर हिंडौन कृषि उपज मंडी में देखने को मिला। जीएसटी लगाने के विरोध में हिंडौन कृषि उपज मंडी के व्यापारियों ने मंडी परिसर में अपने 119 आढ़त की दुकानों को बंद कर केंद्र सरकार के खिलाफ में नारेबाजी प्रदर्शन किया।

व्यापारियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए बताया कि केंद्र की मोदी सरकार ने आमजन एवं व्यापारियों के व्यापार को जीएसटी बढ़ाने से आमजन गरीब किसानों को काफी नुकसान होगा। गरीब की खाद्य जरूरत की वस्तु पर जीएसटी लागू करना गलत है। मंडी अध्यक्ष राम गोपाल गुप्ता ने बताया कि जीएसटी के विरोध में देशभर में कृषि उपज मंडी कारोबार बंद रहा। जिसमें देश भर में 7300 मंडियां, 13000 दाल मील, 9654 चावल मील, 8000 आटा मील बंद रही।

कृषि उपज मंडी के व्यापारी राजीव गोयल ने बताया कि कोरोना के कारण पहले से ही ट्रेड और व्यापारी माली हालत से गुजर रहे हैं। जिससे व्यापारियों द्वारा दी गयी उधारी वापस नहीं आ रही है। आम आदमी के पास फिलहाल रोजमर्रा के जरूरतों के सामान खरीदने के लिए पैसे नहीं है। वहीं अब उएऊ बढ़ाकर सरकार ने सीधे तौर पर जनता की जेब काटने का काम किया है। दिन भर मेहनत मजदूरी कर पेट पालने वाले कृषि उपज मंड में करीब 700 पल्लेदारों का मंडी कारोबार बंद रहने से आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा। पल्लेदारों कहना है कि कृषि उपजमंडी के अलावा और कोई कारोबार नहीं होने से जब भी मंडी बंद होती है तो 1 दिन के लिए भी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। कृषि उपज मंडी के सचिव राजेश कुमार कर्दम ने बताया कि वैसे तो बारिश के मौसम में किसानों की जिंसें मंडी में कम आ रही है।

सांसद कोली को पीडब्ल्यूडी कार्यालय के निरीक्षण में कोई अधिकारी नहीं मिला

भरतपुर (निसं)। सांसद रंजीता कोली एक दिवसीय दौरे के दौरान कामां पहुंची। इस दौरान उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें कार्यालय में कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं मिला। जिस पर सांसद ने नाराजगी जाहिर की।

- सांसद ने नाराजगी जताई, पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर जानकारी ली
- कामां-पहाड़ी से गोपालगढ़ रोड के निरीक्षण में सड़कें टूटी हुई मिली, अधिकारियों को लताड़ लगाई

निरीक्षण के दौरान सांसद ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत 20 करोड़ की राशि के स्वीकृत हुए कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की। वहीं कामां-पहाड़ी से गोपालगढ़ रोड का मौका मुआयना किया जिसमें कामां पंचायत समिति कामां के एक्सईन अपने कार्यालय में अनुपस्थित मिले। कनिष्ठ अभियंता नवीन आनंद ने अवगत कराया। लेकिन जब सांसद ने मौके पर देखा तो सड़कें टूटी हुई मिली। जिस पर सांसद ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को लताड़ लगाई।

इसके बाद सांसद निजी कार्यक्रम के अंतर्गत कामां कस्बे के ऊदाका मोहल्ला निवासी भाजपा आईटी सेल के शहर संयोजक पंकज दनादन के निवास पर पहुंची। जहां उन्होंने जन्मदिन पार्टी में भाग लिया और आईटी सेल के संयोजक पंकज दनादन के भाई अमित खंडेलवाल और उनके पत्नी की एक सप्ताह पूर्व हुई शादी पर शुभकामनाएं दी। इस दौरान परिवार के सदस्यों ने सांसद रंजीता कोली को स्मृति चिन्ह प्रदान कर व शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। सांसद के दौरे में उनके साथ जिला उपाध्यक्ष मनीष शर्मा, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष प्रदीप गोयल, नगर पालिका पार्षद किशोर तिवारी, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष शाकिर अली, गोपालगढ़ मंडल अध्यक्ष घसीटाराम, पहाडी मंडल अध्यक्ष मोनू सांवलेरिया, आईटी सेल संयोजक मनोज गुर्जर सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

सांसद रंजीता कोली ने कामां का दौरा किया।

चोरी हुआ एटीएम मिला

उदयपुर, (कासं)। झल्लारा थाना क्षेत्र के ईंटाली गांव से उखाड़ ले गए एसबीआई एटीएम को बदमाश भागते समय कुराबड़ थाना क्षेत्र में रोड़ किनारे पगडंडी मार्ग पर छोड़ कर फरार हो गए।

झल्लारा कस्बा के ईंटाली गांव से गुरूवार देर रात में अज्ञात बदमाश एसबीआई एटीएम उखाड़ ले जाने की सूचना पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास कुमार शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सांखला, पुलिस उप अधीक्षक सलूम्बर सुधा पालावत के सुपरविजन में झल्लारा थानाधिकारी परमेश्वर पाटीदार के नेतृत्व में गठित टीम अनुसंधान में लगी थी। इसी अभियान के दौरान शनिवार सवेरे कुराबड़ थाना क्षेत्र जगत से जोधपुर चांसदा रोड़ किनारे पगदंडी मार्ग पर बक्सा पड़ा होने की सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सलूम्बर सुधा पालावत के नेतृत्व में झल्लारा थानाधिकारी परमेश्वर पाटीदार, हेडकांस्टेबल महेन्द्रसिंह, मनोहरसिंह, देवीदयालसिंह, अशोक कुमार, कांस्टेबल यदुवीरसिंह, धमेन्द्रसिंह, गणेशाराम, प्रवीणसिंह मय टीम ने मौके पर पहुंच कर पड़ताल की तो उक्त बक्सा झल्लारा कस्बे के इण्टाली गांव से उखाड़ ले गए एटीएम का बक्सा होने की पुष्टि होने पर कब्जे में लिया।

किसान सभा का धरना 38वें दिन भी जारी

चूरू में अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी चूरू की ओर से अपनी मांगों को लेकर दिया जा रहा धरना जारी रहा।

चूरू, (कासं)। अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी चूरू की ओर से अपनी मांगों को लेकर दिया जा रहा धरना आज 38वें दिन भी जारी रहा। तहसील अध्यक्ष रणसिंह ने बताया कि यहां आज की सभा की अध्यक्षता सुमेरसिंह ने की। दीपाराम प्रजापत, हरचंद कड़वासरा, इन्द्राजसिंह ने सभा को सम्बोधित किया। जिलाध्यक्ष इन्द्राजसिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और बीमा कम्पनी मिलकर किसानों को लूट रहे हैं। आज यहां कलैक्ट्रेट के आगे किसान नेताओं ने आधा घंटा तक सड़क को जाम रखा। इस दौरान नारेबाजी भी की गई।

चोरी का खुलासा, चार गिरफ़्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की कारोई थाना पुलिस ने उदयपुर-भीलवाड़ा हाइवे पर करीब 5 माह पहले हुई 7 लाख 70 हजार रुपये के कीमती सामान की चोरी का खुलासा करते हुये चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि बाघमाली, आर्सीद निवासी रतन सिंह पुत्र कालू रावत ने गत 4 फरवरी को थाने में रिपोर्ट दी कि वह उदयपुर की एक कंपनी के भुवाना सर्किल स्थित कार्यालय से पार्सल कंटेनर में डिलेवरी का सामान लेकर भीलवाड़ा जा रहा था। इस दौरान भूणास से गठिला के बीच कंटेनर से आठ बोरे किसी ने निकाल लिये। इसका पता उसे टोल प्लाजा के आगे ब्रेक लगाने पर चला। इन बोरों में चार मोबाइल, कॉस्टमेटिक आइटम, कपड़े, इलेक्ट्रोनिक्स आइटम आदि शामिल थे। चोरी गये माल की कीमत 7 लाख 70 हजार रुपये है। कारोई थाना प्रभारी हंसपाल सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की। इस टीम ने अथक प्रयास के बाद इस चोरी का खुलासा करते हुये चोरी के आरोप में ढोसर निवासी हेमराज भील, इरफान, सूरजपुरा निवासी सुभाष भील व मदन पुत्र लेहरु भील को गिरफ्तार किया है।

चेक अनादरण के मामले में सुनाई सजा

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ठ न्यायिक मजिस्ट्रेट (एन.आई.एक्ट प्रकरण संख्या 1) ने चेक अनादरण के एक मामले में नेवरिया, जिला चित्तौडगढ़ के अर्जुन लाल पुत्र स्व. लोभचंद बापना को एक साल के साधारण कारावास से दंडित करते हुये आदेश दिया है कि वह परिवादी किरण प्रकाश बापना को आठ लाख रुपये बतौर क्षतिपूर्ति रिविजन प्रतिकर के रुप में अदा करे।

परिवादी के अधिवक्ता राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि नेवरिया निवासी किरण प्रकाश पुत्र जीवनलाल बापना (हाल मोबाइल शॉप संचालक शाम की सब्जी मंडी भीलवाड़ा) ने अर्जुन लाल बापना के खिलाफ परिवाद पेश किया। इसमें बताया कि आरोपित ने व्यापार में रुपयों की आवश्यकता होने

- 14 अगस्त 2018 का चार लाख का चैक दिया था

से परिवादी से रुपये उधार लिये, जिसके भुगतान पेटे एक चेक 14 अगस्त 2018 का चार लाख रुपये का दिया। यह चेक चार अक्टूबर 18 को अनादरित हो गया। इस परिवाद पर न्यायालय में सुनवाई की गई। इसके बाद न्यायालय ने आरोपित अर्जुन बापना को दोषी मानते हुये एक वर्ष के साधारण कारावास की सजा से दंडित किया। साथ ही आरोपित अर्जुन लाल को यह आदेश दिया कि वह, परिवादी किरण प्रकाश बापना को आठ लाख रुपये बतौर क्षतिपूर्ति रिविजन प्रतिकर के रुप में अदा करे।

जीएसटी लगाने का विरोध

बीदासर, (निसं)। भारत सरकार द्वारा खाद्य वस्तुओं गेहूं, आटा, दाल, चावल, गुड पर 18 जुलाई से जीएसटी लगाने के विरोध में कस्बे के व्यापार मण्डल के आव्हान पर कस्बे के खाद्य पदार्थों की दुकानें पूर्णतया बंद रही।

जिसके चलते रोजमर्रा की खाद्य सामग्री खरीदने वाले लोगों को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ा। वहीं प्रत्येक रविवार को कस्बे की सभी प्रतिष्ठान बंद रहने से दो दिन खाद्य पदार्थों की दुकानें लगातार बंद रहने के कारण लोगो को परैशानीयों का सामना करना पड़ेगा। बंद के दौरान कस्बे के गाँधी चौक, मंण्डी बाजार, पुराना बस स्टेण्ड रोड़, हाई स्कूल रोड़, नगीना बाजार सहित अन्य खाद्य पदार्थों की दुकाने बंद के दौरान पूर्णतया बंद रही।

हाईकोर्ट ने गोचर भूमि से अतिक्रमण हटाने के दिए आदेश

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति संदीप मेहता एवं न्यायाधिपति कुलदीप माथुर की खण्डपीठ द्वारा जनहित याचिका लादूसिंह व अन्य बनाम राजस्थान राज्य में सुनवाई करते हुए अप्रार्थीगण के द्वारा गोचर भूमि पर किये गये अतिक्रमण को हटाने के लिये कार्यवाही करने के आदेश पारित किए।

सबाड़िया, बिलाड़ा जोधपुर पूर्व में ग्राम संबाडिया तहसील बिलाड़ा, जिला जोधपुर के निवासी लादूसिंह, भंवरसिंह, छोटूसिंह, चैनाराम एवं जोगाराम के अधिवक्ता प्रवीण दयाल दवे एवं रुचि परिहार द्वारा न्यायालय के समक्ष जनहित याचिका प्रस्तुत कर न्यायालय को बताया था कि ग्राम संबाडिया के खसरा नंबर 6,14, 18, 98, 99, 206, 232, 239, 281/3, 289, 292/1 कुल खसरा

- गोचर भूमि पर निर्माण कार्य करने, खेती करने, ट्यूबवेल खोदे जाने व विद्युत संबंध लेने के खिलाफ लगाई थी जनहित याचिका
- प्रकरण में 30 अगस्त 2022 को अप्रार्थीगण को नवीन अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है

11 रकबा 1781.17 बीघा (एक हजार सात सौ इक्यासी बीघा 17 बिस्वा) गौचर भूमि स्थित है, जहां पर गोचर भूमि पर अतिक्रमण कर, मौके पर निर्माण कार्य कर, खेती कर, ट्यूबवेल खोदे जा रहे हैं, विद्युत संबंध लिये जा रहे है, संपूर्ण चारागाह भूमि पर अतिक्रमण किया जा चुका है।

याचिका में यह भी बताया कि गोचर भूमि पर अतिक्रमण मुक्त करने के संदर्भ में मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, उपखण्ड अधिकारी बिलाड़ा, विकास अधिकारी बिलाड़ा, तहसीलदार बिलाड़ा, जिला कलेक्टर जोधपुर को ज्ञापन देने के बावजूद कार्यवाही नहीं की जा रही है, जिस पर पूर्व में 1 दिसम्बर 2018 को न्यायाधिपति संगीत लोढ़ा एवं दिनेश मेहता द्वारा सुनवाई करते हुए राज्य सरकार व अन्य को नोटिस जारी कर याचिका के लंबित रहते गोचर भूमि पर किसी भी प्रकार के अन्य कार्य पर रोक लगाते हुए गोचर भूमि पर यथास्थिति का स्थगन आदेश जारी किया था, पश्चात अधिवक्ता दवे ने बताया कि जनहित याचिका की पुनः सुनवाई करते हुए न्यायालय द्वारा 1 दिसंबर 2018 के आदेश को स्पष्ट करते हुए कहा कि न्यायालय द्वारा रेवेन्यू रिकॉर्ड जो कि गोचर भूमि है, को अन्य उपयोग में न लेने के संदर्भ में पारित किया था, जो आज भी प्रभावी है।

पूर्व में न्यायालय द्वारा भूमि की प्रकृति को बनाये रखने के लिये आदेश पारित किया था, न कि भूमि पर अवैध कब्जे बनाये रखने के संदर्भ में किया था। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि बिना अधिकार के प्रवेश करने वालों (घुसपैठियों) का अनाधिकृत कब्जा गोचर भूमि पर है, तो अप्रार्थीगण अवैध कब्जे को हटाने के संदर्भ में उचित कार्यवाही कर सकते हैं। इस प्रकार राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा 1 दिसम्बर 2018 को पारित आदेश को स्पष्ट करते हुए 17 जुलाई 2019 को पुनः आदेश कर अवैध अतिक्रमण को हटाने के संदर्भ में उचित कार्यवाही करने के आदेश दिए थे। पश्चात आज प्रकरण पुनः सूचीबद्ध होने पर न्यायालय में एडिशनल एडवोकेट जनरल सुनील बेनीवाल द्वारा बताया कि राजस्व अधिकारियों ने पुलिस की मदद से गोचर भूमि पर स्थाई पक्के अवैध निर्माणों को हटाने के लिए पुलिस सहायता मांगी है जो प्रक्रिया 26 जुलाई 22 तक की जाएगी। पश्चात न्यायालय द्वारा जिला कलेक्टर जोधपुर को आदेश दिया गया कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि विचाराधीन भूमि पर अतिक्रमणकारियों को, जिन्हें किसी न्यायालय या मालिकाना हक के दस्तावेजों से कोई अंतरिम संरक्षण प्राप्त नहीं है, उन्हें गोचरभूमि से हटा दिया जाने का आदेश देते हुए प्रकरण में 30 अगस्त 2022 को अप्रार्थीगण को नवीन अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

बैंक पर 25 हजार रुपए का हर्जाना लगाया

जोधपुर, (कासं)। जिला उपभोक्ता संरक्षण आयोग द्वितीय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि बैंक की खराब सेवाओं से असंतुष्ट ग्राहक को अपना विरोध प्रकट करने का पूर्ण अधिकार है। एक मामले में ग्राहक द्वारा सेवा से संतुष्ट नहीं होने का कारण बताने से खाता बंद करने से इंकार करने पर आयोग ने एसबीआई पर 25 हजार रुपए हर्जाना लगाया है।

मामले के अनुसार मंडोर निवासी वीरेंद्र सिंह ने आयोग में परिवाद प्रस्तुत कर बताया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, नयापुरा शाखा की ओर से आग्रह के बावजूद उसे एटीएम सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई। इस कारण उसने उक्त बैंक में अपने खाता को बंद कराने के लिए नवम्बर, 2017 में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। जिसमें "मैं इस बैंक से संतुष्ट नहीं हूं" कारण अंकित करने के कारण बैंक कर्मचारियों ने इसे अनुचित आधार बताते हुए खाता को बंद करने

- ग्राहक द्वारा सेवा से संतुष्ट नहीं होने का कारण बताने से खाता बंद करने से इंकार करने पर आयोग ने एसबीआई पर हर्जाना लगाया

से इंकार कर दिया। उसके द्वारा कस्टमर केयर नंबर पर शिकायत किए जाने के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं की गई। बल्कि खाते में न्यूनतम बैलेंस नहीं रखने के कारण उस पर पेनल्टी भी लगा दी गई। इस मामले में बैंक की ओर से कहा गया कि खाताधारक आनन-फानन में अपना खाता बंद करवाना चाहता था। ऐसे में अपनी खीज निकालते हुए सेवा से असंतुष्ट होने का कारण बता दिया। बैंक की ओर से खातादारक की ओर से ली गई सेवाओं की भुगतान राशि खाते से कंप्यूटरीकृत व्यवस्था से अपने आप कट जाती है। आयोग के अध्यक्ष डॉ श्याम सुन्दर लाटा, सदस्य डॉ अनुराधा व्यास, आनंद सिंह सोलंकी ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद अपने निर्णय में कहा कि बैंक को यह अधिकार नहीं है कि सेवाओं से असंतुष्ट ग्राहक को वह अपनी झूठी प्रशंसा कराने के लिए मजबूर कर सके। खाताधारक द्वारा अनुरोध किए जाने के साथ ही बैंक उसका खाता बंद करने को जिम्मेदार है तथा ग्राहक की सहमति के बिना चालू रखने का अधिकार नहीं है। आयोग ने विपक्षी बैंक द्वारा परिवादी का खाता जबरन चालू रखना सेवा में कमी मानते हुए परिवादी को क्षितपूर्ति के निमित्त 25 हजार रुपए की राशि बैंक द्वारा अदा करने व पेनल्टी राशि मय ब्याज लौटाने का आदेश दिया है। साथ ही उसके खाते से सेवा के नाम पर काटे गए 892 रुपए भी वापस लौटाने का आदेश दिया।

उदयपुर का मदार बड़ा तालाब छलका

उदयपुर, (निसं)। लेकसिटी में सावन मास के लगते ही सक्रिय हुए मानसून के दूसरे चक्र ने अच्छी बारिश की झड़ी लगा रखी है। दिन हो रात बूंदाबांदी व रूक-रूक कर बारिश का दौर जारी है। हालांकि बारिश के बीच निकलती धूप ने शहर के मौसम में फिर उमस घोल दी है। 24 फीट क्षमता वाला मदार बड़ा तालाब भी शनिवार सुबह छलक गया इसका पानी मदार नहर के जरिए फतहसागर में आ रहा है।

- थूर की पाल पर भी दो दिन पहले चादर चल गई थी

झीलों के शहर में मानसून की अच्छी बारिश हो रही है हालांकि शहर के उत्तरी छोर के केचमेंट एरिया में अच्छी बारिश होने से मदार तालाब भी छलक चुका है। इसी क्षेत्र में थूर की पाल पर भी दो दिन पहले चादर चली और इसका पानी फतहसागर झील में आया था। शुक्रवार को आवक कम पड़ गई थी लेकिन आज सुबह मदार बड़ा तालाब के लबालब होने व इस पर चादर चलने से मदार नहर के जरिए इसका पानी फतहसागर में आना शुरू हो गया।

उदयपुर में 24 फीट क्षमता वाला मदार बड़ा तालाब छलक गया, इसका पानी फतहसागर में जा रहा है।

हालांकि झील के जलस्तर में दो दिन में केवल आधा से पौन फीट की आवक ही हुई है। फतहसागर झील का जलस्तर साढ़े पांच फीट को पार कर गया है। पूर्ण भराव क्षमता 13 फीट से यह साढ़े आठ फीट खाली है।

इधर, सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार प्रातः 8 बजे समाप्त बीते 24 घंटों में उदयपुर शहर में 16 मिमी, खेरवाड़ा में 60 मिमी, नयागांव 25, भीण्डर 41, कुराबड़ 17, गोगुन्दा 15, सेमारी 14, झाड़ोल में 12 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार शहर का अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री व न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री रहा। दोनों ही तापमान में केवल पांच डिग्री का अंतर रिकॉर्ड किया गया है।

31 जुलाई तक मिल सकेगा एडमिशन

बीकानेर, (कासं)। प्रदेश के सरकारी स्कूल्स में क्लास नौ से बारह तक के स्टूडेंट्स को अब 31 जुलाई तक एडमिशन मिल सकेगा। पहले पन्द्रह जुलाई लास्ट डेट थी लेकिन अब इसमें बढ़ोतरी कर दी गई है। वहीं क्लास एक से आठ तक के स्टूडेंट्स के वर्ष पर्यन्त ही एडमिशन हो सकेंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। सरकारी व प्राइवेट स्कूल्स को इसी आदेश का इंतजार था। दरअसल, एडमिशन का प्रोसेस प्द्रह जुलाई तक पूरा नहीं हो सका था। उम्मीद की जा रही थी कि डेट्स में बढ़ोतरी होगी। पिछले सालों में भी डेट्स में बढ़ोतरी होती रही है। दरअसल दसवीं की परीक्षा का रिजल्ट घोषित होने के बाद भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की ओर से मार्कशीट वितरण में देरी की गई। बीकानेर में दो दिन पहले ही मार्कशीट्स आई है। ऐसे में प्राइवेट और सरकारी स्कूल्स ने अब तक मार्कशीट का वितरण नहीं किया है। अब सभी मार्कशीट्स का वितरण किया जा रहा है।

भीलवाड़ा में नूपुर शर्मा के समर्थन में व्हाट्सएप पर स्टेटस लगाने से माहौल गरमाया

पोटला में हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया, बाजार बंद रहे, सर्व हिंदू समाज के लोगों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र के पोटला में एक युवक द्वारा नूपुर शर्मा के समर्थन में व्हाट्सएप पर स्टेटस लगाने और समुदाय विशेष के लोगों द्वारा धमकी देने के बाद माहौल गरमा गया। शनिवार को पोटला के बाजार बंद रहे, हिंदू संगठनों व पोटला के ग्रामीणों ने गंगापुर उपखंड कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया, राज्यपाल के नाम उपखंड अधिकारी अधिकारी राजेश सुवालका को ज्ञापन देकर परिवार की सुरक्षा व आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की।

जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह ही पोटला गांव में व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान नहीं खोले। समूचे पोटला गांव के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। पोटला सर्व हिंदू समाज के पदाधिकारी व ग्रामीण मोटरसाइकिल पर जुलूस के रूप में गंगापुर पहुंचे। गंगापुर उपखंड कार्यालय के बाहर सर्व हिंदू समाज व हिंदू संगठनों के द्वारा प्रदर्शन किया व नारेबाजी की गई। विश्व हिंदू परिषद के जगदीश झंवर, बजरंग दल के विद्या प्रसाद जोशी सहित हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने उपखंड अधिकारी राजेश सुवालका को ज्ञापन देकर आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने, आरोपियों से जुड़े हुए उन लोगों का खुलासा कर उन लोगों के विरुद्ध भी कार्रवाई करने, वहीं डरे और सहमे हुए सोनी परिवार की सुरक्षा की मांग की गई। वहीं मामले में फरार चल रहे एक और आरोपी की भी जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने की मांग की गई। ज्ञापन के दौरान पोटला सर्व हिंदू समाज के लोग, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित हिंदू संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व पोटला के ग्रामीण उपस्थित थे।

सर्व हिंदू समाज के लोगों ने एसडीएम राजेश सुवालका को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

प्रार्थी आयुष सोनी के जीजा आशीष सोनी ने उपखंड अधिकारी के समक्ष अपनी व परिवार जनों की सुरक्षा की गुहार लगाई है। आशीष सोनी ने बताया कि आरोपी और उनके रिश्तेदार लगातार हमें धमका रहे हैं। कार्रवाई करने पर वह हमें जान से मारने की धमकी तक दी दे रहे हैं।

गंगापुर अभिभाषक संघ के अध्यक्ष फतहलाल लोहार बताया कि वकीलों ने जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपियों की पैरवी नहीं करने का निर्णय लिया। गंगापुर उपखंड अधिकारी राजेश सुवालका ने कहा कि पोटला ग्रामवासियों द्वारा ज्ञापन देकर सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग रखी गई। आरोपियों का नेटवर्क किस से जुड़ा हुआ है उसका भी पता लगाया जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गंगापुर थाना प्रभारी राजूराम पलासिया ने बताया कि रिपोर्ट पर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। फरार चल रहे आरोपी अरमान मोहम्मद उर्फ टैणी की पुलिस तलाश कर रही है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पोटला के ग्रामीण सत्यनारायण जेथलिया ने बताया कि पोटला के आयुष सोनी को मिल रही जान से मारने की धमकी पर पोटला के ग्रामीण कार्यवाही नहीं होने तक आंदोलन जारी रखेंगे। पोटला के ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि पोटला बालिका विद्यालय में बालिकाओं के आने व जाने के समय पर समुदाय विशेष के युवक समूह बनाकर अश्लील हरकतें करते हैं।

पानी से भरे गड्ढ़ों में डूबने से चार मासूमों की मौत

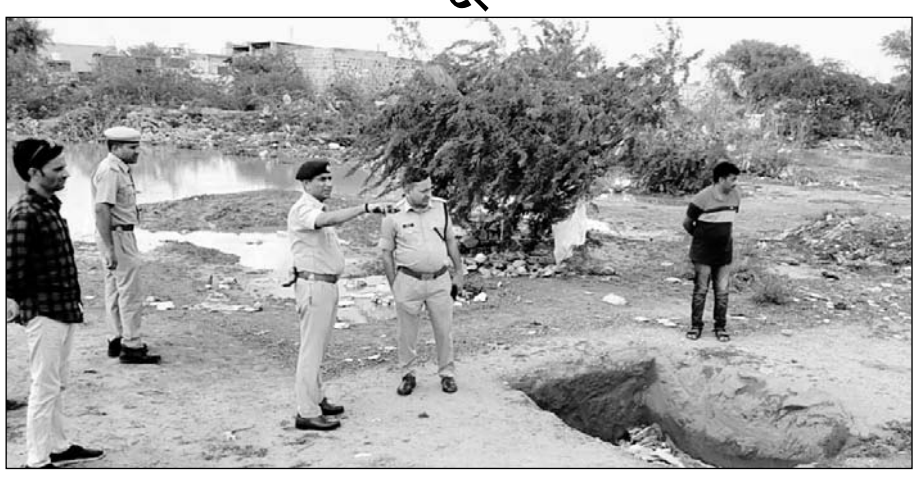

नागौर में घटना के बाद पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी जुटाई।

नागौर, (निसं)। शहर में शनिवार को स्टेडियम के पास बने पावर हाउस के सामने गड्ढों में जमा बारिश के पानी में डूबने से चार मासूम बच्चों की मौत हो गई। बच्चे स्टेडियम के सामने अस्थाई टेंट लगाकर रहने वाले साटियों की बस्ती के थे। सभी बच्चों की उम्र तीन से चार साल के बीच थी। बच्चे यहां खेलने चले आते थे। शनिवार को 3 साल का रामलाल, 3 साल की लिछमा, 4 साल का शिंभू और 3 साल की आरती खेलने के लिए आए थे। वे बारिश के जमा पानी में आगे बढ़े तो वहां चार से पांच फीट के गहरे गड्ढे में डूब गए।

■ शनिवार को स्टेडियम के पास बने गड्ढ़ों में मासूम डूब गए

घटना की सूचना थाना कोतवाली में दी गई। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच कर गड्ढे से बच्चों को निकालकर जिला राजकीय अस्पताल भिजवाया गया जहां डॉक्टर ने चारों को मृत घोषित कर दिया। जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने कहा कि जिला प्रशासन को घटना की संपूर्ण जानकारी दी गई है साथ ही मृतक मासूमों के परिवारों को उचित आर्थिक सहायता प्रदान भी की जाएगी। चारों मृतक बच्चों के शवों का राजकीय अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द किए गए है। घटना के बाद मौके पर कोहराम मच गया। कोतवाली थानाधिकारी बृजेन्द्र सिंह ने बताया कि रामलाल पुत्र पप्पूराम उम्र तीन वर्ष निवासी कुचेरा, लिछमा पुत्री नाथूराम उम्र तीन वर्ष निवासी लूणसरा, शिम्भूराम पुत्र बाबूलाल उम्र 4 वर्ष निवासी लूणसरा व आरती पुत्री मोहनराम उम्र तीन वर्ष निवासी लूणसरा की पानी में डूबने से मौत हुई है। बच्चों के परिजन तंबू लगाकर रहते हैं। ये लोग घुमक्कड़ हैं और नमक बेचकर या छोटा-मोटा रोजगार कर अपना जीवन बिताते हैं। रामलाल लिछमा, शिंभू और आरती यहीं खेल रहे थे।

मां चीखती रही, बेटा लाठियां बरसाता रहा

श्रीगंगानग। बेटा अपनी बूढ़ी मां पर लाठियां बरसाता रहा और लोग तमाशबीन बने रहे। पेट और पीठ पर तोबड़तोड़ वार से मां जमीन पर गिर पड़ी। वह चिल्लाती रही, चीखती रही। फिर भी बेटे का दिल नहीं पसीजा। काफी देर बाद कुछ लोगों ने हिम्मत जुटाई और बेटे का विरोध किया। पूरा मामला श्रीगंगानगर से करीब 200किमी दूर रावला इलाके का है। मारपीट का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने बेटे को गिरफ्तार किया है।

गांव सात के एंड डी के रहने वाले सोहन लाल नायक ने अपने बेटे सुभाष नायक (32) के खिलाफ रावला थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि सुभाष शराब के नशे में घर आया था। चार महीने से उसकी पत्नी मायके गई हुई है। सुभाष अपनी पत्नी से भी मारपीट करता था। अपनी पत्नी को वापस लाने की बात पर मां विद्या देवी (50) से झगड़ा करने लगा। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग आ गए। जांच अधिकारी यशपाल सिंह ने बताया कि नशे में सुभाष ने मां को पीटना शुरू कर दिया। इससे पहले पत्नी के मायके जाने को लेकर कुछ झगड़ा हुआ था। लेकिन मां क्या चाहती थी या बेटा क्या चाहता था। ये फिलहाल सामने नहीं आया है। युवक को शुक्रवार को राउंड अप किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। मारपीट का किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। सुभाष अपनी मां विद्या देवी पर लाठियां बरसाता हुआ दिख रहा है। चारों तरफ लोग खड़े हैं, पर कोई मां को बचाने आगे नहीं आ रहा है। काफी देर बाद कुछ लोग जरूर आगे आए और बेटे से मां को बचाया। सोहन लाल का परिवार खेतीबाड़ी पर निर्भर है। बेटा अक्सर शराब पीकर आता है और घर में विवाद करता है।

यूपी के ईंट भट्टा मजदूरों से काम कराने के बाद भुगतान के नाम पर दिखाया ठेंगा

प्रशासन ने हस्तक्षेप कर मजदूरी दिलाई

यूपी के संगठन के विरोध में उतरने पर एसडीएम ने मजदूरों को भुगतान करवाया।

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा के गांव भांकरी में कल्या की ढाणी में संचालित चौधरी ईंट भट्टा के मालिक द्वारा उत्तर प्रदेश से आये मजदूरों से काम करवाकर 4 माह बाद उनकी मजदूरी की बकाया राशि देने से मना कर दिया और मजदूरों को ईंट भट्टा से डरा धमकाकर भगा दिया।

जिसमें मजदूर हंसराज, संजय कुमार, राजू गोतम, जीतराम, संगम, रामनरेश, राममूरत और अमरजीत सभी अनुसुचित जनजाति के हैं तथा उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले से आते हैं। सभी मजदूर युवाओं ने असंगठित मजदूर मोर्चा (उत्तर प्रदेश)के राष्ट्रीय अध्यक्ष दल सिंगार को आपबीती बताई तो उन्होंने राज्य सरकार व जिला कलेक्टर सहित श्रम विभाग के संभागीय आयुक्त तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पुलिस अधीक्षक को शिकायत दर्ज कराई।

■ मजदूरों ने असंगठित मजदूर मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को आप बीती बताई

■ राज्य सरकार, संभागीय आयुक्त, मानवाधिकार आयोग, कलेक्टर, एसपी को शिकायत दर्ज कराई

जिस पर जयपुर जिला कलेक्टर प्रकाश राज पुरोहित ने उपखण्ड अधिकारी पावटा राजवीर सिंह, एसपी जयपुर ग्रामीण मनीष अग्रवाल व श्रम आयुक्त को शीघ्र कार्यवाही करने के लिए 7 जुलाई 2022 को आदेश को जारी किये। ।

पावटा उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह यादव ने सख्त कदम उठाते हुए चौधरी ईंट भट्टा मालिक को बुलाया। मालिक से मजदूरों का हिसाब के बकाया एक लाख रुपए दिलाए। पावटा उपखंड कार्यालय पर उपस्थित होकर चौधरी ईंट भट्टा मालिक ने मजदूरों का बकाया भुगतान किया।

पानी के बहाव के साथ खारी नदी में बही बोलेरो

जालोर, (कासं)। जालोर के निकट बागरा में खारी नदी में शुक्रवार देर रात्रि पानी के तेज बहाव के साथ एक बोलेरो के बहने पर बागरा पुलिस व ग्रामीणों ने दो लोगों को नदी से सुरक्षित बाहर निकाला।

जालोर में शुक्रवार को एक बोलेरो चालक ने लापरवाही पूर्वक नदी में पानी का बहाव तेज होने के उपरान्त वाहन को नदी से निकालने का प्रयास किया। उस दौरान खारी नदी की रपट से निकलते समय बोलेरो गाडी बह गई। पुलिस थाना बागरा ने खारी नदी की रपट में बही बोलेरो में सवार दो व्यक्तियों व वाहन को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला। एसपी हर्षवर्धन अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार रात्रि को करीब 11.50 बजे जरिए दूरभाष सूचना मिली कि ग्राम चांदणा व भेटाला के मध्य खारी नदी की रपट पर बोलेरो गाड़ी नदी में बह गई है। वहीं उक्त गाड़ी में दो व्यक्ति सवार है , जो गाड़ी के ऊपर खड़े है तथा नदी के बीच फंसे हुए है। इस सूचना पर बागरा थानाधिकारी मय टीम ने ग्रामीणों की सहायता से नदी में पानी के बीच फंसे बारलावास निवासी श्रवणकुमार पुत्र वागाराम व सियाणा निवासी उत्तमकुमार पुत्र पदमाराम जातियान सरगरा को रस्सी की सहायता से सुरक्षित बाहर निकाला तथा पानी में नदी के बीच फंसे वाहन बोलेरो को ट्रेक्टर की सहायता से पानी से बाहर निकाला गया। रपट पर वाहनों का आवागमन पूर्णतया बन्द है।

■ नदी में फंसे दोनों व्यक्ति गाड़ी के ऊपर खड़े हो गए

अश्लील वीडियो बनाकर दी धमकी, पीड़िता के पिता ने दर्ज कराया मामला

नोखा। नाबालिग को डरा धमका कर उसके साथ बलात्कार करने का मामला नोखा थाने में दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक पीडिता के पिता ने रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी के स्कूल आने-जाने के दौरान दो युवक उसका पीछा करते थे।

इस दौरान दोनों ने बहला फुसलाकर उसे मोबाइल फोन दे दिया और इसके बाद वे उसे फोन पर धमकाने लगे। जनवरी में उसकी बेटी घर के बाहर खड़ी थी, तो श्याम राव और कैलाश आए और उसे कुछ टेबलेट देते हुए कहा कि रात को यह टेबलेट दूध में मिलाकर अपनी मां को दे देना। ऐसा नहीं किया तो उसे जान से मार देंगे। इस पर लड़की ने डर के मारे वह टेबलेट दूध में मिलाकर अपनी मां को दे दी।

इसके बाद श्याम राव उसके घर आ गया और लड़की के साथ बलात्कार कर उसका अश्लील वीडियो बना लिया। आरोपी ने जाते समय धमकी दी कि इस बारे में किसी को बताने पर उसे जान से मार देंगे। इसके पांच दिन बाद फिर से यही घटना वापस दोहराई गई और आरोपी श्याम राव और कैलाश ने उसके साथ बलात्कार किया। बाद में दोनों आरोपियों ने कई बार उसकी बेटी के साथ बलात्कार किया।

इस दौरान जब 9 जुलाई को उसकी पुत्री स्कूल से घर वापस आ रही थी तो फिर दोनों आरोपियों ने उसे धमकाया। जिसकी वजह से उसकी बेटी डरी सहमी रहने लग गई। जब मां ने उससे पूछा तो उसने आपबीती बताई। जिसके बाद पीडित के पिता ने नोखा थाने में मामला दर्ज कराया। मामले की जांच सीओ भवानी सिंह इन्दा कर रहे है।

आपत्तिजनक पोस्ट डालने पर दो गिरफ़्तार

बीदासर, (निसं)। धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ और सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने को लेकर स्थानीय पुलिस थाने मे शुक्रवार की देर शाम दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ। पुलिस के अनुसार विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष प्रह्लाद सिंह राजपुरोहित ने ढिगारिया पालास निवासी अमरचंद कडेला और मनोज अंबेडकर नामक दो युवकों के खिलाफ सोशल मीडिया पर धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ करने और फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट करने को लेकर मामला दर्ज करवाया है। मामले की जाँच एएसआई रतनलाल लुहार करेंगे।

उदयपुर के दो व्यापारियों को 'सर तन से जुदा' करने की धमकी मिली

उदयपुर, (निस)। शहर में गत दिनों कन्हैयालाल की हुई निर्मम हत्या के बाद शनिवार को शहर के दो व्यापारियों को 'सर तन से जुदा' करने की धमकी मिलने से फिर सनसनी फैल गई। हालांकि पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए दोनों ही व्यापारियों को पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई है।

धानमण्डी क्षेत्र के दो व्यापारियों के वाट्सएप पर 'सर तन से जुदा' करने की धमकी दी गई है। शहर के एक व्यापारी को शुक्रवार शाम व दूसरे व्यापारी को शनिवार सुबह यह धमकी मिलने के बाद दोनों ही व्यापारियों ने थाने पहुंच इसकी रिपोर्ट दी।

■ पुलिस ने सुरक्षा मुहैया कराई

जिला पुलिस अधीक्षक विकास कुमार शर्मा ने दोनों व्यापारियों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई और सुरक्षा के लिए दोनों की ही दुकान व घरों के बाहर पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दोनों को वाट्सएप पर एक समान धमकी मिली है। प्रारंभिक अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर कॉल विदेश से आने की जानकारी सामने आई है। पुलिस की साईबर सेल टीम इस मामले की तकनीकी अनुसंधान में जुटी है।

ज्ञातव्य है कि गत दिनों इसी तरह धमकी मिलने के बाद शहर के मालदास स्ट्रीट में स्थित एक टेलर कन्हैयालाल की निर्मम हत्या कर दी गई थी। मामले के मुख्य आरोपी रियाज और गौस मोहम्मद को पुलिस ने तीन घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन इसके बाद शहर में तनावपूर्ण स्थिति हो गई थी और करीब पांच दिन तक इंटरनेट बंदी भी की गई थी।

तेज बारिश से सड़कों पर बहा पानी

निवाई में तेज बारिश के बाद सड़कों पर बहता पानी।

निवाई, (निसं)। शनिवार को सुबह से दोपहर तक मौसम साफ रहा लेकिन दोपहर बाद मौसम में बदलाव शुरू हुआ और आकाश में पानी से भरे काले बादल छा गए। कुछ देर बाद ही तेज गर्जना व चमकती बिजली के बीच बूंदाबांदी शुरू हुई। करीब दो बजे बादलों की तेज गर्जना के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। आधा घण्टा तेज बारिश होने से सडकों पर पानी बहने लगा। यहां मानसून की शुरूआत के बाद अभी तक भी मूसलाधार बारिश नहीं हुई है जिससे सभी जल स्त्रोत खाली पडे हैं। हालांकि समय-समय पर बरसात होती रहने से फसलों को फायदा मिल रहा है।

तेज मेघ गर्जना के साथ राजगढ़ में अच्छी बारिश

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ उपखंड क्षेत्र के हरियाणा सीमावृति गाँवों में शुक्रवार 5.30० बजे अचानक तेज मेघ गर्जना के साथ जमकर अच्छी बारिश हुई एवं शनिवार अलसुबह भी बादलों एवं उमस के प्रकोप के उपरांत दोपहर 2.15 बजे आसमान में काली घनघोर घटाओं के साथ अच्छी वर्षा हुई। इस दौरान खैरु बडी, खैरू छोटी, बीराण, कामाण, भोजाण, जीराम बास व भाकरां सहित तहसील क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के गाँवो में कही हल्की तो कहीं मध्यम तथा रिमझिम तथा अच्छी बारिश हुई। समाचार लिखे जाने तक वर्षा का दौर रुक-रुक कर जारी रहा।

करौली में झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहावना

करौली (निसं.) जिला मुख्यालय पर शनिवार की शाम आई बारिश से मौसम सुहावना हो गया वहीं सड़कों पर पानी बह निकला। बीते कई दिनों से करौली शहर भीषण गर्मी की मार झेल रहा था लोग बार-बार बारिश आने की चर्चाएं करते देखे जा रहे थे। शनिवार को शाम 5 बजे से ही अचानक मौसम ने पलटा खाया और आकाश में घने काले बादल छा गए थोड़ी देर में बूंदाबांदी का दौर शुरू हुआ जो झमाझम बारिश में बदल गया। करीब आधे घंटे तक पडी तेज बारिश से सड़कों पर पानी बह निकला और लोगों ने बारिश के पानी में भीग कर मौसम का लुफ्त उठाया।

धामणियां की खाप पंचायत ने दलित परिवार को गांव से बहिष्कृत किया

हुक्का-पानी, राशन बंद कर अवहेलना करने पर 11 हजार का जुर्माना लगाने का फैसला सुनाया

मांडलगढ़ , (निसं)। मांडलगढ़ उपखंड के धामनिया गांव में ग्रामीणों की एक खाप पंचायत ने दलित परिवार को तुगलकी फरमान सुनाया है और पंचायत के फरमान की अवहेलना करने पर 11 हजार रुपए का जुर्माना करने का नियम लागू किया है। ग्रामीणों ने दलित परिवार को गांव से बहिष्कृत कर उसका हुक्का-पानी एवं राशन तक बंद कर दिया। ऐसे में अब पीड़ित परिवार ने पुलिस ओर प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

धामनिया गांव की दलित परिवार की पीड़ित महिला कौशल्या देवी ने बताया कि 11 जुलाई को गांव की खाप पंचायत बुलाई गई। जिसमें महिला के पुत्र सोजीराम पर गांव के एक शख्स शंकर सिंह के मकान से ट्रैक्टर चोरी का इल्जाम लगाया। ग्रामीणों और ट्रैक्टर मालिक ने सोजीराम को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस दौरान गांव के ही प्रभुनाथ के साथ 4-5 व्यक्ति महिला के पति मांगी लाल को खाप पंचायत में बुलाकर ले गए और कुछ कागजों पर दस्तखत कराए। खाप पंचायत के पंचों ने उसका मृत मवेशियों के शव उठाने का काम बंद करने का फरमान सुनाया । दूसरे दिन गांव के एक दबंग व्यक्ति ने फिर खाप पंचायत बुलाई और कौशल्या देवी के परिवार का सामूहिक बहिष्कार करने का फरमान गांव वालों को सुनाया गया। जिसमें बाजार की दुकानों से राशन, हुक्का-पानी बन्द करने और होटलों से चाय नहीं देने का फैसला किया तथा कोई भी व्यक्ति उक्त परिवार से सम्बन्ध रखते पाए जाने पर 11 हजार रुपए अर्थ दण्ड नियत किया।

मांडलगढ़ के धामनिया गांव की पीड़ित दलित महिलाओं ने एसडीएम से न्याय की गुहार लगाई।

पीड़ित परिवार को फैसले के बाद गांव में उसे कोई मजदूरी पर भी नहीं बुलाता और न ही उनके घर पर मिलने के लिए कोई आता है। गांव के ही एक पड़ोसी व्यक्ति के खेत पर मांगी लाल द्वारा उगाई गई फसल भी दबंगों ने छीन ली । पीड़ित महिला कौशल्या देवी ने कहा कि उसके बेटे को ट्रैक्टर चोरी के आरोप में काछोला पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। उसकी सजा परिवार को क्यूं दी जा रही है।

कौशल्या देवी की बहू गिरिजा देवी का कहना कि वह मोहल्ले की सरकारी टंकी पर पानी भरने गई तो मोहल्लावासियों ने उसे पानी भरने से रोक दिया। पीड़ित परिवार अन्य गांव के रिश्तेदार से राशन सामग्री मंगवा कर काम चला रहा है। जब मांगी लाल ने ग्राम पंचायत के सरपंच से इस बारे में मौखिक शिकायत की तो सरपंच ने इस मामले को सुलझाने का आश्वासन दिया था। लेकिन जब 4 दिन तक कोई सुनवाई नहीं हुई तो पीड़ित महिला ने मांडलगढ़ उपखण्ड अधिकारी नेहा छीपा और पुलिस उप अधीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह से न्याय की गुहार लगाई हैं

■ महिला के पुत्र सोजीराम पर गांव के एक शख्स के मकान से ट्रैक्टर चोरी का आरोप था

■ पीड़ित परिवार की गुहार पर एसडीएम ने जांच के निर्देश दिये

इस मामले को गम्भीरता से लेते हुए मांडलगढ़ की एसडीएम नेहा छीपा ने काछोला थानाधिकारी को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं तहसीलदार नारायण प्रसाद शर्मा को मौक़े पर हालात का जायजा लेने के निर्देश दिए हैं। उक्त मामले सामने आने पर काछोला थानाधिकारी दिलीप सिंह द्वारा जांच कर कार्रवाई की जा रही हैं।

संक्षिप्त

विद्यालय में हुईं कई प्रतियोगिताएं

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चान्दसेन में शनिवार को राज्य सरकार के निर्देशानुसार बच्चों के स्वांगीण विकास को लेकर विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापक किशन लाल टेलर के निर्देशों पर कार्यक्रम प्रभारी नेहा शर्मा की देखरेख में मेहन्दी, पोस्टर, रंगोली, निबन्ध, क्रीडा प्रतियोगिता आयोजित की गई। शारीरिक शिक्षक जयमाला शर्मा के नेतृत्व में बच्चों ने विद्यालय के खेल मैदान में शारीरिक श्रम कर हरित पाठशाला कार्यक्रम के अन्तर्गत ईको क्लब प्रभारी अब्दुल लतीफ के सानिध्य में विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम कर परिसर मे गार्डन विकसित किये जाने का शुभारम्भ किया।

पैट्रोल चोर को पुलिस के सुपुर्द किया

मालपुरा, (निसं)। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालपुरा परिसर में खड़ी मोटरसाईकिलों से पैट्रोल चोरी करते युवक को अस्पताल के गार्ड ने रंगे हाथों पकड़ थाना पुलिस को सुपुर्द किया। गार्ड मुकेश कुमार ने बताया कि एक युवक शुक्रवार की रात को अस्पताल परिसर में खड़ी मोटरसाईकिल से पैट्रोल निकाल रहा था तथा अन्य मोटरसाईकिलों की रैकी कर रहा था। जिस पर हुए संदेह के आधार पर युवक पर नजर रखी तो शातिराना अंदाज में युवक पैट्रोल चोरी करता पकडा गया। गार्ड की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस को पैट्रोल चोर सुपुर्द किया गया। जिसकी शिनाख्त टोरडी निवासी सोहेब के रूप में की गई।

पुलिस की मौजूदगी में बांटा खाद

थानागाजी, (निसं)। कस्बे में जयपुर रोड पर स्थित सैनी खाद बीज भंडार के यहां 440 बैग श्रीराम यूरिया खाद बांटने के लिए किसानों की भीड अधिक होने से पुलिस की मौजूदगी में वितरित किया गया। दुकान मालिक मुकेश कुमार ने बताया की प्रति आधार कार्ड के हिसाब से एक बैग यूरिया का दिया जा रहा है। गौरतलब है कि इस समय बाजरा मक्का, ज्वार की फसलों में उत्पादन में वृद्धि हेतु किसान खाद का प्रयोग करते हैं।

पूर्व मंत्री ने सरपंच और तहसीलदार पर तहसील की जमीन में दुकान काटने का आरोप लगाया

नारायणपुर, (निसं)। पूर्व मंत्री डॉ.रोहिताश्व शर्मा शनिवार को बानसूर विधानसभा के उपखंड नारायणपुर के एक दिवसीय दौरे पर रहे।

पूर्व मंत्री डॉ.शर्मा ने नारायणपुर तहसील मुख्यालय पर पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि 25 लाख रूपये की लागत से पीडब्ल्यूडी द्वारा नारायणपुर तहसील कि चारदीवारी का निर्माण कार्य किया जा रहा है। पंचायत सरपंच ने अपने निजी हित को लेकर तहसील की चारदीवारी निर्माण कार्य को रुकवा दिया। पूर्व मंत्री ने बताया कि सरपंच और तहसीलदार ने षडयंत्र पूर्वक तरीके से बैक साइड में जमीन खरीद रखी है, जिसपर तहसील की सरकारी जमीन से रास्ता बनाकर दुकान काटने का आरोप लगाया है। उन्होंने नारायणपुर तहसील का यह मामला रामगढ तहसील जैसा बताया है। पूर्व मंत्री ने इस मामले में क्षेत्रीय विधायिका का भी सरपंच पर पूर्णरूप से आशीर्वाद होना बताया है। पूर्व मंत्री ने आन्दोलन की चेतावनी देते हुए जिला कलेक्टर से फोन पर बात करते हुए इस मामले में लिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

- पूर्व मंत्री डॉ.रोहिताश्व शर्मा ने प्रेस वार्ता कर यह आरोप लगाया

पूर्व मंत्री डॉ. रोहिताश शर्मा (बीच में) ने नारायणपुर तहसील की चारदीवारी के निर्माण कार्य की मौके पर पहुंचकर जानकारी ली।

सरपंच मन्नी देवी ने बताया कि लगाए गए आरोप बेबुनियाद व राजनीति से प्रेरित हैं। कोई अतिक्रमण नहीं किया जा रहा रोहिताश ने विधायक रहते तो कुछ किया नहीं अब नारायणपुर में विकास हो रहा हैं, जो इनको पच नहीं रहा। ठेकेदार द्वारा तहसील के साथ पंचायत की चारागाह भूमि पर भी निर्माण कार्य किया जा रहा था इसलिए काम बंद करवाया है। कोई भी अतिक्रमण नहीं किया जा रहा। वहां मेरा कोई प्लॉट या जमीन नहीं हैं। तहसीलदार रामचंद्र गुर्जर ने बताया कि पूर्व मंत्री द्वारा लगाए गये आरोप बेबुनियाद हैं। पीडब्ल्यूडी द्वारा तहसील की चारदीवारी निर्माण कार्य उनके निर्धारित मापदंडो के अनुसार किया जा रहा है। तहसील की जमीन पर ना तो किसी का अतिक्रमण हुआ है ना होने देंगे। इस दौरान उपसरपंच आकाश अग्रवाल, पार्षद पति मुकेश गोठवाल, हंसराज सैनी, राजू सैनी, सचिन सैनी, बलवीर यादव, राजू यादव आदि मौजूद रहे।

सवाई माधोपुर जिले का जिम्मा दिनेश एमएन को सौंपने की मांग

बौंली, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री एवं बौंली भाजपा के मंडल अध्यक्ष रामअवतार मीणा ने राज्यपाल को पत्र भेजकर सवाई माधोपुर जिले में बिगड़ती कानून व्यवस्था एवं आमजन को सुरक्षा प्रदान करने के लिए राजस्थान के जांबाज आईपीएस एसीबी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन को जिम्मा सौंपने की मांग की है।

पत्र में अंकित किया गया है कि पिछले 3 वर्षों से सवाई माधोपुर जिले में बढती आपराधिक घटनाओं हत्याकांड, चाकूबाजी, अपहरण, बलात्कार, चोरी, डकैती व लूटपाट की वारदातों से आमजन भयभीत एवं आक्रोशित हैं। अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है और यह असामाजिक तत्व जिले में अपना साम्राज्य बढाने में लगे हुए हैं इस कारण व्यापारी, किसान, गरीब, व आमजन भयंकर दुखी एवं परेशान है। शांतिप्रिय जिले में गैंगवार की घटनाएं कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बनती जा रही हैं।

वाहन चोरों का राज्य स्तरीय गिरोह लंबे समय से सक्रिय है और रोज वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। बजरी, शराब, व भूमाफिया आए दिन पुलिस व प्रशासन से दो-दो हाथ करते नजर आते हैं।

सार-समाचार

स्कूल हांसपुर में पौधारोपण किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। नो बैग डे शनिवार को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय हांसपुर में एसएमसी एसडीएमसी सदस्यों, अभिभावकों की उपस्थिति में विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। छात्र-छात्राओं की आशु भाषण, खेल, अंताक्षरी ,सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष मोहन सिंह शेखावत, पूर्व प्रधानाध्यक रामावतार वर्मा, समाजसेवी मालाराम जादूगर, रमेश चंद्र शर्मा, प्रकाश चंद्र शर्मा प्रकाश चंद सैनी,वार्ड पंच मदन लाल सैनी आदि ग्रामीण जन, स्टाफ सदस्य छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सिद्धिमा व इशिता ने नाम रोशन किया

पावटा, (निसं)। पावटा शहर की मेधावी छात्रा सिद्धिमा गोयल व इशिता गोयल ने प्रथम बार में ही चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा पास कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस सफलता पर तमाम लोग बधाई देने के लिए उनके घर पहुंचे। सिद्धिमा गोयल पुत्री बबलू गोयल व इशिता गोयल पुत्री जगदीश प्रसाद गोयल निवासी पावटा ने सीए बन कर परिवार का नाम रोशन किया है। सिद्धिमा गोयल व इशिता गोयल ने बताया कि माता-पिता गुरुजनों के आशीर्वाद एवं अथक प्रयास से यह सफलता प्राप्त की है। सीए बनने पर अग्रवाल समाज पावटा के अध्यक्ष महेश गोयल, सुशील चौधरी, वार्ड पार्षद विजय गुप्ता, महामंत्री नवीन गर्ग, उपाध्यक्ष सांवर बंसल, कोषाध्यक्ष गणेश मोदी, व्यापार मंडल प्रवक्ता संतोष गुप्ता, विक्की बंसल सहित क्षेत्रवासियों ने बधाई दी व उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भाजयुमो के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का स्वागत

श्रीमाधोपुर, (निसं)। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश निजी दौरे पर खाटुश्याम आये ओर श्याम बाबा के दर्शन किए, इस अवसर पर जयपुर-सीकर बॉर्डर स्थित श्री विनायक होटल पर भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने अभिनव प्रकाश का शानदार स्वागत किया। भाजयूमो के चन्द्र सैन नालोट ने बताया कि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश का भाजयूमो कार्यकर्ताओं ने फूल माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया और श्याम बाबा की तश्वीर भेंट की, अभिनव प्रकाश के साथ भाजयूमो के प्रदेश मंत्री विनोद सिंह, सोशल मीडिया प्रदेश सयोंजक मयूर वाल्मीकि भी साथ थे। स्वागत कार्यक्रम में किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष कर्मवीर घोसल्या, भाजयूमो के धर्मवीर गुर्जर, खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश सह सयोंजक आशुतोष कुमावत , सुरेन्द्र यादव सहित भाजयूमो के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साफ-सफाई कर मार्ग को स्वच्छ किया

फागी, (निसं)। भारत के प्रधानमंत्री मोदी के सपनों को पूरा करने एवं स्वच्छ भारत अभियान को गति देने के उद्देश्य को लेकर शनिवार सुबह 8 बजे से 10 बजे तक मान सोशल फ़ाउंडेशन व व्यापार मंडल के सानिध्य व नगर निगम ग्रेटर जयपुर के सहयोग से चेयरमैन फायर समिति एवं वार्ड 72 पार्षद पारस जैन के नेतृत्व में वार्ड 70 के पार्षद रामावतार गुप्ता के साथ मिलकर रजत पथ से किरण पथ तक के माध्यम मार्ग को स्वच्छ बनाने का बीड़ा उठाते हुए साफ सफाई का कार्य किया गया। नगर निगम ग्रेटर वार्ड 72 के पार्षद पारस जैन ने बताया कि सहयोग में फाउंडेशन व व्यापार मंडल की 60-70 लोगों ने मिलकर मध्यम मार्ग की रोड को दोनों तरफ से साफ़ किया तथा व्यापारियों को कचरा नहीं फैलाने का आग्रह किया।

विज्ञान संकाय खोलने की स्वीकृति

पावटा, (निसं)। विधायक इंद्राज गुर्जर की अनुशंसा पर विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के गांव बड नगर व भाबरु के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूलों में विज्ञान संकाय खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति मिलने पर विद्यालय स्टाफ सहित ग्रामीणों ने मिठाई बांटी। विधायक इंद्राज गुर्जर ने शिक्षा मंत्री बी डी कल्ला का आभार जताया। गांव बडनगर व भाबरु के ग्रामीणों ने विधाय इंद्राज गुर्जर का आभार व्यक्त किया। विधायक इंद्राज गुर्जर ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर शिक्षा मंत्री बी डी कल्ला से वार्ता कर उक्त स्कूलों में नए संकाय खोलने एवं विषय जोडने की मांग की गई थी। इसके बाद दोनों स्कूलों के लिए अब स्वीकृति मिली है।

3 घंटे बिजली रहेगी बंद

निवाई, (निसं)। रेलवे स्टेशन जीएसएस से निकलने वाले मायला बाग फीडर पर रविवार को मरम्मत कार्य किया जाएगा। विभाग के एईएन केसी माली ने बताया कि रविवार को शहर के मायला बाग फीडर पर सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक मरम्मत कार्य किया जाएगा। जिससे चौहटी बाजार, गणगौरी बाजार, मायला बाग सहित आस-पास के क्षेत्रों की बिजली 3 घंटे बंद रहेगी।

चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग

पावटा, (निसं)। ग्राम पंचायत लाडाकाबास में चारागाह की दस बीघा भूमि पर पूर्व जनप्रतिनिधि द्वारा जबरन किये अतिक्रमण को लेकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए सामाजिक कार्यकर्ता पूरण यादव ने बताया कि भू-माफिया पूर्व जनप्रतिनिधि द्वारा चारागाह भूमि पर व्यवसायिक गतिविधियां की जा रही हैं। ग्रामीणों ने 13 जून को जयपुर जिला कलेक्टर राजन विशाल के आदेशानुसार टीम गठित करके उक्त चारागाह भूमि का सीमाज्ञान करवाया गया था। जिसमें भू माफियाओं की मिलीभगत से गठित टीम ने गलत रिपोर्ट पेश की थी। पूर्व वार्ड पंच भींवाराम गुर्जर ने बताया कि हल्का पटवारी व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी के कारण भू-माफिया की मनमानी बढ़ रही है। यही नहीं धर्म कांटा सहित अन्य व्यवसायिक कामों को भी अंजाम दिया जा रहा है। जिसमें दुकानों का निर्माण भी किया जा रहा है। इसकी जब-जब भी ग्रामीण शिकायत करते हैं तो पटवारी भू माफिया को सूचना कर देता है। तब दो चार दिन काम बंद कर दिया जाता है। फिर वही गतिविधियां शुरू कर दी जाती है। तहसीलदार की अगुवाई में ग्रामीणों द्वारा वापस सीमाज्ञान करवाने की मांग की गई है। वही लाडाकाबास सरपंच सरोज यादव ने बताया कि मामले की जांच के लिए पावटा उपखंड अधिकारी को अवगत करवाया जा चुका है। यदि चारागाह भूमि पर इस प्रकार जबरन कब्जा है तो कार्य वाही की जायेगी।

शिविर में 55 पट्टे बांटे

निवाई, (निसं)। नगरपालिका के सामुदायिक भवन में शनिवार को आयोजित प्रशासन शहरों के संग शिविर में पालिकाध्यक्ष दिलीप ईसरानी व अधिशाषी अधिकारी महिमा डांगी ने 55 पट्टे बांटे। अधिशाषी अधिकारी ने बताया कि 18 व 19 जुलाई को वार्ड 5 एवं 6 के लिए अग्रवाल धर्मशाला में शिविर आयोजित किया जाएगा।

टोडारायसिंह एसडीएम ने स्कूलों का निरीक्षण किया

टोंक, (निसं)। जिले के टोडारायसिंह उपखण्ड अधिकारी रूबी अंसार ने शनिवार को कूकड़ व मोर ग्राम पंचायत में स्कूलों का निरीक्षण किया।

रतवाई, घरेडा, श्रीनगर, कूकड व मोर सभी पांचों स्कूलों में कक्षा पांचवीं तक के स्तर में शिक्षण व्यवस्था में खामियां पाई गई इसके लिए संबंधित पीईईओ व कक्षा अध्यापक को शिक्षण व्यवस्था में सुधार करने के कड़े निर्देश दिये। रतवाई स्कूल में पोषाहार में गुणवत्ता में कमी पाई गई जिसके लिए प्रधानाध्यापक को पोषाहार की गुणवत्ता में सुधार लाने की हिदायत दी गई। वहीं कूकड व मोर के विद्यालय परिसर में पानी व कीचड़ फैला मिला इसके लिए प्रधानाचार्य व संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच को पानी की निकासी के लिए उचित प्रावधान करने के निर्देश प्रदान किए गए। इसी प्रकार निरीक्षण के दौरान नो बैग डे के दिन विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की खेलकूद गतिविधियां करवाने के दिशा निर्देश प्रदान किए गए। मिशन प्रेरणा के तहत किए गए हाउसहोल्ड सर्वे में चिन्हित बच्चों का शतप्रतिशत नामांकन किए जाने व घर-घर जाकर समझाइश करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजेंद्र प्रसाद शर्मा, पीईईओ सुरेश चंद शर्मा, उपखण्ड कार्यालय कनिष्ठ सहायक सुरेश कुमार यादव साथ रहे।

टोडारायसिंह उपखण्ड अधिकारी रूबी अंसार (दाएं से दूसरे) ने कूकड व मोर ग्राम पंचायत में स्कूलों का निरीक्षण किया।

निवाई के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में शनिवार को प्रधानाचार्य रामचरण मीणा के सानिध्य में 'नो बैग डे' मनाया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार की खेल गतिविधियां एवं सांस्कृतिक गतिविधियां एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम का संचालन पीटीआई सुनीता चौधरी ने किया। इस अवसर पर शीला मीणा, अंकिता मीणा, हंसराज, गिरिराज शर्मा, रामकेश गुर्जर, उमा वैष्णव, मंजू मीणा, सुनीता मीणा, संतरा बैरवा, सीमा मीणा, दीपक सेन, सत्येंद्र राजावत, उर्वशी शर्मा, विजयलक्ष्मी शर्मा, गोपीकृष्ण पारीक सहित कई छात्राएं मौजूद थे।

विद्यालय में पुनः खुला विज्ञान संकाय

निवाई, (निसं)। विधायक प्रशांत बैरवा ने अपने पैतृक गांव झिलाय के विद्यार्थियों को काफी समय के इंतजार के बाद विज्ञान संकाय की सौगात देने पर ग्रामीणों ने गांव के लाडले का आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने शनिवार को एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बस स्टैंड पर पटाखे फोडकर खुशी जताई। ग्रामीणों ने बताया कि झिलाय विद्यालय से 27 वर्ष पूर्व विज्ञान संकाय को बंद कर दिया था।

इस वजह से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को मजबूरन दूसरा सब्जेक्ट लेने पर विवश होना पड रहा था। ग्रामीणों की विधायक से लगातार मांग के बाद मिले आश्वासन में इस मांग को जल्दी पूरा करने की बात कही गई थी । लंबे समय के इंतजार के बाद शुक्रवार को शिक्षा विभाग से आदेश आने के बाद ग्रामीणों व विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड गई ।

चिकित्सा मंत्री 13 उप स्वास्थ्य केन्द्रों का शिलान्यास करेंगे

लालसोट, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र में चिकित्सा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा द्वारा करीब 13 उप स्वास्थ्य केंद्रों के बनने वाले नए भवनों का शिलान्यास रविवार को पंचायत समिति सभागार में किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के जनसंपर्क अधिकारी रामसिंह मीणा एवं मंत्री मीणा के निजी सहायक श्याम सिंह मीणा ने बताया कि लालसोट विधानसभा क्षेत्र में 533 लाख रुपए की लागत से 13 उप स्वास्थ्य केंद्रों के आधुनिक भवन बनाए जाएंगे। लगभग 41 लाख की लागत से एक सब सैंटर बनकर पूरी तरह तैयार होगा। वहीं 13 उप स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण पर लगभग 533 लाख रूपए खर्च होने पर क्षेत्र की आधारभूत चिकित्सा सुविधाओ को मजबूती मिलेगी। इसी तरह लालसोट विधानसभा क्षेत्र के जगनेर तुरकान एवं कुशलपुरा व लाडपुरा और लखनपुर सहित गोपालपुरा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय को सीधे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत किया गया है। वही तलाव गांव ग्राम पंचायत में लालसोट की शिक्षा को अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में परिवर्तित किए गए हैं। इसे लेकर चिकित्सा मंत्री प्रसाद लाल मीणा ने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन तैयार होने से स्थानीय स्तर पर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी।

पौधारोपण किया

टोंक, (निसं)। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी की अध्यक्षता में एक लाख पौधे लगाने के कार्यक्रम के तहत शनिवार को कैप्टन कॉलोनी छावनी में बीट प्रभारी प्रदीप कुमार साहू के नेतृत्व में पुलिस के जवानों ने 25 पौधारोपण किए।

सचिन पायलट का आभार जताया

टोंक, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा पूर्व उपमुख्यमंत्री टोंक विधायक सचिन पायलट के अथक प्रयासों से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरोनी तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डारडाहिन्द में उच्च माध्यमिक स्तर पर विज्ञान संकाय स्वीकृत किये गये हैं। कांग्रेस के प्रवक्ता जर्रार खान ने बताया कि बरोनी तथा डारडाहिन्द पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों की काफी समय से विज्ञान संकाय खोलने की मांग कर रहे थे। उन्हें विज्ञान संकाय में पढ़ने के लिए बच्चों को बहुत दूर भेजना पड़ता था तथा आर्थिक रूप से भी परेशानी का सामना करना पड़ता था। सचिन पायलट के प्रयासों से दोनों स्कूलों को विज्ञान संकाय स्वीकृत किये गये हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अलावा कांग्रेस नेता सऊद सईदी, प्रधान सुनिता फागणा, सभापति अली अहमद, सरपंच संघ के हंसराज फागणा, देहात ब्लॉक अध्यक्ष रामसिंह मुकुल, रामलाल संडीला बरोनी सरपंच मनभर देवी गुर्जर, सरपंच कृष्णा चौधरी, हंसराज गाता, शिवजीराम मीणा, आजाद सिंह दादिया, गोपाल बैरवा, प्रभू बैरवा, सुरेश भील के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सचिन पायलट का आभार व्यक्त किया है।

बहरोड़ से तसींग मार्ग पर अतिक्रमण दे रहा हादसों को न्यौता

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। अलवर जिले की बहरोड़ तहसील के स्टेट हाईवे 111 बहरोड़ से तसींग रोड पर मुंडिया खेड़ा से आगे लाखा की ढाणी के कुछ ग्रामीण लोगों ने रोड के दोनों तरफ कब्जा कर मात्र 10 फीट रोड छोड़ रखा है। जिसकी वजह से पूरा रोड गहरे गड्ढे में तब्दील हो गया है वहीं रोज आने जाने वाले अन्य गांवों के छात्र-छात्राएं, शिक्षक शिक्षिकाएं तथा बुजुर्ग सहित काफी लोग गहरे गड्ढे में पानी का भारी भराव तथा मोटे पत्थर डूबे होने की वजह से गिरकर चोटिल हो चुके हैं।

- लाखा की ढाणी के कुछ लोगों ने रोड के दोनों तरफ कब्जा कर मात्र 10 फीट रोड छोड़ रखा है

स्टेट हाईवे नंबर 111 से गुजरने वाले लोगों ने बताया कि उक्त मामले में बहरोड़ पंचायत समिति में उपखंड अधिकारी के समक्ष अवगत कराया गया है कि उन्होंने राजस्थान सरकार के संपर्क पोर्टल पर भी काफी बार शिकायत दर्ज करवाई जा चुकी है परंतु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

उक्त मामले में ब्रज गोपाल कंस्ट्रक्शन कंपनी के गोवर्धन लाल से बात करने पर बताया कि उक्त समस्या से निजात दिलाने के लिए सदैव तत्पर हैं जो भी सहयोग करने की आवश्यकता पडेगी हम पूरा सहयोग करेंगे।

बहरोड़ उपखंड अधिकारी सचिन यादव ने बताया कि उक्त मामला उनके संज्ञान में नहीं आया था और उक्त समस्या से तुरंत प्रभाव से जल्द ही निजात दिलाकर अवैध अतिक्रमण को हटाया जाएगा तथा स्टेट हाईवे संख्या 111 पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

स्टेट हाईवे 111 बहरोड़ से तसींग रोड पर मुंडिया खेड़ा से आगे लाखा की ढाणी के कुछ ग्रामीण लोगों ने सड़क के दोनों तरफ कब्जा कर मात्र 10 फीट रोड छोड़ रखा है।

प्रसूता वार्ड निर्माण में घटिया सामग्री लगाने का आरोप

गोविंदगढ़/अलवर, (निसं)। राजकीय स्वास्थ्य केंद्र गोविंदगड़ में प्रसूता वार्ड (जिसकी लंबाई करीब 80 फीट और चौड़ाई 20 फीट है) भवन निर्माण का कार्य चल रहा है। जोकि ठेकेदार द्वारा इस भवन निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है कई बार ठेकेदार को गोविंदगढ़ के कुछ नागरिकों द्वारा भवन में घटिया सामग्री का उपयोग नहीं करने को कहा परंतु कनिष्ठ अभियंता संजय वर्मा की मेहरबानी के कारण ठेकेदार के हौंसले इतने बुलंद हैं कि उसने किसी की बात पर ध्यान देना उचित नहीं समझा और लगातार घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है।

ई. सी. आर. पी. योजना के तहत भवन के लिए 35 लाख रुपए स्वीकृत हुए हैं। इस संबंध में जब विभाग के कनिष्ठ अभियंता से दूरभाष के जरिए बात करनी चाही तो उन्होंने फोन उठाना उचित नहीं समझा जिससे साफ जाहिर होता है कनिष्ठ अभियंता संजय वर्मा की मिलीभगत के कारण ठेकेदार अपनी मनमानी कर रहा है। जब शाम को कनिष्ठ अभियंता संजय वर्मा द्वारा दूरभाष के जरिए वार्तालाप की गई ठेकेदार का पक्ष लेते हुए नजर आ रहे थे।

गुढा साल्ट रिफाइनरी अग्निकांड में झुलसे युवक की मौत

सांभरझील, (निसं)। सांभर साल्ट्स लिमिटेड की गुढा स्थित रिफाइनरी में विगत पांच रोज पहले शार्ट सर्किट से लगी आग में झुलसे तीन लोगों में से एक युवक ने जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में इलाज के दौरान शुक्रवार की देर रात दम तोड़ दिया।

- सांभर साल्ट के अधिकारियों के खिलाफ लोगों का फूटा गुस्सा
- मृतक के पुत्र को नौकरी देने की बनी लिखित सहमति

बताया जा रहा है कि मृतक इशाक मोहम्मद इसी गांव का रहने वाला था। यहां के लोगों को जैसे ही इसकी जानकारी मिली तो लोगों का सांभर साल्ट के अधिकारियों के खिलाफ गुस्सा फूट पडा वहीं मृतक के परिवार पर भी गमों का पहाड़ टूट पड़ा, क्योंकि परिवार में वह अकेला कमाने वाला था। मृतक की पत्नी की भी 2 साल पहले कैंसर से मौत हो गई थी और उसके तीन छोटे बच्चे हैं। बताया गया कि रिफाइनरी में बॉयलर की पाइप लाइन लीकेज थी जिसकी लंबे समय से मरम्मत नहीं करवायी गई थी वहां पर ठेके पर काम करने वाले इन मजदूरों से बेल्डिंग का काम करवाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान शॉर्ट सर्किट से इस परिसर में आग लग गई और काम कर रहे तीन लोग झुलस गए।

मृतक के परिजनों की ओर से सांभर साल्ट की कंपनी के खिलाफ नावा थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। परिजनों की ओर से आरोप लगाया गया है कि अधिकारियों ने अपना दोष छुपाने के लिए तथा साक्ष्य सबूत नष्ट करने के लिए घटनास्थल पर नमक डाल दिया गया। इधर ईशाक की मौत के बाद काफी तादाद में ग्रामीण एकत्रित हो गए और रिफाइनरी गेट पर ताला लगाकर वहीं धरने पर बैठ गए। लोगों ने नारेबाजी की तथा प्रदर्शन कर मृतक के पुत्र को नौकरी व 20 लाख मुआवजा देने की मांग रखी। सूचना पर क्षेत्र के पुलिस व प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इधर सांभर साल्ट की ओर से एक लिखित सहमति के आधार पर मृतक के पुत्र को सांभर साल्ट में 240 दिन पूर्ण होने पर इसकी स्थाई नियुक्ति के लिए प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भिजवाने का आश्वासन दिया गया तथा इसके अलावा परिवार की ओर से अन्य मांगे पर अब आगे कोई कार्रवाई नहीं किए जाने की सहमति बनी।

"ऐसा नहीं है कि भारतीय टीम पिछले पांच से छह वर्षों में विराट के बिना नहीं खेली है लेकिन मैं चाहता हूं कि ऐसा खिलाडी फॉर्म में वापसी करे। उन्हें 'ड्राप' (टीम से बाहर) किया गया हो या फिर 'आराम' दिया गया हो, लेकिन उनमें अभी काफी क्रिकेट बचा है।" -कपिल देव

पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान, विराट कोहली की परर्मेन्स को लेकर

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जेहान दारुवाला

भारतीय रेसर जेहान दारुवाला अगले सप्ताह पुर्तगाल में पोर्टिमाओ ट्रैक पर पूर्व चैंपियन मैक्लारेन के साथ दो दिन के अपने दूसरे फार्मूला वन टेस्ट में हिस्सा लेंगे। ये टेस्ट 18 और 19 जुलाई को होंगे जिसमें जेहान एक बार फिर 2021 की रेस विजेता एमसीएल 35 एम को ड्राइव करेंगे। यह इंडिकार स्टार कोल्टोन हर्ता और मैक्लारेन टेस्ट एंड डेवलपमेंट ड्राइवर विल स्टीवंस के इस सप्ताह कार को दौडाने के कुछ समय बाद ही होगा। जेहान ने पिछले महीने ब्रिटिश टीम के साथ अपने पहले फार्मूला वन टेस्ट मुकाबले के दौरान सिल्वरस्टोन पर 130 लैप पूरे किये थे।

क्या आप जानते हैं ?... भारत के अनिल कुंबले ने आस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलते हुए अपने 600 टैस्ट विकेट पूरे किए। उन्होंने एन्ड्रयू साइमंड्स को अपना छह सौंवा शिकार बनाया था और यह उपलब्धि 12 वे टैस्ट में मिली (पर्थ)।

निर्णायक जंग से होगा सीरीज का फैसला

भारत इंग्लैंड में तीसरा एकदिवसीय आज

मैनचेस्टर, 16 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच रविवार को होने वाले तीसरे और निर्णायक वनडे से दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज का फैसला होगा। भारत पहला वनडे और इंग्लैंड दूसरा वनडे जीतकर सीरीज में 1-1 की बराबरी पर है। तीसरा वनडे मैनचेस्टर में खेला जाना है जो सीरीज का फैसला करेगा।

भारत ने पहला वनडे जसप्रीत बुमराह के 19 रन पर छह विकेट के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बदौलत जीता था जबकि इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में दूसरे मैच में पलटवार करते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रीस टॉप्ली के 24 रन पर छह विकेट के घातक प्रदर्शन की बदौलत भारत को 100 रन के बडे अंतर से शिकस्त दी।

दिलचस्प बात है कि दूसरे वनडे में हार के प्रदर्शन के बावजूद विराट कोहली के सस्ते में आउट होने पर सवाल उठाये जा रहे थे कि उन्हें एकादश में रखा जाना चाहिए या नहीं। विराट का खराब प्रदर्शन एक मुद्दा तो है लेकिन इससे पूरी टीम का प्रदर्शन प्रभावित हो यह समझ से परे है। पहले मैच में 10 विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले दोनों सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और शिखर धवन तथा ऋषभ पंत का सस्ते में आउट होना ज्यादा बडे सवाल खडे करता है।

भारत को यदि सीरीज जितनी है तो उसे अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। रोहित अपने पूर्व कप्तान विराट कोहली का समर्थन तो कर रहे है लेकिन उन्हें अपनी बल्लेबाजी को भी देखना होगा। दूसरे वनडे में लक्ष्य 247 रन था लेकिन पूरी भारतीय टीम 146 रन पर सिमट गयी। रोहित शून्य, शिखर नौ और पंत शून्य पर निपट गए। जब टॉप तीन की हालत ऐसी हो तो बाकी टीम से क्या उम्मीद की जा सकती है।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम लक्ष्य इंग्लैंड को हराकर इंग्लिश सरज़मीन पर आठ साल बाद एकदिवसीय श्रंखला जीतने उतरेगी। इससे पहले भारत ने 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में इंग्लैंड में एकदिवसीय श्रंखला जीती थी।

विशेषज्ञों के अनुसार, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान की फ्लैट पिच बल्लेबाजों को सहायता प्रदान करती है और यहां पहले बल्लेबाजी करना ज्यादा फायदेमंद होगा।भारत इस मैच में अपनी टीम को बदलना नहीं चाहेगी। भारत की धारदार गेंदबाजी में बदलाव की कोई गुंजाइश नहीं है। बल्लेबाजी में, विराट कोहली खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं लेकिन कप्तान रोहित ने लगातार उनका समर्थन किया है।

रोहित ने गुरुवार को भारत की हार के बाद कहा था, "वह इतने लंबे समय तक खेले हैं, उन्होंने इतने मैच खेले हैं, वह इतने महान बल्लेबाज हैं, इसलिए उन्हें किसी आश्वासन की जरूरत नहीं है।

मुझे लगता है कि मेरी पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस में मैंने कहा था कि फॉर्म ऊपर और नीचे जाता रहता है, मेरा मतलब है कि यह खेल का एक हिस्सा है। यह हर खिलाड़ी के करियर में होता है। इसलिए एक खिलाड़ी जो इतने लंबे समय तक खेला है, जिसने इतने रन बनाए, जिसने इतने मैच जीते हैं, उसे बस एक या दो पारियां चाहिए। मुझे यकीन है कि जो भी क्रिकेट देखता है, वह यही सोचता होगा।"

भारत इस मैच में शिखर धवन के बल्ले से रन तलाशेगा। धवन ने इंग्लैंड में 21 मैच खेले हैं और 63.38 की औसत से 1141 रन बनाये हैं, हालांकि पहले मैच में उन्होंने 31 रन की नाबाद पारी खेली थी और दूसरे मैच में वह नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गये थे। लंबे समय बाद टीम में वापसी कर रहे धवन इस मैच में बड़ी पारी खेलकर अपनी छाप छोडना चाहेंगे।

इसके अलावा भारत को ऋषभ पंत से भी रनों की उम्मीद होगी। टेस्ट में अपना लोहा मनवा चुके पंत सीमित ओवर क्रिकेट में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं और लगातार आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। इस बीच, इंग्लैंड को आशा होगी कि उसके ऊपरी क्रम के बल्लेबाज अपनी लय वापस हासिल करें। पहले मैच में इंग्लैंड ने जसप्रीत बुमराह के आगे घुटने टेककर 26 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे और दूसरे मैच में युज़वेंद्र चहल की फिरकी में उलझकर 102 रन पर आधी टीम पवेलियन लौट गयी थी। सीरीज़ के तीसरे और अंतिम मैच में इंग्लैंड चाहेगी कि वह भारत की गेंदबाजी का कुछ तोड निकाले।

सिंगापुर ओपन के फाइनल में पहुंचीं सिंधु

कलांग (सिंगापुर), 16 जुलाई। भारत की शीर्ष शटलर और 2019 विश्व चैम्पियन पीवी सिंधु ने शनिवार को जापान की साएना कावाकामी को हराकर सिंगापुर ओपन के फाइनल में जगह बनायी।

सिंधु ने कावाकामी को सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में 21-15, 21-7 से मात दी। पूर्व ओलंपिक पदक विजेता का सामना फाइनल में जापान की आया ओहोरी और चीन की वांग ज़ी यी में से किसी एक से होगा।

यह सिंधु का इस सीज़न का तीसरा फाइनल होगा। इससे पहले वह जनवरी और मार्च में क्रमश: सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय और स्विस ओपन सुपर 300 खिताब जीत चुकी हैं। सिंधु ने मैच की शुरुआत आक्रामक रवैये के साथ की और अपने स्मैश एवं ड्रॉप शॉट्स को सही ठिकाने पर गिराते हुए 7-2 की बढत हासिल कर ली। दूसरी ओर कावाकामी ने मुकाबले में वापसी करते हुए गेम को 11-11 पर पहुंचा दिया। मैच जापानी खिलाड़ी की ओर झुकता जा रहा था लेकिन सिंधु ने अंतिम छह में से पांच पॉइंट हासिल कर पहला गेम अपने नाम किया।

दूसरे गेम में अपना वर्चस्व जमाते हुए सिंधु ने ब्रेक तक 11-4 की विशाल बढत ले ली। पाला बदलने के बाद कावाकामी ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन लयबद्ध सिंधु ने यह गेम आसानी के साथ 21-7 से जीतकर फाइनल में कदम रखा।

साइना नेहवाल के क्वार्टरफाइनल में हारने के बाद सिंधु सिंगापुर ओपन में अंतिम भारतीय खिलाड़ी बची हैं। पुरुष एकल में एचएच प्रणय और पुरुष युगल में एमआर अर्जुन एवं ध्रुव कपिला की जोडी भी शीर्ष आठ में हारकर बाहर हो चुकी है।

निशानेबाजी विश्व कप : ऐश्वरी ने जीता स्वर्ण

चांगवन (दक्षिण कोरिया), 16 जुलाई। भारत के राइफल शूटर ऐश्वरी प्रताप सिंह तोमर ने शनिवार को आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप के पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोज़ीशन इवेंट में स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि पिस्टल शूटर मनू भाकर महिला 25 मीटर पिस्टल इवेंट में पदक लाने से चूक गयीं। तोमर ने हंगरी के ज़लन पेकलर को 16-12 से हराकर पोडियम पर शीर्ष पायदान हासिल किया। इससे पहले वह क्वालिफिकेशन में भी 593 पॉइंट के साथ पहले स्थान पर रहे थे। 21 वर्षीय तोमर ने रीकिग स्टेज में 409.8 पॉइंट प्राप्त किये, जबकि हंगरी के पेलकर 406.7 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर रहे। महिला 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिता में भारत की युवा शूटर भाकर नौ पॉइंट के अंतर से पदक से चूक गयीं। क्वालिफिकेशन राउंड में 581 पॉइंट के साथ आठवें स्थान पर रहने वाली भाकर रीकिग स्टेज में 18 पॉइंट के साथ शीर्ष स्थान पर रहीं, लेकिन फाइनल में वह यह प्रदर्शन जारी नहीं रख पाईं और चौथा स्थान हासिल किया। भारत नौ पदक (चार स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर बरकरार है।

रोमांचक मुकाबले में आयरलैंड की हार

डबलिन, 16 जुलाई। पॉल स्टर्लिंग (120) और हैरी टेक्टर (108) की शतकीय पारियों के बावजूद आयरलैंड तीसरे एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड से एक रन से हार गयी।

न्यूजीलैंड ने डबलिन में शुक्रवार को खेले गये मैच में आयरलैंड के सामने 361 रन का लक्ष्य रखा था, मगर आयरलैंड 50 ओवर में 359 रन ही बना सकी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल और फिल ऐलेन ने ब्लैक कैप्स को अच्छी शुरुआत दिलायी। ऐलेन (33) के आउट होने से पहले दोनों के बीच 78 रन की साझेदारी हुई। गप्टिल ने कप्तान टॉम लैथम (30) के साथ 60 रन की और हेनरी निकोल्स (79) के साथ 96 रन की साझेदारी की। इस दौरान गप्टिल ने अपना शतक भी पूरा किया। उन्होंने 126 गेंदें खेलकर 15 चौकों और दो छक्कों की बदौलत 115 रन बनाये। अंत में ग्लेन फिलिप्स ने तीन गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की बदौलत 47 रन की ताबडतोड पारी खेलते हुए न्यूजीलैंड को 50 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 360 रन तक पहुंचाया।

इस विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड के कप्तान एंड्रयू बालबर्नी शून्य पर आउट हो गये, लेकिन पॉल स्टर्लिंग ने शतक लगाकर आयरलैंड को मैच में बरकरार रखा। स्टर्लिंग ने 103 गेंदें खेलकर 120 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 14 चौके और पांच छक्के लगाये। इसके बाद युवा बल्लेबाज हैरी टेक्टर ने भी शतक जड़कर मैच में आयरलैंड की स्थिति मज़बूत की। उन्होंने सात चौकों और पांच छक्कों सहित 106 गेंदों पर 108 रन बनाये। जब टेक्टर 44वें ओवर में आउट हुए तो आयरलैंड को जीत के लिये 39 गेंद पर 61 रन की दरकार थी। एक समय पर लग रहा था कि आयरलैंड मैच से बाहर हो गयी है लेकिन जॉर्ज डॉकरेल के 22(17) रन के योगदान ने मैच को आखिरी गेंद तक पहुंचाया, हालांकि कीवी टीम ने यह मैच अंतत: एक रन से जीत लिया।

3000 मीटर स्टीपलचेज़ फाइनल में साबले

यूजीन (अमेरिका), 16 जुलाई। भारत के अविनाश साबले ने विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के पहले दिन शनिवार को 3000 मीटर स्टीपलचेज़ फाइनल के लिये क्वालीफाई किया, जबकि मुरली श्रीशंकर ने लंबी कूद फाइनल में जगह बनायी।

साबले ने 8:18.75 के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। तीन हीट में से प्रत्येक के शीर्ष तीन और अगले छह सबसे तेज खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई, जो सोमवार (भारत में मंगलवार सुबह) को आयोजित किया जाएगा।

लंबी कूद के फाइनल में श्रीशंकर

यूजीन (अमेरिका), 16 जुलाई। भारत के मुरली श्रीशंकर शुक्रवार (भारत में शनिवार सुबह) को विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के पुरुष लंबी कूद फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गये।

विश्व रैंकिंग में 13वें नंबर के खिलाड़ी श्रीशंकर ने 8.00 मीटर के सातवें सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ फाइनल में जगह बनायी।

श्रीशंकर के साथ उनके हमवतन जेस्विन एल्ड्रिन (7.79 मीटर) और मोहम्मद अनीस यहया (7.73 मीटर) भी थे लेकिन वह पदक राउंड में जगह नहीं बना पाए। श्रीशंकर शनिवार (भारत में रविवार सुबह) होने वाले फाइनल में अकेले भारतीय होंगे। नियमों के अनुसार, 8.15 मीटर की कूद लगाने वाले एथलीट्स या दोनों समूहों के शीर्ष-12 फाइनल में जगह बनाने के योग्य थे। जापान के युकी हाशियोका (8.18 मीटर) और अमेरिका के मार्क्विस डेंडी (8.16 मीटर) सहित केवल दो एथलीट ही मानक को पूरा करने में सक्षम थे। इसी बीच, भारत के अविनाश साबले ने विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के पहले दिन शनिवार को 3000 मीटर स्टीपलचेज़ फाइनल के लिये क्वालीफाई किया। साबले ने 8:18.75 के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। तीन हीट में से प्रत्येक के शीर्ष तीन और अगले छह सबसे तेज खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई।

जिला स्तरीय जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता 18 से

जयपुर, 16 जुलाई। जिला कबड्डी संघ के तत्वावधान में जूनियर जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता (बालक एवं बालिका वर्ग) कबड्डी प्रतियोगिता का 18 जुलाई से होगा।

जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष तेजस्वी गहलोत ने बताया कि यह प्रतियोगिता संस्कृत महाविद्यालय ब्रह्मपुरी जयपुर में आयोजित होगी जिसका उद्घाटन 18 अप्रैल को होगा एव समापन 19 अप्रैल को होगा।

इस प्रतियोगिता से चयनित खिलाडी राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता अलवर में भाग लेंगे।

जयपुर जिला कबड्डी संघ के सचिव नेमी गुर्जर ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडी का वजन:- बालक वर्ग - वजन - 70 किलो ग्राम एवं बालिका वर्ग वजन - 65 किलोग्राम होगा इच्छुक टीमें टीम की एंट्री सचिव जयपुर जिला कबड्डी संघ को करवा सकते है।

एफ़टीपी कैलेंडर में आईपीएल को ढाई महीने की जगह

दुबई, 16 जुलाई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को लगभग ढाई महीने का समय मिला है। 2023-2027 के इस चक्र में दो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप, आईसीसी के अन्य इवेंट और कई द्विपक्षीय सीरीज होंगी। हालांकि इस दौरान टीमों को अवकाश का बहुत कम ही समय मिलेगा।

क्रिकइंफो को मिली जानकारी के अनुसार हर साल मार्च के अंतिम सप्ताह से जून के पहले सप्ताह तक आईपीएल के लिए विंडो दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने भी इसके संकेत दिए थे। 2023 से आईपीएल 10 टीमों के बीच होगी और 60 की बजाय कुल 74 मैच खेले जाएंगे। इसके अलावा हर दो साल पर कम से कम 10 मैच बढ़ाए जाने का भी प्रावधान है। 2023 और 2024 में 74 मैच, 2025 और 2026 में 84 और 2027 तक हर साल 94 आईपीएल मैच खेले जाने की संभावना है।

वहीं जब इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में क्रमश: द हंड्रेड और बिग बैश लीग (बीबीएल) होगा तब दोनों टीमें अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलेंगी। हालांकि इस दौरान अन्य टीमें क्रिकेट खेलती रहेंगी और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट पूरी तरह से नहीं रूकेगा। इसी तरह कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) और बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दौरान भी क्रमश: वेस्टइंडीज़ और बांग्लादेश में भी कोई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं होगा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के नई टी20 लीग के लिए भी 2025 और 2026 में जगह तो ख़ाली है, लेकिन 2024 और 2027 में उन्हें इस दौरान कुछ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट भी खेलना होगा।

वहीं पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के लिए भी 2023, 2024 और 2026 में जगह दी गई है, लेकिन 2024-25 में उन्हें पीएसएल के दौरान ही इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज़ भी खेलनी होगी। इसके बाद उन्हें न्यूज़ीलैंडऔर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी एक त्रिकोणीय वनडे श्रृंखला की मेज़बानी करनी है।

प्रज्ञानानंदा ने जीता पैरासीन ओपन का खिताब

पैरासिन (सर्बिया), 16 जुलाई। युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने शनिवार को यहां पैरासिन ओपन 'ए' शतरंज टूर्नामेंट 2022 का खिताब अपने नाम किया। इस 16 साल के खिलाडी ने नौ दौर के मुकाबले में आठ अंक हासिल किये। वह इस दौरान अजेय रहे और आधे अंक की बढ़त के साथ जीत दर्ज की।

स्टोक्स को आराम

लंदन, 16 जुलाई। इंग्लिश ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को अगले सप्ताह होने जा रही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज़ के लिए आराम दिया गया है। इसके अलावा वह हंड्रेड टूर्नामेंट में भी नहीं खेलेंगे, जहां वह नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स टीम का हिस्सा हैं। ऐसा उनका वर्कलोड प्रबंधन करने के लिए किया गया है क्योंकि वह इंग्लैंड के कुछ सीमित खिलाड़ियों में से हैं जो तीनों फ़ॉर्मेट में खेलते हैं।

इससे पहले वह भारत के खिलाफ भी टी20 सीरीज़ में भी नहीं खेले थे। इसका मतलब यह है कि अगर टी20 विश्व कप के लिए उनका चयन होता है तो वह टी20 मैचों के मैच प्रैक्टिस के बिना ही सीधे इस बड़े टूर्नामेंट में उतरेंगे। स्टोक्स ने इससे पहले जुलाई 2021 में कोई टी20 मैच खेला था। वह आईपीएल 2022 का भी हिस्सा नहीं थे। उनके पाकिस्तान के खिलाफ सात टी20 मैचों की सीरीज़ में भी खेलने की संभावना कम है।स्पिनर आदिल रशीद हज से लौट आए हैं और उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे और टी20 दोनों टीम में जगह मिली है। वह मैथ्यू पार्किंसन की जगह लेंगे। वहीं जॉनी बेयरस्टो की भी टी20 टीम में वापसी हुई है। भारत के खिलाफ टी20 सीरीज़ में बेयरस्टो भी नहीं खेले थे। टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले मैथ्यू पॉट्स को वनडे टीम में भी जगह मिली है। न्यूजीलैंडऔर भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैचों में पॉट्स ने 26.72 की औसत से 18 विकेट लिए थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत भापुरा प.स. सांगानेर जयपुर

क्रमांक-13 दिनांक-14.07.2022

ऑनलाइन निविदा सूचना संख्या 03/2022-23

ग्राम पंचायत भापुरा में राजस्थान पंचायतीराज नियम 181 के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाइन दरें ई-प्रोक्योरमेट पद्धति से आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड/अपलोड किया जा सकता है।

NIB NO. PEZ2223A0068 UBN NO. PEZ2223WSOB000/1 TO 000/2

ग्राम विकास अधिकारी सरपंच

ग्राम पंचायत भापुरा ग्राम पंचायत भापुरा

पं.स. सांगानेर, जयपुर

कार्यालय नगर पालिका लालसोट (दौसा)

प्ररूप-13

(नियम-13(2) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर पालिका लालसोट

क्रमांक-न.पा.ला./कृ.भू.रू./2022/1920 दिनांक-05.07.2022

अधोहस्ताक्षरकर्ता की जानकारी में यह लाया गया है कि नगर पालिका क्षेत्र, लालसोट के निम्न खसरा नम्बरो में स्थित भूमि या उसके भाग का 17 जून 1999 के बाद की कालावधि से गैर कृषिक प्रयोजनों के लिये उपयोग किया जा रहा है/किया गया है और इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम,1956 की धारा 90-क की उपधारा (8) के अधीन पर्यवसित किए जाने के दायी है।

क्र.सं.	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल (बीघा बिस्वा)	राजस्व ग्राम	तहसील	90 क हेतु प्रस्तावित रकबा (वर्गगज)	प्रस्तावित रकबा के खातेदार का विवरण
1	3909/526	0.08	लालसोट	लालसोट	522.50	प्रेमशंकर दत्तक पुत्र रघुनाथ कौम ब्राह्मण

अतः उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना प्रकाशन की तारीख से 7 दिवस के भीतर कारण बताएं कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाए और इसलिये क्यों न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लंगमों से मुक्ति निहित किया जा सकें। यह सूचना में हस्ताक्षर और मुहर के अधीन .... को जारी की जाती है।

नोट- संबंधित खातेदार इस लोक सूचना को व्यक्तिगत तालीम भी समझे व कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगर पालिका लालसोट में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। प्राधिकृत अधिकारी

(अधिशाषी अधिकारी), नगर पालिका लालसोट

चांदीमल ने श्रीलंका को 222 तक पहुंचाया, पाकिस्तान 24/2

गाले, 16 जुलाई। पाकिस्तान ने शाहीन शाह आफरीदी (58 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका को पहले टेस्ट की पहली पारी में शनिवार को 222 रन पर ऑल आउट कर दिया। पाकिस्तान ने स्टंप्स तक दो विकेट खोकर 24 रन बना लिए है। स्टंप्स के समय अजहर अली तीन और कप्तान बाबर आजम एक रन बनाकर क्रीज पर थे। अब्दुल्लाह शफ़ीक़ 13 और इमाम उल हक़ दो रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले श्रीलंका के लिये दिनेश चांदीमल ने सर्वाधिक 76 रन बनाये। चांदीमल ने 115 रन की अपनी पारी में 10 चौके और एक छक्का लगाया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया लेकिन उसका भरपूर फायदा नहीं उठा सकी। 99 रन पर आधी श्रीलंकाई टीम और 133 रन पर आठ बल्लेबाजों को पवेलियन लौटाने के पाकिस्तान पुछल्ले बल्लेबाजों का विकेट लेने में संघर्ष करती नजर आयी। नतीजतन श्रीलंका ने अंतिम दो विकेट के लिये 89 रन जोडे। एक छोर पर खडे चांदीमल को 10वें नंबर के बल्लेबाज महीष तीक्षणा का साथ मिला और दोनों के बीच 44 रन की साझेदारी हुई। नौवे विकेट के रूप में चांदीमल (76) के आउट होने के बाद तीक्षणा और कसुन रजिता ने 10वें विकेट के लिये 45 रन जोडे।

सीओए ने संविधान का मसौदा सुप्रीम कोर्ट को सौंपा

नयी दिल्ली, 16 जुलाई। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की प्रशासकों की समिति (सीओए) ने महासंघ के नये संविधान का मसौदा उच्चतम न्यायालय के समक्ष स्वीकृति के लिये प्रस्तुत किया है। एआईएफएफ ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने बुधवार, 18 मई को एआईएफएफ के पूर्व अध्यक्ष प्रफुल पटेल को महासंघ से बाहर का रास्ता दिखाते हुए उनकी जगह सीओए को नियुक्त किया था। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में संचालित इस समिति को महासंघ का नया संविधान तैयार करने की जिम्मेदारी भी दी गयी थी।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के कार्यवाहक महासचिव सुनंदो धर ने इसकी जानकारी देते हुए कहा, "विभिन्न हितधारकों के साथ लंबी चर्चा के बाद, एआईएफएफ के संविधान का मसौदा आखिरकार माननीय अदालत को सौंप दिया गया है। मैं इस प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूं और आशा करता हूं कि हम नए संविधान के साथ भारतीय फुटबॉल के विकास के लिये काम कर सकते हैं।" शीर्ष अदालत ने सीओए को संविधान को अपनाने में मदद करने और एआईएफएफ के चुनाव जल्द से जल्द कराने के उद्देश्य से मतदाता सूची तैयार करने का निर्देश दिया था। सीओए ने तब से संविधान का मसौदा तैयार करते हुए 150 घंटे से अधिक काम किया है और राज्य संघों, फीफा, एएफसी, हीरो आईएसएल और हीरो आई-लीग क्लबों सहित एआईएफएफ के सभी हितधारकों से बात की है और उनके द्वारा भेजे गए सुझावों पर विचार किया है। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एआर दवे, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ एसवाई कुरैशी और भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान भास्कर गांगुली की तीन सदस्यीय समिति ने शुक्रवार, 15 जुलाई को उच्चतम न्यायालय के सामने संविधान का प्रतिलेख प्रस्तुत किया। डॉ.कुरैशी ने कहा, "काफी विचार-विमर्श के बाद, हमने आखिरकार संविधान का एक मसौदा तैयार कर दिया है जो एआईएफएफ को राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुरूप रखेगा, साथ ही फीफा और एएफसी के सदस्य संघ के रूप में कुशलतापूर्वक कार्य करने में मदद करेगा।" उन्होंने कहा, "हमें विश्वास है कि इन परिवर्तनों के साथ, महासंघ अब भारतीय फुटबॉल को आगे बढ़ाने के लिए एक अच्छी स्थिति में होगा।"

न्यायमूर्ति दवे ने कहा, "हमने भारतीय फुटबॉल में शामिल सभी हितधारकों और नव-निर्मित संविधान पर उनके संबंधित महत्वपूर्ण विचारों को ध्यान में रखा है। हमें देश भर के फुटबॉल प्रेमियों से भी कुछ सुझाव मिले और उनका सूक्ष्म और गंभीरता से अध्ययन किया गया। मैं कामना करता हूं कि सभी हितधारक बेहतरीन तरीके से शामिल हों क्योंकि हम सभी भारत में इस खूबसूरत खेल को आगे ले जाने की कोशिश कर रहे हैं।"

हॉकी इंडिया को जल्द से जल्द चुनाव का संदेश भेजेगा एफआईएच

लुसाने, 16 जुलाई। अंतरराष्ट्रीय हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) के कार्यकारी बोर्ड (ईबी) ने शनिवार को हॉकी इंडिया के साथ स्थिति के बारे में कहा कि एफआईएच हॉकी इंडिया के प्रशासकों की समिति को एक आधिकारिक संदेश भेजेगा, जिसमें अनुरोध किया जाएगा कि भारत की हॉकी शासी निकाय के चुनाव जल्द से जल्द करवाए जाएं, ताकि आगामी एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप खतरे में न पडे। एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप जनवरी 2023 में भुवनेश्वर और राउरकेला में आयोजित होना है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली उच्च न्यायालय की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था कि हॉकी इंडिया ने खेल संहिता के मानदंडों का उल्लंघन किया है जिसके बाद हॉकी इंडिया के संचालन के लिए तीन सदस्यीय प्रशासनिक समिति (सीओए) का गठन किया गया था। इसके अलावा ईबी ने पुष्टि की कि दक्षिण अफ्रीका एफआईएच हॉकी इंडोर विश्व कप 2023 की मेज़बानी करेगा। यह आयोजन पहले कोरोना के कारण स्थगित हो गया था, लेकिन अब इसका आयोजन दक्षिण अफ्रीका में पांच से 11 फरवरी 2023 के बीच होगा।

कार्यालय नगर पालिका, नोखा(बीकानेर)

क्रमांक:न.पा.नो/निर्माण/2022-23/3980 दिनांक:-15.7.22

अल्पकालीन ई-निविदा-सूचना07/2022-23

नगर पालिका नोखा की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया के माध्यम से निर्माण कार्य की ऑनलाईन निविदायें दिनांक 18.07.2022 को 11.00AM तक आमंत्रित की जाती है। निविदाये दिनांक 15.07.2022 से दिनांक 18.07.2022 को दोपहर 01.00बजे तक प्राप्त किये जायेगे एवं प्राप्त निविदायें दिनांक 18.07.2022 को दोपहर4.00बजे से खोली जावेगी। समस्त कार्यो के लिये अमानत राशि, निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग शुल्क भी निर्धारित समय से पूर्व पालिका में नियमानुसार प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। संबंधित विवरण वेबसाई www.eproc.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है एवं पालिका कार्यालय में कार्यदिवस में देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत राशि (2%)	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य अवधि
1.	सीवर लाईन पुन:निर्माण कार्य मास्टर फ्लोर मिल से कन्हैयालाल करवा के मकान तक, किलाराम कुम्हार की चक्की से कलावती देवी बिश्नोई के घर तक, मदन उड़सर के घर से इंसाफ तेली के घर तक वार्ड नं.34 व 35 नोखा।	10.99	21980	500/-	15 दिवस

(नारायण झंवर) (अविनाश शर्मा)

अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

नगरपालिका नोखा नगर पालिका नोखा

किसानों ने एनएच 52 चूरू सडक मार्ग पर डोकवा गांव में नौ घंटे तक चक्काजाम रखा।

एन.एच. 52 पर डोकवा गांव में नौ घंटे से किसानों का चक्का जाम

डोकवा में दो किलोमीटर तक वाहनों की लम्बी कतारें लगीं

- किसानों ने, शाम पांच बजे वार्ता के लिए पहुंचे एस.डी.एम. व डी.वाई.एस.पी. से बात करने से इंकार किया।
- समाचार लिखे जाने तक, शाम 7 बजे तक चक्का-जाम प्रदर्शन जारी रहा।

सादुलपुर, 16 जुलाई (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा एवं भारत की जनवादी नौजवान सभा द्वारा नहर व फसल बीमा सहित 18 सूत्रीय मांगों को लेकर मिनीसचिवालय के समक्ष चल रहे अनिश्चितकालीन धरने के चलते प्रशासन द्वारा क्रॉप कटिंग (फसल कटने) की रिपोर्ट नहीं देने पर आक्रोशित किसानों नें पूर्व से प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार एन.एच. 52 सादुलपुर चूरू सडक मार्ग पर स्थित गाँव डोकवा में शनिवार को 9 घंटे तक चक्का जाम रखा।

समाचार लिखे जाने तक चक्का जाम के चलते करीबन दो किलोमीटर तक सड़क किनारे वाहनों की लम्बी-लम्बी कतारे लग गई तथा वाहन चालक व यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। लेकिन आक्रोशित किसान अपनी मांग को लेकर सड़क मार्ग पर ही डटे रहे तथा चक्का जाम कार्यक्रम को अनिश्चितकालीन जारी रखने की भी चेतावनी दी।

साथ ही क्रॉप कटिंग का डेटा उपलब्ध नहीं करवाने तथा प्रशासन द्वारा अभी तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं देने पर आक्रोशित किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे तथा चक्का जाम प्रदर्शन जारी रखा। वहीं घटना के बाद शाम करीबन 5 बजे तारानगर एसडीएम प्रभजोत सिंह गील, तारानगर डीवाईएसपी ओमप्रकाश गोदारा, राजगढ़ डीवाईएसी बृजमोहन असवाल, राजगढ़ थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा सीआई मय पुलिस दल-बल के मौके पर पहुँचे, जहाँ चक्का जाम प्रदर्शन कर रहे किसानों से वार्ता करनी चाही, मगर आक्रोशित किसानों नें वार्ता करने से इंकार कर दिया।

गौरतलब है कि गत कई दिनों से राजगढ़ उपखण्ड अधिकारी का पद रिक्त चल रहा है तथा तारानगर एसडीएम प्रभोजतसिंह गील को राजगढ़ एसडीएम का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

साथ ही 11 जुलाई से मिनीसचिवालय राजगढ़ के दोनों मुख्य द्वार लगातार दिन और रात तालाबन्दी के चलते बंद पड़े हैं। अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे किसानों के साथ अभी तक कोई सकारात्मक वार्ता नहीं हो पा रही है। लेकिन गंभीर बात यह है कि लगातार लगभग एक सप्ताह से उपखण्ड कार्यालय के दोनों द्वार तालाबंदी के चलते बन्द पड़े हैं, उसके बावजूद भी प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों से दूर भागता नजर आ रहा है। कॉमरेड सुनिल पूनिया नें सम्बोधित करते हुए कहा कि पूर्व में हुइ वार्ता में क्रॉप कटिंग का डेटा उपलब्ध करवाने के लिए प्रशासन द्वारा 15 दिन का समय मांगा था, लेकिन आज तक ना तो डाटा उपलब्ध करवाया गया है और ना ही कोई सकारात्मक जवाब दिया जा रहा है, बल्कि धरने पर बैठे किसानों को बेवकूफ समझा जा रहा है।

इससे पूर्व शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे किसानों ने अपनी मांगों को लेकर 12 जुलाई को शहर के प्रमुख मार्गों से रैली निकाली थी, उसके बाद धरना स्थल पर 15 जुलाई को मोदी और गहलोत के पुतलों का दहन किया गया था, जहां चक्काजाम है उसी रास्ते से प्रशासनिक अधिकारी अपनी निवास पर आवागमन करते हैं, उसके बाद भी आज तक प्रशासन किसानों को संतुष्ट नहीं कर पाया है जो कि प्रशासनिक व्यवस्था पर एक गंभीर प्रश्नचिन्ह पैदा करता है।

'मुफ्त की रेवड़ियां'

उरई, 16 जुलाई (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मतदाताओं को लुभाने के लिये जनता में मुफ्त की सौगात बांटने को देश के लिये घातक बताते हुए कहा है कि देश में मुफ्त की रेवड़ी बांट कर वोट बटोरने की परिपाटी पनप रही है, ये 'रेवड़ी कल्चर' देश के लिये घातक है और सभी को मिलकर इस 'रेवड़ी कल्चर' को राजनीति से हटाना है।

मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे का यहां कैथेरी गांव में लोकार्पण करने के बाद अपने संबोधन में देशवासियों को आगाह किया कि मुफ्त की वस्तुयें बांटकर वोट

- प्रधानमंत्री मोदी ने मुफ्त की योजनायें चलाने वाली राज्य सरकारों पर कटाक्ष किया।

बटोरने वाली राजनीति से बहुत सावधान रहने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने यहां विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। इस रेवड़ी कल्चर से देश के लोगों को बहुत सावधान रहना है।

मोदी ने लोगों से इस परिपाटी को मिटाने का आव्हान करते हुए कहा, रेवड़ी कल्चर वाले कभी आपके लिए नए एक्सप्रेस वे नहीं बनाएंगे, नए एयरपोर्ट या डिफेंस कॉरिडोर नहीं बनाएंगे।

बाघिन को रामगढ़ टाइगर रिज़र्व में छोड़ा

रणथम्भौर टाइगर रिजर्व की सीमा से बाहर घूम रही बाघिन टी-102 ट्रैंकुलाइज़ कर रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व के सॉफ्ट एनक्लोजर में छोड़ा गया।

- रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व की सीमा से बाहर घूम रही इस बाघिन, टी-102 को वन विभाग की टीम ने ट्रैंकुलाइज़ करके पकड़ा था।
- वरिष्ठ पशु चिकित्सकों की टीम ने बाघिन की जांच की फिर उसे रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व के सॉफ्ट एनक्लोज़र में छोड़ा गया।

सवाई माधोपुर, 16 जुलाई (निस)। रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व के परिधि क्षेत्र में विचरण करने वाली बाघिन टी-102 टाइगर रिज़र्व की सीमा के बाहर राजस्व क्षेत्र में विचरण कर रही थी, जिसे ट्रैंकुलाइज़ करके पकड़ा गया और स्वास्थ्य परीक्षण उपरान्त रेडियो कॉलर लगा कर रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के सॉफ्ट एनक्लोजर में छोड़ा गया। टी-102 की मॉनिटरिंग वरिष्ठ पशु चिकित्सक एवं वन अधिकरी कर रहे हैं।

रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व में लगभग पन्द्रह बाघ / बाघिन रिज़र्व के परिधि क्षेत्र में विचरण कर रहे हैं, जो अक्सर सीमा से बाहर भी चले जाते हैं। ये पन्द्रह बाघ-बाघिन टाइगर रिज़र्व सीमा में अपनी टैरिटरी नहीं बना पा रहे हैं, जिसके परिणाम स्वरूप इनके टाइगर रिज़र्व की सीमा से बाहर डिस्पर्स करने, टाइगर रिज़र्व में अन्य टाईगरों से संघर्ष, गायब होने तथा मृत्यु की संभावना बढ़ जाती है।

विभाग इन बाघ / बाघिनों को पुनर्वास/ट्रांसलोकेट करने के हर संभव प्रयास कर रहा है। रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व कोर प्रथम क्षेत्र में बाघों का घनत्व अधिक होने के कारण इस प्रकार के प्रयास निरन्तर जारी रखे जाएंगे। इन्हीं प्रयासों के तहत, रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व करौली क्षेत्र में, टाइगर पुनः स्थापन के लिए सॉफ्ट एनक्लोज़र बनाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने इस्तीफा दिया

रायपुर, 16 जुलाई। छत्तीसगढ़ के पंचायत मंत्री टी.एस. सिंहदेव (बाबा) ने इस्तीफा दे दिया है। इस फैसले ने भूपेश बघेल कैबिनेट में हड़कंप मच गया है। इस घटना से छत्तीसगढ़ की राजनीति में सियासी भूचाल आ गया है। पंचायत विभाग में मंत्री टी.एस. सिंहदेव को बगैर विश्वास में लिए उनके विभाग से संबंधित फैसले लिए जा रहे थे, जिससे नाराज होकर टी.एस. सिंहदेव ने इस्तीफा दिया है। सिंहदेव अपने प्रभार वाले बाकी विभागों में कैबिनेट मंत्री के रूप में बने रहेंगे। सिंहदेव के इस्तीफे की खबर से प्रदेश में हड़कंप मच गया है।

यह कहते हुए खलबली मचा दी है कि उनके धैर्य की परीक्षा ली जा रही है। पारिवारिक पृष्टभूमि कांग्रेस की है और फिलहाल वे कांग्रेस में ही रहेंगे, लेकिन जीवन में कई निर्णय लेने पड़ते हैं। इस्तीफे के एक दिन पूर्व शुक्रवार को उन्होंने संभाग के कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी।

टी.एस. सिंहदेव के इस निर्णय ने भूपेश बघेल कैबिनेट में भूचाल ला दिया है। सिंहदेव अगर सख्त रूख अपनाते हैं तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को बड़ा नुकसान होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

- इस्तीफे के समय टी.एस. सिंहदेव ने कहा, " मेरे धैर्य की बहुत लम्बे समय से परीक्षा ली जा रही है"

बता दें कि टी.एस. सिंहदेव छत्तीसगढ़ में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कई बार कह चुके हैं। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को अब निर्णय ले लेना चाहिए। पिछले साढ़े 3 साल के भूपेश सरकार के कार्यकाल में न सिर्फ टी.एस. सिंहदेव की लगातार उपेक्षा की गई, बल्कि उन्हें कमजोर भी किया गया। टी.एस. के समर्थक विधायकों ने पाला बदल लिया।

सिंहदेव के खास समर्थक माने जाने वाले विधायक भी अब उनके साथ नहीं हैं। अपने विभागों के कई कामकाज को लेकर उन्होंने भूपेश बघेल को पत्र लिखा, जिस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। लगातार उपेक्षा से उन्होंने अब सख्त रूख अपना लिया है।

ममता, मुर्मू की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रभावित होकर, आप से दूर जा सकता हो। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि यशवंत सिन्हा की आप का समर्थन मिल जाने के कारण, देश के इस सर्वोच्च पद के लिये मुर्मू की जीत की संभावना संदेहास्पद या अनिश्चित हो गई हो। वे भाजपा तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा के समर्थन से ही जीत जायेंगी। बी.जे.डी. भी उनकी उम्मीदवारी का समर्थन कर रही है। इसके अलावा, महाराष्ट्र में सरकार बदलने के साथ ही, महाराष्ट्र का बहुत बड़ा मतदाता मंडल मुर्मू के समर्थन में आ गया है।

उद्धव ठाकरे ने भी अपने प्रति निष्ठावान विधायकों और सांसदों को संबोधित करते हुए मुर्मू का समर्थन करने का आव्हान किया है। एक बार पुनः, भाजपा ने अपने गुट को राष्ट्रपति पद के आशार्थी से मिलने नहीं बुलाया, जो एक प्रकार नुकसानदायक नाराजगी मानी जा सकती है।

इस समय, उन लोगों के लिये भी यह मुश्किल होगा, जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्षी प्रत्याशी के रूप में यशवंत सिन्हा को आगे किया कि वे यशवंत सिन्हा का समर्थन कर सकें। ममता बनर्जी, जिनकी पार्टी से त्याग पत्र देकर, सिन्हा राष्ट्रपति के उम्मीदवार के रूप में आये थे, भी शायद खुलकर सिन्हा का समर्थन न कर सवें

मुर्मू को राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी घोषित किए जाने के तुरन्त बाद ममता ने हार मान ली थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा एकतरफा घोषणा करने से पूर्व यदि विपक्षी पार्टियों से विचार-विमर्श करती तो वह सर्वसम्मति वाले किसी संयुक्त प्रत्याशी पर विचार कर सकती थीं।

मुर्मू का समर्थन करने के बजाय अन्ततः उल्टा काम कर अपनी पार्टी के निर्वाचित सदस्यों को निर्देश दे सकती हैं कि वे या तो मुर्मू का समर्थन करं या वोटिंग से अनुपस्थित रहें अथवा ऐसी चिकनी-चुपड़ी बात कह सकती हैं कि उनके विधायक अपने अन्तःकरण के हिसाब से वोट देने को स्वतंत्र हैं।

राष्ट्रपति चुनाव में अब ऐसी स्थिति में वोटों के भारी अन्तर वाली एकतरफा हार से बचने का एकमात्र रास्ता यही है कि यशवंत सिन्हा रेस से हट जाएं, अन्यथा उन्हें अपमानजनक हार झेलनी पड़ेगी। मुर्मू की उम्मीदवारी का विरोध कर ममता बनर्जी राज्य की बड़ी आदिवासी बैल्ट में अपनी संभावनाएं खत्म कर सकती हैं।

इस बीच, गवर्नर जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति पद के लिए भाजपा प्रत्याशी घोषित कर दिए गए हैं। यह पद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति होते हैं और सत्तारूढ़ पार्टी के लिए यह एक सुगम स्थिति होगी। चाहे कुछ भी हो, पश्चिम बंगाल राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच चल रहे संघर्ष के तमाशे से वंचित हो जाएगा। अच्छा मचा चला गया।

क्यू आर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इलैक्ट्रॉनिक वस्तुएं भी शामिल हैं, को वस्तुओं के बारे में अनिवार्य घोषणा करने से राहत दी है और कहा है कि वह अब यह घोषणा क्यू.आर. कोड के जरिए डिजिटल रूप में कर सकते हैं। उपभोक्ता मामलात विभाग व लीगल मैट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज़) सैकेण्ड अमैंडमैंट रूल्स, 2022 के जरिए राहत देने की घोषणा की। इसमें कहा गया है कि इस डिजिटल युग में टैक्नॉलजी का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए यह किया गया है क्योंकि वस्तु पर प्रिंटेड क्यू.आर. कोड को स्कैन करके सारी जानकारी प्राप्त की जा सकती हैं, जैसे निर्माता, पैकर या आयात कर्ता का पता, वस्तु का सामान्य या जैनरिक नाम, आकार, कस्टमर केयर डिटेल्स, टेलीफोन नम्बर और इमेस आदि। इलैक्ट्रॉनिक इण्डस्ट्री ने इन सुधारों का स्वागत किया, लेकिन उपभोक्ता को इससे नुकसान होगा क्योंकि सभी के पास कोड को स्कैन करने की सुविधा नहीं होगी। एक कंज़्यूमर एक्टिविस्ट ने कहा कि आज यह प्रावधान इलैक्ट्रॉनिक गुड्स के लिए तो कल पैकेज्ड गुड्स के लिए होगा।

बूस्टर का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करता है?

अध्ययन दिखाता है कि, तीन महीने के अंदर वैक्सीन की दो डोज़ का असर दस प्रतिशत के नीचे चला जाता है। हालांकि, बूस्टर या तीसरी डोज़, रोग के लक्षण संबंधी इन्फैक्शन से बचने के लिए 60 प्रतिशत तक प्रभावशाली होती है, लेकिन, हर महीने इसमें 20 प्रतिशत कमी आती है और तीन महीनों में यह ज़ीरो पर पहुँच जाती है।

'तीस्ता सीतलवाड़ ने अहमद पटेल के इशारे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तौर पर खंडन किया गया है तथा कहा गया है कि यह आरोप प्रधानमंत्री की उस सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है जिससे वे उनके मुख्यमंत्रित्व काल में 2002 के साम्प्रदायिक हत्याकांड की किसी भी जिम्मेदारी से स्वयं को बचा सकें।

रमेश ने इस बयान में कहा है कि इस हत्याकांड पर नियन्त्रण पाने में उनकी अनिच्छा एवं अक्षमता ही तो थी जिसके चलते पूर्ण प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को मुख्यमंत्री मोदी को उनके "राजधर्म" की याद दिलानी पड़ी थी।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि साफ बात तो यह है कि प्रधानमंत्री का राजनैतिक प्रतिशोध तन्त्र, अब इस दुनिया में नहीं रहे राजनैतिक विरोधियों को भी नहीं बख्शता हैं। गुजरात पुलिस की यह स्पेशल इन्वेस्टिगेटिंग टीम (एस.आई.टी.) अपने राजनैतिक स्वामी के इशारों पर नाच रही है तथा यह आगे भी वही कहेगी और करेगी, जो उससे कहा जायेगा।

कांग्रेस ने कहा कि हम जानते हैं कि एक पूर्व एस.आई.टी. चीफ को पुरूस्कृत करते हुये, एक राजनयिक का पद दे दिया गया था क्योंकि उसने तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी को "क्लीन चिट" दे दी थी। बयान में कहा गया है कि सालों से मोदी-शाह की जोड़ी की यह पहचान रही है कि किसी मामले के न्यायालय में विचाराधीन होने की स्थिति में भी, अपनी कठपुतली एजेंसियों के जरिये प्रैस के माध्यम से अपना फैसला देते हुये, गम्भीर आरोप इतने जोर-शोर से लगाये जाते हैं, मानों निष्कर्षों पर पहुँच जा चुका हो। कांग्रेस ने कहा कि स्व. पटेल पर उक्त आरोप लगाया जाना, उसी प्रवृत्ति के एक और उदाहरण के अलावा, और कुछ भी नहीं है। इस बार, इसमें एक मर चुके व्यक्ति को बदनाम करने का उद्देश्य और शामिल हो गया है क्योंकि, जाहिर है, ऐसे निर्लज्ज झूठ का खण्डन करने में वह व्यक्ति इसलिये असमर्थ है क्योंकि वह अब दुनिया में मौजूद ही नहीं हैं।

एस.आई.टी. ने अहमद पटेल पर यह आरोप उस समय लगाया था, जब वह तीस्ता सीतलवाड़ की जमानत की अर्जी का विरोध कर रही थी। एस.आई.टी. ने अदालत से कहा कि सीतलवाड़ उस "वृहद साजिश" का हिस्सा थी, जो स्व. पटेल के निर्देश पर तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को हटाने के लिये रची गई थी। अब इस के भी सुनवाई अगले सोमवार को होगी।

गुजरात दंगों के केसों में लोगों पर आरोप लगाने के लिये, कथित रूप से साक्ष्य गढ़ने के क्रम में पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी आर.बी. श्रीकुमार तथा संजीव भट्ट के साथ ही, सीतलवाड भी गिरफ्तार कर ली गई हैं।

- दिवंगत अहमद पटेल की पुत्री मुमताज पटेल ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा, अगर तीस्ता सीतलवाड़, अहमद पटेल के साथ मिलकर साजिश कर रही थीं, तो उन्हें पुरस्कृत क्यों नहीं किया गया और राज्यसभा का सदस्य नहीं बनाया गया, मनमोहन सिंह की सरकार में।
- कांग्रेस ने भी अहमद पटेल पर लगे आरोपों को पुरजोर ढंग से दुर्भाग्यपूर्ण बताया। एक दिवंगत व्यक्ति पर, उसकी मृत्यु के बाद आरोप लगाना कायरता है, क्योंकि मृत व्यक्ति, इन बेबुनियाद आरोपों का जवाब नहीं दे सकता।

गुजरात पुलिस पैनल ने कहा, "इस बड़ी साजिश को अंजाम देते समय, प्रार्थी (सीतलवाड़) का राजनैतिक उद्देश्य था। निर्वाचित सरकार की बखास्तगी या उसे गिराना।.....गुजरात में निर्दोष लोगों को गलत तरीके से फँसाने के अपने प्रयासों के एवज में, इन्होंने प्रतिद्वंद्वी राजनैतिक दल गैर कानूनी किस्म के वित्तीय तथा अन्य प्रकार के लाभ एवं प्रतिफल प्राप्त किये थे।"

एस.आई.टी. ने एक गवाह के बयानों का हवाला देते हुये आरोप लगाया कि यह साजिश अहमद पटेल के आग्रह पर की गई थी जिन्होंने दंगों के बाद सुश्री सीतलवाड़ तक 30 लाख (?) पहुँचाये थे।

पुलिस ने कहा कि ये ऐक्टिविस्ट उस "प्रतिष्ठित राजनैतिक दल, जो उस समय दिल्ली की सत्ता में था", के नेताओं के नाम दंगों के केसों में शामिल कराया करते थे। इन ऐक्टिविस्टों को राज्य सभा सीट का भी लालच दिया जाता था।

इसी बीच, अहमद पटेल की बेटी मुमताज पटेल ने भी एस.आई.टी. के कथन को खारिज करते हुये कहा है कि "मेरे खयाल से, विपक्ष को बदनाम करने के राजनैतिक षडयन्त्र के लिये उनका (अहमत पटेल) नाम अब भी वजनदार माना जाता है।" उन्होंने ट्वीट किया, "यू.पी.ए. के शासन काल में, तीस्ता सीतलवाड़ को पुरस्कृत क्यों नहीं किया गया तथा राज्यसभा सदस्य क्यों नहीं बनाया गया तथा केन्द्र ने 2020 तक मेरे पिता पर इतनी बड़ी साजिश रचने के फलस्वरूप, मुकदमा क्यों नहीं चलाया था।

भाजपा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी को फँसाने की "साजिश" के पीछे "संचालक शक्ति" के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी थीं। भाजपा प्रवक्ता सम्बित पात्रा ने एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में कहा, "पटेल का तो नाम है। इस साजिश के पीछे खड़े होकर, इस संचालित करने वाली तो सोनिया गांधी थी। हम माँग करते हैं कि सोनिया गांधी एक प्रैस कॉफ्रेंस आयोजित करें तथा राष्ट्र को सम्बोधित करें और बतायें कि वे मोदी के खिलाफ षडयन्त्र क्यों कर रही थीं।"

सीतलवाड़ की गिरफ्तारी उसके एक दिन बाद हो गई थी, जब सर्वोच्च न्यायालय दंगों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दोष मुक्ति की पुष्टि कर दी थी। उनकी गिरफ्तारी पर, अन्य के अलावा, "यू.एन. ऑफिस ऑफ द हाईकमिश्नर फॉर ह्यूमन राइट्स (ओ.एच.सी.एच. आर) ने भी सवाल खड़े किये थे तथा कहा था कि ओ.एच.सी.एच.आर. इससे बहुत चिन्तित" है। भारत सरकार ने इस बयान को "पूरी तरह अनुचित एवं अकारण" एवं "भारत के स्वतन्त्र न्यायिक तन्त्र में हस्तक्षेप" बताया था।

कोविड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

20,044 नये कोविड-19 केस आये। पिछले 24 घंटों में कोविड से मरने वालों की संख्या 56 तक पहुँच गई।

शनिवार को 24 घंटे में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 10 मौतें हुई। उसके बाद पश्चिम बंगाल में 5, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश तथा केरल में दो-दो तथा पंजाब, असम, बिहार, कर्नाटक, औडिशा, उत्तराखंड, तमिलनाडु एवं सिक्किम में एक-एक मृत्यु हुई।

भारत में अब तक कोविड-19 वायरस के कारण, कुल 5,25,660 लोग मर चुके हैं, जबकि संक्रमित लोगों की संख्या 4,37,30,071 हो गई है। कुल 4,30,63,651 लोग ठीक हो चुके हैं।

एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 1,40,760 हो गई, जबकि शनिवार को राष्ट्रीय टीकाकरण 199.71 करोड़ तक पहुँच गया। आज सुबह 7 बजे खत्म हुये 24 घंटों में 22.93 लाख लोगों का वैक्सीनेशन किया गया।

अभी से कयास लगने लगे बोरिस जॉनसन कैसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रत्याशियों के साथ बातचीत की है, जिसमें उन्होंने अपनी स्पष्ट राय व्यक्त की है कि सुनक प्रधानमंत्री नहीं बनने चाहिए।

इस बातचीत के करीब रह चुके एक सूत्र ने कहा कि जॉनसन विदेश मंत्री लिज़ ट्रस के प्रति काफी उत्सुक नज़र आए। ट्रस का उनके सर्वाधिक उग्र मंत्रिमण्डलीय सहयोगियों जैकब रीसमॉग और नैडिन डॉरिस द्वारा समर्थन किया जाता रहा है।

समझा जाता है कि जॉनसन ने यह भी संकेत दिया है कि यदि यह सुनिश्चित हो जाए कि पूर्व चांसलर सुनक नेतृत्व का चुनाव ना जीतें तो उन्हें जूनियर ट्रेड मिनिस्टर पैनी मॉर्डान्ट के प्रधानमंत्री बनने में कोई दिक्कत नहीं है।

एक सूत्र ने द टाइम्स को बताया कि "नम्बर 10 की पूरी टीम ऋषि से घृणा करती है। यह व्यक्तिगत एवं कटु है। वे लोग जॉनसन के पतन को लेकर साज (साजिद जाविड) पर दोषारोपण नहीं करते। वे ऋषि को दोष देते हैं। वे सोचते हैं ऋषि इसकी कई महीनों से प्लानिंग कर रहे थे।

जाविड ने जब पिछले सप्ताह मंगलवार को अचानक से जॉनसन के पतन के बारे में बताया तो सुनक ने इसके कुछ ही क्षणों बाद इस्तीफा दे दिया था। अन्य सूत्रों ने बताया कि जॉनसन ने निजी रूप से यह चिंता प्रकट की थी कि सुनक पुतिन के प्रति नरम रूख अपनाएंगे और रूस पर प्रतिबंधों में ढील देंगे।

जॉनसन के एक साथी ने इस दावे को खारिज किया कि वह ऋषि के अलावा किसी की भी जीत चाहते हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि सुनक के विश्वासघात को लेकर प्रधानमंत्री नाराज़ हैं। मित्र ने कहा कि "वास्तव में वह निराश और हताश हैं। वह विकास की जरूरी रणनीति बनाने के लिए कई महीनों ने ऋषि पर दबाव बनाते रहे हैं किन्तु इस काम में विफल रहे। अतः जो स्थिति पहले ही नियंत्रित की जा सकती थी, उसे लेकर उनमें विश्वासघात के साथ ही एक खेद का भाव भी है।

"लेकिन वह इसको लेकर स्पष्ट हैं कि उनकी प्रतिबद्धता पूर्ण रूप से ब्रिटिश लोगों के लिए है और सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह है कि एक ऐसे नेता का चयन किया जाए जो जनता का भला कर सके, चाहे यह उनके (जॉनसन) के लिए व्यक्तिगत रूप से दुःखदायी ही क्यों ना हो।"

सुनक के एक साथी ने इस दावे का खण्डन किया कि वह पुतिन पर नरम रूख अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि ऋषि ने रूस पर कड़े से कड़े प्रतिबंध लागू करने का समर्थन किया था और यह सुनिश्चित किया था कि हमारे सहयोगी देश भी ऐसा ही करें।

प्रधानमंत्री सितम्बर माह की शुरूआत में डाउनिंग स्ट्रीट से विदा होने के बाद हाउस ऑफ कॉमन्स के सक्रिय बैक बैंचर बनने का इरादा रखते हैं। उनके एक साथी ने बताया कि वह ब्रैग्ज़िट, यूक्रेन और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर हाउस ऑफ कॉमन्स में नियमित हस्तक्षेप करना चाहते हैं। ये तीन मुद्दे वे हैं जिन्हें वह अपनी विरासत में सर्वाधिक महत्वपूर्ण समझते हैं।

जॉनसन की पूर्ववर्ती थरीसा में भी हाउस ऑफ कॉमन्स में रही थीं। वह नियमित रूप से चर्चा में भाग लेती थीं और कभी-कभी सरकार की आलोचना भी करती थीं।

इसके विपरीत, डेविड कैमरून ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट छोड़ने के दो माह बाद सांसद पद त्याग दिया था। उन्होंने शुरूआत में कहा था कि वह कॉमन्स में बने रहेंगे किन्तु उन्होंने अपना-मानस यह करते हुए जल्दी ही बदल लिया था कि उन्हें भय था कि वह "एक बड़े पागल और मनोरंजक" बन जाएंगे।

सर टोनी ब्लेयर ने वर्ष 2007 में जिस दिन प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया था, उसी दिन उन्होंने अपना सांसद पद भी छोड़ दिया था। गॉर्डन ब्राउन वर्ष 2010 में मिली पराजय के बाद भी वर्ष 2015 में हुए अगले चुनावों तक सांसद रहे थे, लेकिन कॉमन्स में कभी-कभी ही बोलते थे।

अपने इस्तीफे के बाद सोमवार को सार्वजनिक रूप से पहली बार प्रकट हुए जॉनसन ने अपने किसी संभावित उत्तराधिकारी का समर्थन करने से इंकार कर दिया।

उन्होंने कहा कि "हमें जो जनादेश मिला है, मैं उसको लेकर कार्य निष्पादन करने के प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ हूँ।" लेकिन मेरा कार्य वास्तव में अगले कुछ हफ्तों तक सिर्फ प्रक्रिया पर निगरानी रखना है और मैं आश्वस्त हूँ कि इसका परिणाम अच्छा होगा और हमें सिर्फ काम करते रहने की जरूरत है। देखिए मैं इसके बारे में अधिक कुछ नहीं कहना चाहता। चयन प्रक्रिया चल रही है तथा उसे जरूर होना चाहिए।"

उन्होंने कहा कि "मैं मेरा समर्थन व्यक्त करके किसी की संभावनाएं धूमिल नहीं करना चाहता। मुझे सिर्फ अपना काम करना है। मुझे अपना काम करना है और इस स्थिति में अंतिम कुछ दिन और हफ्तों के लिए प्रधानमंत्री की संवैधानिक जिम्मेदारी यह है कि वह जनादेश का पालन करता रहे और वही मैं कर रहा हूँ।"

ऋषि सुनक फिलहाल जिस रणनीति पर काम कर रहे हैं, उसे उनके साथी "सेफ्टी फर्स्ट" की संज्ञा देते हैं। नेतृत्व के प्रचार अभियान को लेकर अभी तक उन्होंने सिर्फ चार कदम उठाए हैं: एक तो बेहद परिष्कृत वीडियो लाँच किया गया है, जिसकी पटकथा सावधानीपूर्वक लिखी गई है तैर दो साक्षात्कार हैं, जिनमें एक तो अखबार को दिया गया है और दूसरा रेडियो ब्रॉडकास्ट को।

हर वह जानबूझकर संयम बरतते रहे हैं। अपने प्रसारित होने वाले भाषण की बार-बार पूर्व तैयारी करने के साथ ही उन्होंने प्रसारण में अपने वृहद विचारों को कुछ डिटेल्स में ही बना दिया।

प्रैस के प्रश्न भी सीमित कर दिए गए। शुरू में उन्होंने ब्रॉडकास्टर्स के केवल तीन प्रश्नों का ही उत्तर दिया और अखबारों से आपत्तियां आने के बाद उन्होंने उनके दो प्रश्न और मंजूर कर लिए। दो प्रश्न उनके समर्थकों के थे।

कल प्रसारित बी.बी.सी. रेडियो 4 के "टुडेज़ प्रोग्राम" में उनकी प्रतिक्रियाएं संयमित थीं। उन्होंने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि वह इतने हैं कि प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। उन्होंने इसकी पूर्व तैयारी के साथ तपाक से कहा कि "मैं लोगों का आकलन उनके चरित्र से करता हूँ। उनके बैंक अकाउंट से नहीं।"

स्वयं के वित्त मंत्री रहते हुए टैक्स वृद्धि को लेकर हो रही आलोचना को लेकर उन्होंने कहा "मैं चुनाव जीतने के लिए टैक्स कम नहीं करता। मैं टैक्स कम करने के लिए चुनाव जीतता हूं।"

उनकी टीम के एक सीनियर सदस्य ने कहा: "साक्षात्कारों के दौरान उनका संयम लाजवाब है। वे अविश्सनीय रूप से शांत हैं। वे लोगों को अपने लम्बे लक्ष्य से डिगाने का मौका नहीं देंगे।"

तथापि उनका प्रचार अभियान अभी उस ऊंचाई पर नहीं पहुंचा है, जैसी कि उनके कुछ समर्थक उम्मीद कर रहे थे। अंतिम दो में पहुंचने के लिए उन्हें 120 टोरी सांसदों की जरूरत है जिनमें से अब भी 19 कम हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908